रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.2	26.1
जमशेदपुर	33.1	24.0
डालटनगंज	30.2	24.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

www.lagatar.in रांची, गुरुवार 08 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 121 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

बुरी खबर : जीत दर जीत और फिर मैट से बाहर चूक गई विनेश

वजन अधिक होने के कारण फाइनल से पहले भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट अयोग्य घोषित

पेरिस/नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को महिलाओं की 50 किलो कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से पहले वजन अधिक पाये जाने के कारण बुधवार को ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया. भारतीय दल ने विनेश को थोड़ा और समय देने की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग नहीं सुनी गई. विनेश ने ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन कर इतिहास रचा था. सुबह तक कम से कम रजत पदक पक्का लग रहा था, लेकिन अब वह बिना किसी पदक के लौटेंगी. इस खबर के सामने आने के बाद भारतीय प्रशंसकों में भारी निराशा है.

विनेश को बुधवार की देर रात 50 किलो कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था. सुबह विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया. यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के नियमों के अनुसार, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया है. बता दें कि विनेश ने पहले ही मुकाबले में मौजूदा चैंपयन युइ ससाकी को हराया था. उन्हें फाइनल में अमेरिका की सारा एन हिल्डब्रांट से खेलना था. इससे पहले इटली की एमैन्युएला लियुजी को भी वजन अधिक पाये जाने के कारण पहले दौर का मुकाबला गंवाना पड़ा था.

> विनेश की अयोग्यता बहुत चौंकानेवाली है. ओलंपिक गांव पॉलीक्लिनिक में विनेश से मिल कर उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ और सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है. भारत और पूरे देश में हम विनेश को सभी चिकित्सा और भावनात्मक सहायता प्रदान कर रहे हैं.
> – पीटी उषा, अध्यक्ष आईओए.

आईओए की अपील- विनेश की निजता का सम्मान करें

अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत वजन अधिक पाये जाने पर पहलवान आखिरी तालिका में अंतिम स्थान पर रहता है. भारतीय ओलंपिक संघ ने विनेश के अयोग्य घोषित होने की पुष्टि करते हुए उनकी निजता का सम्मान करने के लिये कहा है. संघ की तरफ से कहा गया कि विनेश फोगाट महिला कुश्ती के 50 किलो वर्ग से अयोग्य घोषित कर दी गई है. पूरी रात टीम के अथक प्रयासों के बावजूद सुबह उसका वजन 50 किलो से अधिक पाया गया.

विनेश आप चैंपियनों में चैंपियन हो: पीएम मोदी

इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा से पूरी जानकारी ली और विभिन्न विकल्पों के बारे में भी पूछा. उन्होंने विनेश की मदद के लिये इस फैसले के खिलाफ सख्त विरोध दर्ज कराने के लिये भी कहा है. इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने विनेश की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि वह भारत का गौरव हैं और उन्हें मजबूती से वापसी करनी है. उन्होंने एक्स पर लिखा, विनेश आप चैंपियनों में चैंपियन हो. आप भारत का गौरव हो और हर भारतीय के लिये प्रेरणास्रोत हो. उन्होंने आगे लिखा, आज के झटके से दुख पहुंचा है. मुझे पता है कि आप फिर वापसी करोगी. चुनौतियों का डटकर सामना करना आपके स्वभाव में है.

पीटी उषा को उचित कार्रवाई का निर्देश : मांडविया

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने विनेश फोगाट के मामले में भारत के कदम को लेकर लोकसभा में बयान दिया. उन्होंने कहा कि आईओए की प्रमुख पीटी उषा पेरिस में ही हैं और प्रधानमंत्री ने उनसे खुद बात की है. मांडविया के अनुसार, प्रधानमंत्री ने पीटी उषा को कहा है कि वह इस मामले में उचित कार्रवाई करें. मांडविया ने कहा कि सरकार ने विनेश फोगाट को सभी प्रकार की खेल सुविधाएं एवं हर स्तर पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराये हैं. विनेश को पेरिस ओलंपिक के लिए 70 लाख 45 हजार 775 रुपये की सहायता दी गयी है.

विनेश का अयोग्य घोषित करना दुर्भाग्यपूर्ण: राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया. उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय ओलंपिक संघ इस निर्णय को मजबूती से चुनौती देकर देश की बेटी को न्याय दिलाएगा. राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, विश्वविजेता पहलवानों को हरा कर फाइनल में पहुंचीं भारत की शान विनेश फोगाट का तकनीकी आधार पर अयोग्य घोषित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है. हमें पूरी उम्मीद है कि आईओए इस निर्णय को मजबूती से चुनौती देगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,200
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

कैलाशनाथन ने पुदुचेरी एलजी पद की शपथ ली

पुदुचेरी। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के कैलाशनाथन ने बुधवार को राज निवास में आयोजित समारोह में पुदुचेरी के 25वें उपराज्यपाल पद की शपथ ली. मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी कृष्णकुमार ने उन्हें शपथ दिलाई. समारोह के बाद कैलाशनाथन को मुख्यमंत्री एन रंगासामी, पुदुचेरी विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम, उपाध्यक्ष पी राजावेलु, नेता विपक्ष आर शिवा ने बधाई व शुभकामनाएं दीं.

सीबीआई ने कोचिंग मामले की जांच संभाली

नयी दिल्ली। सीबीआई ने दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भर जाने के कारण तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत के मामले की जांच अपने हाथों में ले ली है. दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद सीबीआई ने दिल्ली पुलिस से मामले की जांच अपने हाथों में ली है.

12 रास सीट के लिए तीन सितंबर को चुनाव

नयी दिल्ली। नौ राज्यों की 12 रिक्त राज्यसभा सीट के लिए तीन सितंबर को चुनाव होगा और उसी दिन परिणाम भी घोषित किये जाएंगे. केंद्रीय मंत्रियों के लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा की 10 सीट खाली हो गई थीं. निर्वाचन आयोग 14 अगस्त को चुनाव के लिए अधिसूचना जारी करेगा. नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है.

किसानों को हेमंत सरकार का बड़ा तोहफा, मंईयां योजना के फार्म ऑफलाइन जमा होंगे

अब 50 हजार की जगह दो लाख के कृषि ऋण माफ

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ड्रीम प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री मंईयां महिला सम्मान योजना का फार्म अब ऑफलाइन भी भरा जा सकेगा. पंचायत भवन और आंगनबाड़ी केंद्रों में ऑफलाइन फार्म भरे एवं जमा किए जाएंगे. बाद में फार्म की ऑनलाइन एंट्री की जाएगी. यह निर्णय बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया. इस योजना के लिए उमड़ रही महिलाओं की भारी भीड़ एवं अधिक हिट से सर्वर लोड बढ़ने या स्लो होने की समस्या उत्पन्न होने के कारण लिया गया है. इसके अतिरिक्त सरकार ने एक और बड़ा निर्णय लिया है.

राज्य सरकार ने एयर एंबुलेंस का किराया घटाया : राज्य सरकार द्वारा गंभीर बीमारी के इलाज के लिए संचालित एयर एंबुलेंस सेवा के किराया में भारी कमी की गयी है. अब रांची से दिल्ली जाने के लिए पांच लाख के बदले 3.10 लाख, रांची से मुंबई जाने के लिए सात लाख से घटा कर चार लाख, रांची से चेन्नई जाने के लिए आठ लाख से घटा कर 3:30 लाख, रांची से कोलकाता जाने के लिए तीन लाख से घटा कर एक लाख, रांची से हैदराबाद जोन के लिए सात लाख से घटा कर 2.50 लाख, रांची से वाराणासी जाने के लिए 3:03 लाख से घटा कर 1.10 लाख, रांची से लखनऊ जाने के लिए पांच लाख से घटा कर दो लाख और रांची से तिरूपति जाने के लिए आठ लाख से घटा कर 3:30 लाख रुपये एयर एंबुलेंस का किराया कर दिया है. गंभीर बीमारी या बड़ी दुर्घटना होने से एयर एंबुलेंस की सेवा लेने वाले लोगों को भारी राहत मिलेगी.

- एयर एंबुलेंस के तहत मेडिकल सुविधा लेने वालों को तोहफा, किराया में 50% की कमी
- अल्पसंख्यक एवं वित्त रहित शिक्षक व कर्मियों को मिलेगा ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ

शिक्षक व कर्मियों को मिलेगा ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ

सरकार ने एक अन्य अहम फैसला लेते हुए राज्य के अधीन चलने वाले विश्वविद्यालय, वित्त रहित एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (घाटानुदानित अल्पसंख्यक महाविद्यालयों सहित) के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है. इस पेंशन स्कीम लाभ एक दिसंबर 2004 या उसके बाद की तिथि से नियमित कर्मी के सेवा प्रदान करने वाले कर्मियों को मिलेगा. इससे जुड़े अहम प्रस्ताव को सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है.

मानकी मुंडा-ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि दोगुना

रांची। सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 37 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गयी. मानकी मुंडा एवं पारंपरिक ग्राम प्रधानों को दी जाने वाली सम्मान राशि को दोगुना कर दिया गया है. राज्य सरकार ने परंपरागत पदाधिकारी मानकी, परगनैत, मुंडा, ग्राम प्रधान, डाकुवा, पराणिक, जोगमांझी, कुड़ाम नायकी, नायकी, गोड़ैत, मूल रैयत, ग्रामीण दिउरी (पुजारी), पहड़ा राजा, ग्रामसभा का प्रधान, घटवाल व तावेदन को देय सम्मान राशि में दोगुनी बढ़ोतरी का फैसला किया है. मानकी व परगनैत को 6,000 रुपये एवं मुंडा एवं ग्राम प्रधान को 4,000 रुपये की सम्मान राशि दी जायेगी. अन्य पारंपरिक ग्राम प्रधानों को 2,000 रुपये प्रतिमाह दिये जायेंगे. पारंपरिक ग्राम प्रधानों की सम्मान राशि में वृद्धि से राज्य सरकार के कोष पर प्रतिवर्ष 44.79 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ने का अनुमान है. फिलहाल, पारंपरिक ग्राम प्रधानों को सम्मान राशि देने पर 44.79 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं. सम्मान राशि में वृद्धि करने पर प्रतिवर्ष 89.59 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे.

बिहार राज्य परिवहन निगम के 619 कर्मी समायोजित होंगे

सरकार बिहार राज्य परिवहन निगम के 619 कर्मियों को समायोजित करेगी. इससे जुड़े एक प्रस्ताव पर मंजूरी प्रदान की गयी है. एक जुलाई 2004 से ये कर्मी समायोजित माने जाएंगे. इस निर्णय से राज्य के सरकारी कोष पर 50 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा.

कैबिनेट की बैठक में लिये गये अन्य निर्णय

- कृषि ऋण माफ करने के लिए राशि सीमा को 50 हजार से बढ़ा कर दो लाख किया गया.
- **नगर उंटारी और चांडिल में अनुमंडल अभियोजन कार्यालय के गठन और दोनों जगह आठ-आठ पद सृजित किए जाएंगे.**
- बाल आरक्षी से सामान्य आरक्षी में नियुक्ति के लिए शारीरिक या चिकित्सीय योग्यता प्राप्त नहीं करने वाले आरक्षी की पुलिस विभाग में ही फोर्थ ग्रेड में नियुक्ति की जाएगी.
- **केंद्रीय एजेंसी के कार्य दायित्व के मामले की कार्य मंत्रिमंडल सचिवालय निगरानी विभाग करेगा.**
- विधानसभा सदस्य इंद्रजीत महतो के चिकित्सा इत्यादि खर्च की संपूर्ण राशि देने पर स्वीकृति. – शेष पेज 07 पर

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन आज

अंतरिम कार्यवाहक पद की शपथ लेंगे मोहम्मद यूनुस

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में हिंसा का दौर अभी भी जारी है. शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर डटे हुए हैं. शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के 20 से अधिक नेताओं के शव बरामद किए गए हैं. इधर, राजनीतिक अस्थिरता के बीच नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मो यूनुस गुरुवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कार्यवाहक पद की शपथ लेंगे. बांग्लादेश सेना प्रमुख वकर उज जमान ने यूनुस के शपथ ग्रहण की जानकारी दी. यह निर्णय राष्ट्रपति और छात्र आंदोलन के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के बीच बंग भवन में हुई बैठक में लिया गया.

इधर, बांग्लादेश के अंतरिम कार्यवाहक मो यूनुस ने आम जनता से अपील की है कि सभी लोग किसी भी प्रकार की हिंसा से बचें. यूरोप से अपने देश लौटने से पहले अपने एक बयान में उन्होंने कहा कि अगर हम हिंसा का रास्ता अपनाएंगे, तो सब कुछ नष्ट हो जाएगा. यह हमारा सुंदर देश है. हमें इसे संरक्षित करना चाहिए और इसे अपने और अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अद्भुत देश बनाना चाहिए. उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कुछ खास लोगों के एक वर्ग के लिए आरक्षण प्रणाली के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने हिंसा का भयावह रूप अख्तियार कर लिया था. इसके बाद वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ कर भागना पड़ा था.

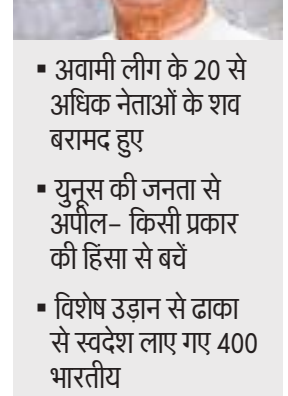

- अवामी लीग के 20 से अधिक नेताओं के शव बरामद हुए
- यूनुस की जनता से अपील- किसी प्रकार की हिंसा से बचें
- विशेष उड़ान से ढाका से स्वदेश लाए गए 400 भारतीय

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को मिला नया पासपोर्ट

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को अब नया पासपोर्ट मिल गया है. उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) ने ये जानकारी साझा की. जिया के निजी सचिव एबी एम अब्दुस सत्तार ने नवीनीकृत पासपोर्ट प्राप्त कर लिया है. बता दें कि 79 वर्षीय खालिदा जिया को 2018 में भ्रष्टाचार के लिए 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी. जिया दो साल से अधिक समय से जेल में थीं. बीएनपी की अध्यक्ष फिलहाल कई बीमारियों का इलाज करा रही हैं. उन्हें हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद मंगलवार को राष्ट्रपति मो शहाबुद्दीन के कार्यकारी आदेश पर रिहा कर दिया गया था. –शेष पेज 07 पर

गूगल की मोनोपोली और भारत

सुरजीत सिंह

क्या आपने सर्च इंजन गूगल को लेकर आयी उस खबर पढ़ा! शायद नहीं. खबर यह है कि गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फावेट को कई अलग-अलग कंपनियों में बांटा जा सकता है. यह काम अमेरिका की सरकार करेगी, ताकि इंटरनेट पर सर्च के बाजार से गूगल की मोनोपोली को तोड़ा जा सके. दो दिन पहले कोलंबिया के जिला जज ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिए हैं. अदालत ने कहा है कि गूगल ने खुद के कारोबार को इस तरह बनाया है कि इंटरनेट सर्च की दुनिया में कोई दूसरी कंपनी प्रवेश ही नहीं कर सकता. इसके लिए गूगल ने अरबों डॉलर खर्च भी किए हैं. कुल मिला कर गूगल ने अनैतिक और अवैध तरीके से सर्च की दुनिया में मोनोपोली बना ली है.

टिप्पणी

इस फैसले के बाद अमेरिका की सरकार गूगल की मोनोपोली को तोड़ने का प्लान ला सकती है. अभी सर्च की दुनिया में 90 प्रतिशत बाजार पर गूगल का कब्जा है, जबकि मोबाइल पर इंटरनेट सर्च की दुनिया में 95 प्रतिशत बाजार पर गूगल का कब्जा है. एक समय माइक्रोसॉफ्ट की भी यही स्थिति थी. तब अमेरिका की सरकार ने उसकी मोनोपोली को खत्म किया था, ताकि किसी भी तरह के बाजार में एक कंपनी की मोनोपोली न रहे.

भारत में क्या स्थिति है! पिछले माह हरफिंडा एचआई नामक कंपनी ने भारत में मोनोपोली को लेकर रिपोर्ट जारी किया था. जिसमें बताया था कि टेलिकॉम सेक्टर में सिर्फ दो कंपनियों की मोनोपोली है. सीमेंट सेक्टर में दो कंपनियों का 96.6 प्रतिशत बाजार पर कब्जा है. इसी तरह बच्चों के लिए फुड और चॉकलेट बनाने वाली कंपनी नेस्ले का बाजार पर लगभग 100 प्रतिशत कब्जा है. बाटा और रिलेक्सो का फुटवियर बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा है. यही हाल स्टील, एयरलाइंस, टायर, दवाईयां, सिगरेट, सॉफ्ट ड्रिंक्स, बैट्री, टैक्सी, ऑयल प्रोडक्ट के बाजार में भी है. एक या दो कंपनियों की मोनोपोली.

अमेरिका में अमेजन, फेसबुक व माईक्रोसॉफ्ट के खिलाफ मुकदमा चल रहा है. भारत में भी कंपीटिशन, कमीशन है. लेकिन क्या हमने कभी सुना कि इस कमीशन ने कभी किसी कंपनी की मोनोपोली तोड़ने के लिए कुछ किया हो. उल्टे सरकार के स्तर पर ऐसे नियम बनाए जाते हैं, जिसकी वजह से कंपनियों को मोनोपोली बनाने में मदद मिलती है. दुनिया भर में यह माना जाता है कि मोनोपोली की वजह से महंगाई बढ़ती हैं, बेरोजगारी में इजाफा होता है. लेकिन हमारी सरकारों को इससे कोई फर्क ही नहीं पड़ता. देखना यह है कि कब भारत की सरकारें भी कंपनियों की मोनोपोली को तोड़ने के लिए कदम उठाती है या हालात पहले जैसे ही रहेंगे.

स्थानीय लोगों को निजी क्षेत्रों में नौकरी नहीं देने का मामला

हेमंत सरकार ने 3909 कंपनियों को नोटिस भेजा

प्रमुख संवाददाता। रांची

निजी क्षेत्र में स्थानीय को नौकरी नहीं देने के मामले में हेमंत सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है. इस मामले में निजी क्षेत्र के 3909 कंपनियों और प्रतिष्ठानों को नोटिस भेजा है. साथ ही 20 लाख 65 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला है. वर्तमान में राज्यभर में 7,083 नियोजक निबंधित हैं. इन्होंने अब तक 11,106 स्थानीय को ही नौकरी दी है. बताते चलें कि झारखंड के निजी क्षेत्रों में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम, 2021 एवं नियमावली, 2022 संपूर्ण राज्य में 12 सितंबर 2022 से प्रभावी है.

क्या कहता है नियम : जिस भी निजी कंपनी, दुकान व अन्य प्रतिष्ठान में जहां 10 या 10 से ज्यादा लोग काम करते हैं, उनको इस कानून के दायरे में रखा गया है. कंपनियों में स्थानीय लोगों की बहाली सुनिश्चित हो, इसके लिए विभाग की ओर से पोर्टल बनाया गया है. इस पोर्टल पर कंपनियों को अपने कर्मियों का पूरा ब्योरा देना है. कर्मियों को स्थानीय प्रमाणपत्र भी पोर्टल पर उपलब्ध कराना है. श्रम विभाग की ओर से सितंबर 2021 में राज्य सरकार ने निजी क्षेत्रों में 75 फीसदी स्थानीय को बहाल करने संबंधी लाये गये कानून के प्रावधानों लागू कराने के लिए कार्रवाई शुरू की है. इस कानून के मुताबिक निजी क्षेत्र की कंपनियों-प्रतिष्ठानों में 40 हजार तक के वेतन पर काम कर रहे कर्मियों में 75 प्रतिशत स्थानीय होंगे.

20 लाख 65 हजार रुपये जुर्माना की वूसली की गयी

निजी क्षेत्र की कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों में दो तिहाई बाहरी

झारखंड के निजी क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों में से दो तिहाई बाहरी हैं. मात्र एक तिहाई लोग ही स्थानीय हैं. संख्या के हिसाब से बात करें, तो राज्य की विभिन्न कंपनियों काम कर रहे 1,84,268 कर्मचारी दूसरे स्थानों से हैं. इस कटेगरी में दूसरे राज्यों के पुरुष कर्मचारी 1,60,458 और महिला कर्मचारियों की संख्या 23,003 है.

झारखंड के निजी क्षेत्रों में सैलरी का ट्रेंड

वेतनमान कटेगरी	कर्मचारियों की संख्या
12 हजार से अधिक	81,234
14 से 16 हजार	33,937
16 से 18 हजार	19,848
18 से 20 हजार	13,309
20 से 25 हजार	16,585
25 से 30 हजार	14,973
30 से 35 हजार	9,719
35 से 40 हजार	6,010

सीएम का प्रयास ला रहा रंग, साहिबगंज से 10 वर्ष से लापता बालक को दिल्ली से कराया गया मुक्त

सीएम का प्रयास ला रहा रंग, साहिबगंज से 10 वर्ष से लापता बालक को दिल्ली से कराया गया मुक्त

प्रमुख संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सार्थक प्रयास से लगातार मानव तस्करी के शिकार बालक/बालिकाओं को मुक्त कराकर उनके घरों में पुनर्वास किया जा रहा है. उसी कड़ी में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र, नई दिल्ली द्वारा मानव तस्करी के शिकार 10 वर्ष से लापता बालक को रेस्क्यू किया गया. बालक 10 साल पहले जब मानव तस्करों द्वारा दिल्ली लाया गया था, तब उसकी उम्र लगभग 13 वर्ष थी. 10 वर्षों से परिवार से बालक का कोई भी संपर्क नहीं था. पिता द्वारा पिछले कई सालों से खोजबीन करने पर भी बालक की कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी. इस संदर्भ में झारखंड के साहेबगंज जिले के बरहेट थाने में सनहा दर्ज था. कई सालों तक लगातार झारखंड पुलिस द्वारा भी बालक की खोजबीन की गयी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला. इसके बाद झारखंड भवन, नई दिल्ली को इस संदर्भ में पाच दिन पूर्व सूचना दी गई.

किया गया टीम का गठन : झारखंड भवन, नई दिल्ली की नोडल ऑफिसर नचिकेता द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए एक टीम का गठन किया गया. बालक के पिता द्वारा एक प्लेसमेंट एजेंसी वाले का मोबाइल नंबर दिया गया था. उस मोबाइल की जानकारी निकालने पर पता चला कि वह नंबर एक ट्रैवल एजेंसी वाले का है. झारखंड भवन द्वारा गुप्त मिशन चलाते हुए झारखंड भवन के कर्मचारी राहुल सिंह व निर्मला खलखो और मिशन मुक्ति फाउंडेशन के डायरेक्टर वीरेंद्र सिंह द्वारा यात्री बनकर उक्त ट्रैवल एजेंसी वाले से फोन पर संपर्क स्थापित किया. फिर उसके कार्यालय जाकर उसे धर दबोचा. एजेंसी के मालिक ने बताया कि उसने ही उस बच्चे को काम पर लगवाया था.

मुक्त कराया गया बालक.

मोबाइल नंबर से किया गया ट्रैक

बच्चे को जिस घर में काम पर लगवाया गया था, उस घर के मालिक के मोबाइल नंबर को ट्रैक करते हुए उसके ऑफिस पर जब रेस्क्यू टीम गई, तो पता चला कि मालिक द्वारा ऑफिस दो-तीन साल पहले ही दूसरी जगह शिफ्ट कर लिया गया है. झारखंड भवन, नई दिल्ली द्वारा मालिक के पानीपत, हरियाणा एवं नई दिल्ली वाले आवास पर स्थानीय पुलिस एवं स्थानीय एनजीओके सहयोग से संयुक्त रूप से छापेमारी की गई . वहां बच्चा नहीं मिला, लेकिन दिल्ली वाले आवास पर झारखंड का एक दूसरा 17 वर्षीय बालक मिला, जिससे घर एवं ऑफिस का काम कराया जा रहा था. झारखंड भवन द्वारा उस बच्चे को रेस्क्यू करते हुए बच्चे की काउंसलिंग की गई और स्थानीय पुलिस के सुपर्द करते हुए आगे की कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया एवं उस परिवार को 10 वर्षों से गुमशुदा बच्चे को सुपर्द करने की सख्त हिदायत दी गई. 10 वर्षों से लापता हुए बालक को अगले दिन सकुशल उसके परिवार के पास झारखंड भेज दिया गया. इस रेस्क्यू ऑपरेशन में नई दिल्ली की स्थानीय एनजीओ मिशन मुक्ति फाउंडेशन के डायरेक्टर वीरेंद्र सिंह और रेस्क्यू फॉउंडेशन से अक्षय ने अहम भूमिका निभाई.

अधिकारी के निर्देश पर की गई त्वरित कार्रवाई

बताते चलें कि एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र नई दिल्ली, झारखंड भवन का एक अभिन्न अंग है, जिसे महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित किया जाता है. यह सारी कार्यवाही झारखंड भवन के स्थानिक आयुक्त के निर्देश पर कीगयी. बता दें कि महिला एवं बाल विकास विभाग मानव तस्करी के मामले में बहुत ही संवेदनशील है. उसी का परिणाम है कि झारखंड के मानव तस्करी के शिकार सैकड़ो बच्चों को अब तक उनके घरों में पुनर्वासित किया जा सका है और उन्हें झारखंड सरकार की कई योजनाओं का लाभ भी दिया जाता है.

स्पेशल ब्रांच के आईजी से मांगी सूचनाएं

डीजीपी ने सक्रिय नक्सली संगठनों की मांगी जानकारी

खास बातें

- अपराधी व स्प्लिंटर ग्रुप के बारे में जानकारी देने को कहा
- 13 अगस्त को नक्सली संगठन पर कार्रवाई की होगी समीक्षा

सौरभ सिंह।रांची

डीजीपी अनुराग गुप्ता 13 अगस्त को नक्सली संगठन के खिलाफ की गई कार्रवाई की समीक्षा करेंगे. इसे लेकर डीजीपी ने आईजी स्पेशल ब्रांच को निर्देश दिया है कि 12 अगस्त तक प्राप्त सूचनाएं और सभी सक्रिय नक्सली संगठन, नक्सल से जुड़े अपराधी और स्प्लिंटर ग्रुप की संपूर्ण विवरणी तैयार कर ब्रीफ करेंगे. इस समीक्षा बैठक में एडीजी अभियान, आईजी अभियान, सीआरपीएफ आईजी स्पेशल ब्रांच के अलावा सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, एसटीएफ डीआईजी और एसपी बोकारो, चाईबासा,चतरा, लातेहार, गिरिडीह, लातेहार और पलामू भाग लेंगे. इन क्षेत्रों में कार्यरत सीआरपीएफ के वरीय अधिकारियों को भी शामिल करने को कहा गया है.

इन मुख्य बिंदुओं पर होगी समीक्षा

- कौन से पिकेट अनावश्यक हैं उन्हें हटाया जा सकता है.
- **क्या सभी महत्वपूर्ण नक्सली और उससे अलग हुए संगठन की प्रोफाइल बनाए रखी जा रही है?**
- कोई बड़ा नक्सली जो जमानत पर रिहा हुआ हो.
- **एसपीओ की भूमिका और स्थिति.**
- पुलिस चौकियों का सुरक्षा ऑडिट.
- **समर्पण राशि के भुगतान की स्थिति, यदि कोई हो.**
- मुआवजा राशि का बकाया भुगतान.
- **क्या फरार नक्सलियों की संपत्ति की कुर्की की जा रही है?.**
- क्या पुलिस/सीआरपीएफ/सीपीएमएफ पिकेट को दुश्मन के बारे में पता है? क्या उन्हें अपने दुश्मन को मारने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है?.
- **खुफिया जानकारी एकत्र करने और खुफिया जानकारी साझा करने में कोई समस्या?**
- कोई ऐसा क्षेत्र जहां मोबाइल संचार काम नहीं कर रहा है?
- **कोई महत्वपूर्ण सड़क पुल, पुलिया जिसे बनाने की आवश्यकता है?**

क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का डीआईजी ने किया शुभारंभ

पलिस ड्यूटी मीट में मौजूद पुलिस अधिकारी.

रांची। कांके रोड स्थित रांची पुलिस लाइन में बुधवार को तीन दिवसीय क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ हुआ. रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने इसका शुभारंभ किया. इस ड्यूटी मीट में एसएसपी चंदन सिन्हा मौके पर मौजूद रहे. साथ ही संतोष सुधाकर सहायक निदेशक राज्य फिंगर प्रिंट ब्यूरो, डॉ. अमित कुमार सहायक निदेशक एफएसएल के अलावा दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के सभी जिला से आए प्रतिभागी उपस्थित हुए. इस ड्यूटी मीट में अनुसंधान की बारीकियां और अनुसंधान में वैज्ञानिक सहायता, कम्प्यूटर साक्षरता, श्वान दस्ता की दक्षता की परीक्षा के साथ-साथ प्रशिक्षण भी दिया जायेगा. डीआईजी द्वारा नये बीएनएसएस के प्रावधानों का अनुपालन डीएनए के लिए साक्ष्यों का संकलन और संरक्षण, के उपयोगिता के बारे में प्रकाश डाला गया.

कोर्ट की खबरें

आलमगीर की बेल पर शुक्रवार को होगी बहस

संवाददाता ।रांची

टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम की बेल पर रांची पीएमएलओए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में बुधवार को सुनवाई हुई. इस दौरान बचाव पक्ष यानी आलमगीर आलम की ओर से बहस पूरी कर ली गयी है. अब शुक्रवार को ईडी की ओर से बहस की जायेगी. बता दें कि आलमगीर आलम को ईडी ने छह घंटे की पूछताछ के बाद 15 मई को गिरफ्तार किया था. वहीं ईडी इसी केस में राज्य के वरीय आईएएस अधिकारी मनीष रंजन से पूछताछ भी कर चुकी है. इस केस में आलमगीर आलम के ओएसडी रहे संजीव लाल और उसके सहयोगी जहांगीर आलम को भी एजेंसी गिरफ्तार कर चुकी है. इनके ठिकाने से एजेंसी ने 35 करोड़ रुपये से ज्यादा नकद राशि बरामद की थी.

अवैध खनन मामला : दाहू यादव के बेटे राहुल यादव की डिस्चार्ज याचिका खारिज

रांची। साहिबगंज जिले में हुए 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा के अवैध खनन मामले में आरोपी दाहू यादव के बेटे राहुल यादव की डिस्चार्ज याचिका खारिज हो गयी है. बुधवार को रांची पीएएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने राहुल यादव की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी. अब जल्द ही उसके खिलाफ कोर्ट आरोप गठन की प्रक्रिया शुरू कर सकता है. राहुल ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरेंडर किया था. फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है.

पारा शिक्षक हत्याकांड के आरोपी का ट्रायल जल्द करें पूरा

रांची। वर्ष 2010 में सिमडेगा के पारा शिक्षक मनोज कुमार हत्याकांड के सूचक संजय कुमार की याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने सिमडेगा सिविल कोर्ट को इस केस से जुड़े अन्य अभियुक्तों के मामले में जल्द ट्रायल पूरा करने का निर्देश दिया है. अधिवक्ता के माध्यम से सूचक ने हाई कोर्ट को बताया कि इस केस के मुख्य आरोपी नक्सली बारूद गोप के खिलाफ पिछले 14 वर्षों से सिमडेगा सिविल कोर्ट ट्रायल पूरा नहीं हुआ. जबकि इसी केस के आरोपी पूर्व मंत्री एनोस एक्का को सजा भी हो गयी. हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. सूचक की ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा ने बहस की.

हाईकोर्ट में पेश की गई मांस की बिक्री की तस्वीरें

रांची। श्यामानंद पांडेय द्वारा दायर की गयी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने शहर में गो वंश मांस की खुलेआम बिक्री होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए रांची एसएसपी को ऐसा करने वालों के खिलाफ एक्शन लेने का निर्देश दिया है. अदालत ने अगले सप्ताह मंगलवार तक एसएसपी को शपथ पत्र के माध्यम से कार्रवाई की जानकारी कोर्ट को देने का निर्देश दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने बहस की. राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि अगर ऐसा हो रहा है तो इस मामले में कार्रवाई की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

आज आदिवासियों के अधिकार पर परिचर्चा

रांची। विभिन्न आदिवासी संगठनों की ओर से गुरुवार को धुमकुड़िया भवन करमटोली में अंतरराष्ट्रीयआदिवासी दिवस और आदिवासियों के अधिकार विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया. परिचर्चा में आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, विभिन्न आदिवासी संगठनों/सरना समिति के प्रतिनिधि को शामिल होंगे.

गोला को मुरी से जोड़ने वाला रोड बनेगा फोरलेन

रांची। गोला से मुरी जाने वाली सड़क के निर्माण को लेकर मार्च में हुई कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव पास किया गया था. इसके तहत गोला से मुरी तक सड़क फोरलेन बनायी जानी है. इस सड़क की लागत 333.17 करोड़ आएगी. सड़क निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति मिल गयी है.

मंइयां सम्मान योजना में राशनकार्ड की बाध्यता समाप्त की जाए : सीपीएम

प्रमुख संवाददाता।रांची

खास बातें

- सीपीएम के प्रकाश विप्लव ने सुझाए महत्वपूर्ण सुझाव
- योजना की तारीफ की और सीएम को धन्यवाद दिया

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना (एमएमएमएसवाई) राज्य की गरीब महिलाओं को कुछ आर्थिक मदद उपलब्ध कराए जाने की दिशा में बढ़ा हुआ ठोस कदम है. राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा है कि अबुआ आवास योजना के बाद एमएमएमएसवाई जिसमें झारखंड की गरीब महिलाओं को केंद्र में रखकर उन्हें राहत प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बधाई के पात्र हैं. एमएमएमएसवाई योजना का लाभ राज्य की महिला आबादी के केवल आधे हिस्से को ही मिल पाएगा. क्योंकि राज्य की महिला जनसंख्या में पचास प्रतिशत से ज्यादा महिलाओं के पास राशनकार्ड नहीं है. हजारों महिलाओं ने राशनकार्ड में अपना नाम जोड़ने या नया राशनकार्ड बनाने के लिए बहुत पहले ही आवेदन दिया है. लेकिन अभी तक पारिवारिक राशन कार्ड में नाम जोड़ने या नया राशन कार्ड निर्गत करने का काम लंबित है.

राशनकार्ड नहीं रहने या राशनकार्ड में नाम नहीं रहने के कारण हजारों गरीब महिलाएं इस योजना से वंचित रहेंगीं. जबकि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक जिले में कम से कम 1 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ दिया जाए. सीपीएम का राज्य सचिव मंडल हेमंत सरकार से मांग करता है कि एमएमएमएसवाई में राशनकार्ड की बाध्यता को शिथिल किए जाने का आदेश दिया जाए,

71 सार्जेंट की वरीयता सूची की गई जारी

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 71 प्रारक्ष अवर निरीक्षक (सार्जेंट) की औपबंधिक वरीयता सूची जारी की है. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सभी रेंज के डीआईजी के अलावा एसीबी स्पेशल ब्रांच, रेल और झारखंड जगुआर के डीआईजी को पत्र लिखा है. पुलिस मुख्यालय ने कहा कि अपने क्षेत्र के जिला और इकाई में पदस्थापित सार्जेंट के बीच यह वरीयता सूची को प्रसारित करें, यदि वरीयता सूची में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इसे 15 दिनों के अंदर समर्पित करें. पुलिस मुख्यालय ने वरीयता सूची में अंकित सूचना का मिलान संबंधित कर्मी की सेवा पुस्तिका और अन्य अभिलेख से करने को कहा है. यदि किसी प्रकार की गलती है तो इसकी सूचना उपलब्ध कराने को कहा है. यदि किसी का सूची में नाम छूट गया है या कोई सुधार हो तो, ऐसे पदाधिकारी के संबंध में सूचना अलग से उपलब्ध कराएं.

मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों को मीडिया में प्रचारित कराएं: नगर विकास सचिव

नगर निकायों की अहम भूमिका : के. रविकुमार

प्रमुख संवाददाता।रांची

राज्य के मुख्य चुनाव पदाधिकारी के. रविकुमार ने कहा है कि मतदाता जागरूकता अभियान मे राज्य के नगर निकायों अहम भूमिका है. आम लोगों की जीवन से प्रत्येक दिन नगर निकायों वास्ता पड़ता है. के. रविकुमार ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन के सभागार में नगर निकायों के साथ आयोजित समीक्षा दौरान ये बातें कहीं. उन्होंने कहा कि चार राज्यों मे विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. इसलिए अधिक मतदान हो इस पर फोकस करना है. नगर निकाय स्थानीय कोचिंग सेंटर, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों, रात्रि आश्रयणी और वृद्धाश्रमों में मतदाता जारूकता अभियान चलायें. हर निजी घर, फ्लैट, अपार्टमेंट और सरकारी कालोनियों में जाकर मतदान के लिए प्रोत्साहित किया जाये. शहरी स्लम एरिया के मतदाताओं को मतदान के जागरूक करने पर विशेष बल दिया जाये. क्षेत्र में काम करने वाली बीएलओ से कार्य के दौरान आने वाली परेशानियों को पूछ कर समाधान करने का प्रावधान किया जाये.

प्रोजेक्ट भवन में समीक्षा के दौरान के. रविकुमार व अन्य.

प्रचार प्रसार में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्णः अरवा राजकमल : नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि मतदाता जागरूकता अभियान के प्रचार प्रसार में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है. अभियान से संबंधित निकायों द्वारा किये जा रहे कार्य समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मे अवश्य आने चाहिए जिससे मतदाता अपने अधिकार और कर्तव्य को जान पायेंगे. राजकमल ने कहा कि वर्तमान समय में किसी अभियान को सफल बनाने मे सोशल मीडिया की भूमिका कम नहीं होती. नगर निकाय सोशल मीडिया का उपयोग करें. समीक्षा के क्रम मे रांची नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार , सुडा डायरेक्टर अमित कुमार, अपर सचिव ज्ञानेंद्र कुमार और डीएमए डायरेक्टर सत्येंद्र कुमार शामिल थे.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, गुरुवार 08 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 121

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

टाटा स्टील यूआईएसएल के सुपरवाइजर ने सुसाइड नोट में लिखा- वर्कलोड बहुत ज्यादा बढ़ा दिया है, काम नहीं हो पा रहा है...

वर्कलोड से परेशान सुपरवाइजर ने कार्यालय में ही फांसी लगा ली

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा स्टील यूआईएसएल (पूर्व में जुस्को) के सीनियर सुपरवाइजर (एसएस) ओमप्रकाश साहू ने बुधवार को गोलमुरी स्थित अपने कार्यालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. इस घटना के बाद कार्यालय के कर्मचारी एवं अधिकारी सकते में हैं. सूचना मिलने के बाद गोलमुरी पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद कंपनी के अधिकारी तथा जुस्को श्रमिक यूनियन के नेता कार्यालय पहुंचे.

ओमप्रकाश साहू के पॉकेट से पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है. उसमें उन्होंने आत्महत्या का कारण वर्कलोड बहुत ज्यादा बढ़ाना बताया है. ओमप्रकाश साहू गोलमुरी के गाढ़ाबासा में स्थित वर्कर्स फ्लैट संख्या 102 में रहते थे. प्रतिदिन की तरह बुधवार को वे अपने फ्लैट से कार्यालय आए. उनके अधीन कार्यरत कर्मचारियों को दोपहर का लंच लेने के लिए बाहर भेज दिया. उसके बाद नायलॉन की रस्सी से फंदा बना कर पंखे के सहारे झूल गए. उनके सहयोगी जब बाहर से आए, तो उन्हें पंखे से लटका देखा. हल्ला करते हुए सहयोगी बाहर निकले और कंपनी के वरीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई.

पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, यूडी केस दर्ज

सुपरवाइजर ओमप्रकाश साहू सुसाइड नोट में क्या लिखा है ?

ओमप्रकाश साहू ने सुसाइड नोट में लिखा है- मैं अपने ऑफिस में वर्कलोड के बोझ से बहुत अधिक परेशान हूं. मुझे बारीडीह में चार कल्सटर एग्रिको, सिदगोड़ा, ओल्ड बारीडीह और न्यू बारीडीह के साथ बारीडीह इएमसी का बोझ दे दिया गया है. मुझसे इतने वर्कलोड में काम नहीं हो पा रहा है. मैंने अपने चीफ, आलोक सर और एरिया मैनेजर से भी बात की कि मैं इतने अधिक वर्कलोड में काम नहीं कर पा रहा हूं, पर कोई समाधान नहीं हुआ. मैं पिछले तीन से चार माह से बहुत परेशान हूं. अपने ऑफिस के कलिग (साथी) से इस समस्या के बारे में बात करता रहता हूं. उनलोगों ने भी कहा कि आपको अधिक वर्कलोड दिया गया है. मेरे ऑफिस में ओझा जी और बिनोद जी मेरी काफी मदद करते थे और आगे मैं इतना अधिक वर्कलोड में काम नहीं कर सकता. एरिया में अधिक काम बढ़ गया है. इससे काम करने में मुझे काफी परेशानी हो रही है. इस कारण मैं इस दुनिया से जा रहा हूं. सर मुझे माफ करें, चीफ सर से निवेदन है कि मेरी जो भी राशि हो उसे मेरी पत्नी को दिला दीजियेगा.

घटना दुखद, कंपनी मैनेजमेंट से बात करेंगे : रघुनाथ पांडेय

घटना की जानकारी होने के बाद जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय गोलमुरी स्थित घटनास्थल पहुंचे. उन्होंने इस घटना पर दुख जताया. कहा कि ओमप्रकाश साहू वर्तमान में जो काम कर रहे थे, वहीं काम वे पिछले कई महीने से कर रहे थे. इस घटना को लेकर वे कंपनी मैनेजमेंट से बात करेंगे. परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा एवं बेटी है. परिजनों को मुआवजा और नौकरी दिलाने की बात की जाएगी.

कंपनी नीति के अनुसार आश्रितों को सभी सुविधाएं देंगे : प्रबंधन

टाटा स्टील यूआईएसएल ने विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट में सीनियर सेनेटरी सुपरवाइजर ओम प्रकाश साहू (56 वर्ष) के दुर्भाग्यपूर्ण निधन हुआ है. इससे सभी दुखी हैं. बुधवार दोपहर करीब 12 बजे उनका शव उनके गोलमुरी ऑफिस के सीलिंग फैन से लटका मिला. टीएसयूआईएसएल जांच एजेंसियों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है. कंपनी पीड़ित परिवार के साथ है और कंपनी की नीति के अनुसार हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है. एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में टीएसयूआईएसएल अपने सभी हितधारकों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रतिबद्ध है.

ब्रीफ खबरें

सैनिक के घर से नकदी समेत 50 लाख की चोरी

गढ़वा। शहर के पीपरा खुर्द में चोरों ने सैनिक के घर से लगभग नकदी, जेवर समेत कुल 50 लाख रुपये के सामान की चोरी कर ली. जानकारी के मुताबिक, गृहस्वामी सेवानिवृत्त सैनिक हैं,जबकि उनके दोनों बेटे भी आर्मी में पदस्थापित हैं. सेवानिवृत्त सैनिक ललन सिंह ने बताया कि जिस समय घर में चोरी हुई, उस वक्त घर में उनके अलावा उनकी बीमार पत्नी और एक छोटा पोता था. सभी लोग गहरी नींद में सो रहे थे. इसी का फायदा उठा कर चोरों ने घटना को अंजाम दिया है. घटना की सूचना पर एसडीपीओ नीरज कुमार, शहर थाना प्रभारी बृज कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और घरवालों से घटना की जानकारी ली.

वज्रपात की चपेट में आने से तीन की मौत

बोकारो। जिले के माराफारी कैंप- 1 क्षेत्र में वज्रपात की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, घर के बाथरूम में लगे टुल्लूपंप के पास वे लोग खड़े थे, तभी अचानक आकाशीय बिजली गिरी और तीनों वहीं मूर्च्छित होकर गिर गये. परिजनों ने तीनों को आनन-फानन में अस्पताल लाया, जहां चिकित्सकों ने जांचोपरांत सभी को मृत घोषित कर दिया. मृतकों की पहचान माराफारी कैंप- 1 क्षेत्र में रहनेवाले श्याम सिंह के पुत्र प्रिंस कुमार (25), बेटी करिश्मा (20) और परिजन सुरेखा देवी (42) के रूप में हुई है. पुलिस ने तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है.

कानून ताक पर रख वन अधिकार पट्टा स्वीकृत कराना चाहते हैं वन विभाग के अफसर

सामुदायिक वन अधिकार पट्टा में डीएफओ का रोड़ा

- सामुदायिक वन अधिकार पट्टा में डीएफओ का रोड़ा
- नहीं दे सकते सीएफआरआर, ऐसे तो पूरा जंगल ही उजड़ जाएगा
- डीएलसी बैठक के दो-दो मिनट्स तैयार, एक से डीसी का हस्ताक्षर गायब

प्रवीण कुमार। रांची

वन अधिकार पट्टा देने के मामले में वन विभाग ही रोड़े अटका रहा है. या तो वन विभाग पट्टा देना नहीं चाहता या फिर जंगल खत्म होने की आशंका जता मामले से कन्नी काट लेता है और इससे संबंधित संचिका को उलझाये रखता है. कई ऐसे मामले आये हैं, जिसमें आदिवासियों को उनके दावों की तुलना में बहुत कम जमीन मिली है. नया मामला सिमडेगा जिले में सामने आया. मंगलवार को वन अधिकार पट्टा देने के लिए जिला स्तरीय कमेटी (डीएलसी) की बैठक हुई थी. इसमें उपायुक्त और अन्य कमेटी के सदस्य मैजूद थे. इसमें 20 जुलाई को हुई बैठक के बाद सब-डिवीजनल कमेटी (एसडीएलसी) द्वारा सामुदायिक वन आधिकार पट्टा (सीएफआर) और कम्यूनिटी फॉरेस्ट रिसोर्स राइट्स (सीएफआरआर) देने के लिए भेजे गए 41 दावों पर चर्चा हुई.

डीएफओ बोले- ना बाबा ना, लोग जंगल उजाड़ देंगे

सिमडेगा डीएलसी की मंगलवार को बैठक में सीएफआरआर और सीएफआर की 41 दावों की स्वीकृति के लिए उपायुक्त सहित सभी सदस्य तो तैयार हो गये, लेकिन डीएफओ रोशन कुमार ने अड़ंगा लगा दिया. वे बार-बार कहने लगे कि लोगों को सामुदायिक वन अधिकार पट्टा दे सकते हैं, लेकिन सीएफआरआर नहीं दे सकते. इससे तो पूरा जंगल ही उजड़ जाएगा, इसका प्रभाव 20 साल बाद देखने को मिलेगा. कहा- हम लोगों को वनों पर अधिकार नहीं दे सकते, क्योंकि जिन्हें पट्टा मिलेगा, तो वे जंगल को उजाड़ देंगे, वे लोग वनों का वैज्ञानिक प्रबंध नहीं जानते हैं.

डीसी बोले- दो-दो मिनट्स तैयार करने की जानकारी नहीं

सिमडेगा के उपयुक्त अजय कुमार सिंह ने कहा कि डीएलसी की बैठक के दो-दो मिनट्स तैयार करने की जानकारी नहीं. बैठक में 41 सामुदायिक वन पट्टा देने के दावे को स्वीकृति कर दी गई है. दो-दो मिनट्स तैयार किए जाने के पर कहा कि डीएफओ भी कुछ तथ्यों को जोड़ना चाहते थे.

डीएलसी का अलग मिनट तैयार कर हस्ताक्षर भी करा लिया

डीएफओ की अड़ंगेबाजी का मामला यहीं नहीं रुका. उन्होंने दबंगई दिखाते हुए डीएलसी का अलग मिनट तैयार करा कर कुछ अधिकारियों से हस्ताक्षर भी करा लिया. जब वरीय अधिकारियों को मामले की जनकारी मिली, तो इसमें हस्ताक्षेप किया और 41 पट्टे को स्वीकृति मिल सकी. इसके बाद भी डीएफओ नहीं माने, बुधवार को जब पट्टा के कागजात तैयार किये जा रहे थे, तों उसमें कानून को ताक पर रखते हुए पट्टा में यह दर्ज कराने में लगे रहे कि जिस गांव को पट्टा मिला है, उसके नाम पर ग्राम सभा के 150 या 160 लोगों को ही वन अधिकार पट्टा दिया जाता है, जबकि सामुदायिक वन अधिकार पट्टा ग्राम सभा के नाम पर होता है और ग्राम सभा के सभी लोगों को इस पट्टे के उपयोग का अधिकार स्वत: मिल जाता है.

कमेटी में वन विभाग के रेंज अफसर भी रहते हैं. इसमें पट्टा देने योग्य भूमि की प्रक्रिया पूरी कर ली जाती , जिन आवेदनों में त्रुटि रह जाती है, उसे पुनः सुधार के लिए वापस भेजा जाता है.

डीएफओ ने सीएफआरआर पर चुप्पी साधी, कहा- पट्टा देना करना उपयुक्त का काम है. ग्राम सभा को सीएफआरआर देने के सवाल पर कुछ कहने से इनकार कर दिया.

डीसी का काम : डीएफओ रोशन कुमार ने कहा कि वनों को बचाने के लिए हमने अपनी भावनाओं को रखें है, पट्टा देने का मामले स्वीकृत

कोयला खदान में गोलीबारी, आगजनी व रंगदारी मामला

एनआईए ने अपराधी अमन साहू के भाई को गिरफ्तार किया

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कोयला खदान में गोलीबारी, आगजनी और जबरन वसूली मामले में जेल में बंद अपराधी अमन साहू के भाई आकाश कुमार साहू को गिरफ्तार किया है. अमन गिरोह के शंकर यादव के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के एक दिन बाद ही एनआईए ने यह कार्रवाई की है. आकाश इस मामले में गिरफ्तार किया जानेवाला 26वां आरोपी है.

वसूली के पैसों को ठिकाने लगाने में शामिल था : एनआईए ने जांच में पाया कि आकाश, शंकर यादव और अन्य के साथ अमन साहू के लिए जबरन वसूली के पैसे को ठिकाने लगाने में सक्रिय रूप से शामिल था. आकाश ने जबरन वसूली से एकत्र किए गए धन को रियल एस्टेट में निवेश करने के लिए शंकर के साथ शामिल हो गया था. एनआईए की जांच के अनुसार, आकाश, अमन साहू गिरोह के कई महत्वपूर्ण सदस्यों को रसद पहुंचाने के साथ ही साथ अन्य मदद भी पहुंचा रहा था.

ततेरियाखाड़ कोयला खदान में किया था हमला : लातेहार जिला के तेतरियाखाड़ कोयला खदान पर हमले के बाद 19 दिसंबर 2020 को बालूमाथ थाना में मामला में दर्ज किया गया था. अमन साहू ने गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और अन्य के साथ मिल कर लेवी वसूली और कोलियरी में परिचालन बाधित करने की साजिश रची थी और उसी को लेकर हमले की योजना बनाई थी. उल्लेखनीय है कि अमन साहू गिरोह झारखंड में पुलिस अधिकारियों और जेल कर्मचारियों पर गोलीबारी सहित कई सनसनीखेज आपराधिक वारदातों में शामिल रहा है. अमन साहू के निशाने पर कारोबारी और ठेकेदार रहे हैं. गिरोह ने अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए राज्य के बाहर अलग-अलग नक्सली संगठनों और अन्य संगठित आपराधिक गिरोहों के साथ भी संबंध विकसित किए हैं. इस मामले में आगे की जांच जारी है.

पीएनएफआई की लेवी वसूली मामले में एनआईए का छापा

रांची/खूंटी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को पीएलएफआई द्वारा लेवी वसूली मामले को खूंटी में दो जगहों पर छापेमारी की. इस दौरान कई आपत्तिजनक डिजिटल उपकरण और दस्तावेज जब्त किए है. यह मामला झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में पीएलएफआई कैडरों द्वारा विभिन्न कोयला व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों, रेलवे ठेकेदारों, व्यापारियों से पैसे की जबरन वसूली से संबंधित है. पीएलएफआई उग्रवादियों ने व्यवसायियों और ठेकेदारों के बीच आतंक पैदा करने के उद्देश्य से हत्या, आगजनी और हिंसक हमलों सहित विभिन्न हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश भी रची थी. मामले में एनआईए ने आरसी-04/2023 दर्ज कर जांच कर रही है.

1008 बोतल देसी शराब बरामद, चार गिरफ्तार

हरिहरगंज/पलामू। एसडीपीओ नौशाद आलम के नेतृत्व में मंगलवार की शाम पीपरा थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव के समीप चेकिंग अभियान के दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब के साथ चार कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है. इस संबंध में पिपरा थाना प्रभारी विमल कुमार ने बताया कि ऑल्टो कार में रखे टनाका कंपनी के 21 कार्टून में 1008 बोतल अवैध देसी शराब बरामद किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों में औरंगाबाद जिले के नवीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरी जेयतिया निवासी युवराज सिंह, चिरैली निवासी विकाश कुमार, टंडवा थाना क्षेत्र के मुंगिया निवासी धीरज कुमार और पीपरा थाना क्षेत्र के बरदाग निवासी दीपक कुमार शामिल है.

बरामद शराब के साथ पकड़े गये तस्कर.

छह वाहनों को उग्रवादियों ने फूंका, थानेदार निलंबित

संवाददाता। रांची

बुढ़मू के छापर स्थित दामोदर नदी बालू घाट में उग्रवादियों ने छह वाहनों को आग के हवाले कर दिया. घटना मंगलवार देर रात करीब 12 बजे की है. इस घटना के बाद एसएसपी चंदन सिन्हा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुढ़मू

- रितेश महतो बुढ़मू के नये थाना प्रभारी बनाये गये

थाना प्रभारी रामजी कुमार और एक दारोगा को निलंबित कर दिया है. वहीं रामजी कुमार की जगह रितेश महतो को बुढ़मू का नया थाना प्रभारी बनाया है.

लेवी को लेकर उग्रवादियों ने घटना को अंजाम दिया : आगजनी की घटना को लेवी को लेकर अंजाम दिया गया है. फिलहाल किसी उग्रवादी संगठन ने इसकी जिम्मेवारी नहीं ली है. लेकिन कहा जा रहा है कि जेजेएमपी कमांडर राहुल तुरी उर्फ अलोक जी ने वाहनों को आग के हवाले किया है.

जला हुआ वाहन.

अच्छी पहल कोल इंडिया आशीष योजना के तहत 1645 अनाथ बच्चों को मिल रही 45,000 की छात्रवृत्ति

मृत कर्मियों के अनाथ बच्चों को कोल इंडिया का 'आशीष'

- कोविड काल में मृत कोल कर्मियों के 424 आश्रितों को मिल चुका है नियोजन

संवाददाता। धनबाद

कोविड काल में परिजनों को खोने वाले अनाथ बच्चों को कोल इंडिया का आशीष मिल रहा है. इन बच्चों के लिए कोल इंडिया द्वारा आशीष योजना शुरू की गई है. अपने माता-पिता को खो चुके 1645 बच्चों को कोल इंडिया आशीष योजना के तहत छात्रवृत्ति मिल रही है. कोविड काल में मरने वाले कोल कर्मियों के 424 आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी भी दी गई है. कोल इंडिया ने इन 1645 बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए कोल इंडिया आशीष योजना के माध्यम से आयुष्मान शिक्षा सहायता योजना शुरू की है.

चार साल तक 45,000 रुपये की मिलती है छात्रवृत्ति : कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चों की पढ़ाई-लिखाई बंद हो गई थी, कोल इंडिया आशीष योजना के तहत बच्चों को चार साल की अवधि के लिए प्रतिवर्ष प्रति बच्चा 45000 रुपये की छात्रवृत्ति देने का प्रावधान है. इस सहयोग से अनाथ बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे. कोल इंडिया ने अनुकंपा नियुक्ति के तहत 424 आश्रित को नियुक्ति पत्र भी जारी किया है. जिन 424 आश्रित को नौकरी मिली है, उन्होंने भी अपने परिवार के सदस्यों को कोविड में खो दिया था.

कई नियमों को शिथिल किया, कई बदलाव भी किए

कोल इंडिया लिमिटेड ने कर्मचारी हित में कई नियमों को शिथिल किया, तो कई में बदलाव भी किए हैं. कोल इंडिया के कर्मचारियों के आश्रितों को नियोजन की नई नीति के बाद अधिकारियों के आश्रितों के नियोजन के नियम में भी संशोधन किया गया था. संशोधित नियम में कोयला अधिकारियों के आश्रितों को अनुकंपा पर नियोजन में बड़ी राहत मिली थी. प्रबंधन ने अधिकारियों के आश्रितों के अनुकंपा पर नियोजन संबंधी नीति में संशोधन करते हुए गैर अधिकारियों की तरह कम उम्र के बच्चे को लाइव रोस्टर में शामिल करने तथा परिवार में किसी आश्रित के नौकरी में रहने के बाद भी अनुकंपा पर दूसरे आश्रित को नौकरी देने पर सहमति दे दी थी. पूर्व में अधिकारियों की मौत पर कम उम्र के बच्चे का नाम लाइव रोस्टर में शामिल करने का प्रावधान नहीं था. परिवार का कोई सदस्य यदि कहीं भी नौकरी में है, तो दूसरे आश्रित को नौकरी नहीं मिलती थी. इन कारणों से आश्रितों को परेशान होना पड़ता था, लेकिन नियमों में बदलाव ने आगे के रास्तों को आसान कर दिया है.

एसीबी पलामू टीम ने घूसखोर प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई की

कांडी हाई स्कूल की प्रिंसिपल गिरफ्तार

- 20 हजार रुपये घूस लेने के आरोप में गिरफ्तार
- गिरफ्तार प्रिंसपल को अपने साथ ले गयी एसीबी टीम

संवाददाता। गढ़वा

प्रमंडलीय एसीबी की टीम ने कांडी हाई स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक विद्यानी बाखला को घूस लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है. बाखला पर स्कूल के एक वोकेशनल शिक्षक से 20 हजार रुपए घूस लेने का आरोप है. विद्यानी बाखला कांडी हाई स्कूल में काफी लंबे समय से तैनात हैं और गढ़वा के रमकंडा के बैरिया की रहने वाली हैं, जबकि उनका परिवार बिहार के रोहतास

आरोपी प्रभारी प्रधानाध्यापक विद्यानी बाखला.

जिले के डिहरी में रहता है. उनके पति बिहार के नवादा में पुलिस सेवा में तैनात हैं.

विद्यानी बाखला पर आरोप है कि स्कूल के वोकेशनल शिक्षक से मानदेय के भुगतान करने के एवज में 20 हजार रुपये की मांग कर रही थीं. वोकेशनल शिक्षक को एक एनजीओ के माध्यम से स्कूल में तैनात किया गया था. वोकेशनल शिक्षक का आरोप है कि उन्हें हर महीना 20 हजार रुपये का मानदेय दिया जाता है. वर्ष में एक बार प्रधानाध्यापक 20 हजार रुपये घूस मांगती हैं. वोकेशनल शिक्षक पूरे मामले की शिकायत लेकर पलामू प्रमंडलीय एसीबी की टीम के पास पहुंचे थे.

पूरे मामले में एसीबी ने ट्रैप लगाते हुए बुधवार को स्कूल में छापेमारी की और प्रभारी प्रधानाध्यापक विद्यानी बाखला को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम पलामू लाई है. मेडिकल जांच के बाद प्रभारी प्रधानाध्यापक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा. घूस लेने के आरोपी प्रधानाध्यापक पिछले 14 वर्षों से कांडी हाई स्कूल में तैनात थीं. एसीबी के एसपी सादिक रिजवी ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है.

ब्रीफ खबरें

बच्चों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

मेदिनीनगर। भुवनेश्वर दुबे मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में आज पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों के सहयोग से बच्चों ने पौधरोपण किया. प्रधानाचार्य विवेक त्रिपाठी ने बताया कि पौधों से हमें ऑक्सीजन मिलता है, जो हमारे जीवन के लिए सबसे अहम है.हमें प्रकृति से छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक आकाश कश्यप, मुकेश तिवारी, अभय कुमार, आलोक कुमार, श्वेता टोप्पो, ज्योति दुबे, पल्लवी कुमारी समेत अन्य शिक्षक शिक्षिका व बच्चे उपस्थित थे.

रविंद्र नाथ टैगोर की मनी 83 वीं पुण्यतिथि

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में बुधवार को रविंद्र नाथ टैगोर की 83 वीं पुण्यतिथि मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. सर्वप्रथम रविंद्र नाथ टैगोर की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुई. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि रविंद्र नाथ टैगोर एक महान देशभक्त, कवि ,कहानीकार, चित्रकार, दार्शनिक के साथ बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे. उनका निधन 7 अगस्त 1941 ई को हुआ था. मौके पर जयपाल, कृष्णा राम, विजय राम, अनिल राम, राम नरेश महतो, संजीत कुमार, जसवंत कुमार ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए.

छुईमुई हुई लातेहार की बिजली, लोग परेशान

लातेहार। शहर की बिजली छुईमुई हो गयी है. जरा सा भी हवा या बारिश हुई नहीं कि शहर की बिजली गुल हो जाती है. बुधवार को शहर मे दोपहर 12 बजे के बाद से ही बिजली गुल है. समाचार लिखे जाने तक बिजली सेवा बहाल नही हो पायी थी. कनीय विद्युत अभियंता अंकित कुमार ने बताया कि शहर में कहीं फॉल्ट हो जाने के कारण बिजली सेवा बाधित है. उन्होने बताया कि विभागीय मिस्त्री फॉल्ट ढुढ़ने निकले हैं.

राजद जिला उपाध्यक्ष ने डीसी को सौंपा मांग पत्र

लातेहार। राजद जिला उपाध्यक्ष रघुपाल सिंह ने डीसी गरिमा सिंह को एक ज्ञापन देकर क्षेत्रीय भाषा में मगही, हिंदी और नागपुरी भाषा को शामिल करने की मांग की है. उन्होने अपने ज्ञापन में बताया है कि विज्ञापन संख्या 01/2024 पत्रांक 3910 दिनांक 27 जून के द्वारा चौकिदार पद के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया है. इसमें क्षेत्रीय भाषा में वैसी भाषा को शामिल किया गया है तो पूरे लातेहार जिला में नही बोली जाती है या बहुत हीं सीमित क्षेत्र या खास जाति के लोगों के द्वारा बोली जाती है. उन्होने चौकीदार पद की भर्ती प्रक्रिया में क्षेत्रीय भाषा में मगही, हिन्दी व नागपुरी भाषा को शामिल करने की मांग की है.

लातेहार से कावंरियों का जत्था देवघर रवाना

लातेहार। शहर के वार्ड दो के निवर्तमान वार्ड सदस्य जितेंद्र पाठक के नेतृत्व में 21 कावंरियों का एक जत्था सड़क मार्ग से देवघर रवाना हुआ. इससे पहले जत्था के सदस्यों ने शहरके श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना की और सुखद यात्रा की कामना की. मौके पर श्री पाठक व अन्य श्रद्धालुओं ने बताया कि वे प्रति वर्ष यहां से देवघर के लिए रवाना होते हैं. सभी कावंरियां सुल्तानगंज से कलशों में जल भरेगें और पैदल देवघर के लिए रवाना होगें.

लातेहार में भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली हल्ला बोल रैली,सरकार के खिलाफ लगाये नारे

सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम: जायसवाल

संवाददाता। लातेहार

लातेहार में हल्ला बोल रैली में शामिल भाजपा महिला कार्यकर्ता व अन्य.

भाजपा महिला मोर्चा की पलामू प्रमंडलीय प्रभारी शंकुतंला जायसवाल ने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार प्रदेश की महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हुई है. जब से हेमंत सोरेन की सरकार बनी है तब से प्रदेश की महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं. बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं आये दिन सामने आ रही है. अपराधी बेलगाम हो गये हैं. यह गूंगों और बहरों की सरकार है. इस सरकार को अब उखाड़ फेंकने का समय आ गया है. श्रीमती जायसवाल बुधवार को झारखंड में महिलाएं व बच्चों के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ भाजपा महिला मोर्चा के द्वारा निकाली गयी हल्ला बोल रैली को संबोधित कर रही थी. रैली बाजारटांड से प्रारंभ हुई और शहर के मुख्य पथ होते हुए समाहरणालय द्वार पहुंची. यहां महिला मोर्चा की सदस्यों ने जम कर नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया. जिला प्रभारी सुजाता सिंह ने कहा कि जब हेमंत सोरेन जेल में गए थे तो उनकी पत्नी कल्पना सोरेन मंच से चिल्ला-चिल्ला कर बोल रही थी कि उनके पति को झूठा केस में फंसा कर जेल भेजा गया है. आज महिलाओं के साथ हो रही अत्याचार पर कल्पना सोरेन कुछ नहीं बोल रही है.आज राज्य के सभी बेटी, बहू सुरक्षित महसूस कर रही है, लेकिन सरकार इस पर बोलने को तैयार नहीं है. महिला जिला अध्यक्ष शीला देवी ने कहा कि हेमंत सरकार में महिलाओं को इज्जत बचाना मुश्किल हो गया है. लगातार अत्याचार की घटना सामने आते रही है. मौके पर जिला प्रभारी निरंजन कुमार सिन्हा, भाजपा कार्यकारिणी प्रदेश सदस्य राजधानी यादव, जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, महामंत्री बंसी यादव, पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, बलवंत सिंह, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सीतामनी तिर्की व रघुवीर यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

खास बातें

- बाजारटांड़ से समाहरणालय गेट तक निकाली गयी रैली
- महिलाओं ने झारखंड सरकार को जम कर कोसा

डायन कुप्रथा, नशा मुक्ति अभियान व स्तनपान विषय पर कार्यशाला आयोजित

डायन कुप्रथा को खत्म करने में सभी का सहयोग जरूरी : डीसी

संवाददाता। मेदिनीनगर

कार्यशाला का उदघाटन करते डीसी व अन्य.

समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में बुधवार को डायन कुप्रथा,नशा मुक्ति अभियान व स्तनपान सप्ताह विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का उदघाटन उपायुक्त शशि रंजन, डीडीसी शब्बीर अहमद, जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, समाज कल्याण पदाधिकारी व जिला परिषद के अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर किया. उपायुक्त श्री रंजन ने कहा कि डायन कुप्रथा व नशा एक अभिशाप है और यह अभिशाप बगैर आपके सहयोग के खत्म नहीं किया जा सकता है. ज़रूरी है कि इन दोनों कुरीतियों को समाप्त करने में आप प्रशासन की हरसंभव मदद करें. डीडीसी शब्बीर अहमद ने कहा कि आज जिन तीन विषयों को लेकर कार्यशाला आयोजित की गयी है वे तीनों विषय महत्वपूर्ण है.उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद सभी मुखियाओं व सेविकाओं से कहा कि आप सभी ग्राउंड ज़ीरो पर कार्य करते हैं.ऐसे में इन कुरीतियों को रोकने में आप सबकी महत्वपूर्ण भूमिका है.उन्होंने कहा कि डायन कुप्रथा अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र में होने वाली चीजें हैं.नशा को लेकर उन्होंने कहा कि नशा किसी भी रूप में सही नहीं है. सिविल सर्जन डॉ अनिल ने स्तनपान की महत्ता पर प्रकाश डाला. कार्यशाला में मासूम आर्ट ग्रुप के तरफ से नशा ही नाश है व डायन विषयक पर नाटक का आयोजन भी किया गया.

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी लोगों की फरियाद

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया. जनता दरबार में उपायुक्त शशि रंजन ने जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से आये दर्जनों फरियादियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी. उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों को .निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए अग्रसारित कर दिया. जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक बंटवारा, अवैध कब्जा, मानदेय भुगतान, राशन संबंधित मामले, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित आवेदन आए थे.

डीसी ने की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक

गढ़वा। डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में केंद्र प्रायोजित योजना (फॉरमेशन एंड प्रमोशन ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशंस) के कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण के लिए जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति (डीएमसी) की चौथी बैठक समाहरणालय के सभाकक्ष में की गई. उक्त बैठक में योजना के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए दिशा निर्देश से सभी सदस्यों को अवगत कराया गया. साथ ही एफपीओ द्वारा व्यवसाय के लिए विभिन्न लाइसेंस प्राप्ति की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने का किया गया. इस दौरान जिले में गठित एफपीओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई एवं एफपीओ संवर्धन हेतु अलग-अलग विभागों, हितधारकों की भूमिका पर तथा अन्य संबंधित विषय वस्तुओं पर चर्चा की गई. बैठक के दौरान डीसी ने सभी एफपीओ से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं हीतधारकों की भूमिका पर चर्चा करते हुए समीक्षा की. अपेक्षाकृत धीमी गति से कार्यों का संचालन करने पर डीसी ने नाराजगी व्यक्त की एवं सभी एफपीओ के कार्यों की समीक्षा करते हुए अगले बार से प्रतिवेदन को उच्च स्तर पर भेजने की बात कही. साथ ही प्रत्येक माह बैठक का आयोजन करने की बात कही.

पलामू में अब सभी कर्मचारी बायोमीट्रिक से हाजरी बनाएंगे

मेदिनीनगर। उपायुक्त पलामू ने जिले के सभी कार्यालय प्रधान को सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्यालय में ससमय उपस्थिति बायोमीट्रिक अटेंडेंस द्वारा दर्ज कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि विभागीय अधिसूचना संख्या 1578 दिनांक 16.03.2023 के आलोक में सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बायोमीट्रिक पद्धति से दैनिक उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य है. लेकिन प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि सभी पदाधिकारी व कर्मी समय पर कार्यालय पहुंचकर बायोमेट्रिक पद्धति से दैनिक उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं. उन्होंने कार्यालय दिवस को ससमय अपने कार्यालय में पहुंचकर बायोमेट्रिक पद्धति से दैनिक उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करने की बात कही है.

ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ यात्रा पहुंची विश्रामपुर

विश्रामपुर (पलामू)। ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय रथ यात्रा बुधवार को विश्रामपुर पहुंचा. ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद के नेतृत्व में रांची से चलकर पलामू के विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया. जनसंपर्क अभियान में आठ अगस्त को होने वाले जनसभा के लिए लोगों को आमंत्रित किया. मौके पर केंद्रीय सचिव धर्मेंद्र कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद यहां पिछड़ा एवं ओबीसी आबादी 60% से अधिक है. फिर भी सामाजिक आर्थिक आधार पर ओबीसी को एकमात्र 14% आरक्षण की दी गई है, जो उचित नहीं है. संजय गुप्ता कहा कि चाहे वह सरकारी संस्था हो या गैर सरकारी संस्था सभी में 52% आरक्षण की व्यवस्था हो.

आंगनबाड़ी सेविका पर दिया कार्रवाई का निर्देश

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में पैसा लेन-देन का वीडियो वायरल

संवाददाता। मेदिनीनगर

जिले में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में पैसा लेनदेन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी केन्द्र रेहलाकला - 2 की सेविका कुसुम देवी झारखंड सरकार द्वारा नवसंचालित झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर करने के एवज में पांच सौरुपये की मांग कर रही है। वीडियो वायरल होने के बाद जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, नीता चौहान ने विश्रामपुर सीडीपीओ को संबंधित आंगनबाड़ी सेविका पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। आदेश में उन्होंने कहा है कि आंगनबाड़ी केन्द्र रेहलाकला 2 की सेविका कुसुम देवी के विरूद्ध एक विडियो प्राप्त हुआ है. जिसमें यह शिकायत की जा रही है कि पैसा देने के बाद ही आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर कर रही है. उन्होंने विश्रामपुर सीडीपीओ को अपने स्तर से जांच कर संबंधित सेविका को स्पष्टीकरण करते हुए तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करने को कहा है. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,पलामू अपने लोगों से अपील की है कि आवेदन पत्र जमा करने के लिए किसी को कोई पैसा नहीं दें. अगर इस तरह का मामला हो तो संबंधित लोग लिखित शिकायत दे सकते हैं. पलामू अपने लोगों से अपील की है कि आवेदन पत्र जमा करने के लिए किसी को कोई पैसा नहीं दें. अगर इस तरह का मामला हो तो संबंधित लोग लिखित शिकायत दे सकते हैं.

कर्मचारी संघ ने मांगों को लेकर हवन किया

संवाददाता। लातेहार

हवन करते अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के सदस्य.

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग), लातेहार अपनी मांगों को ले झारखंड सरकार का हृदय परिवर्तन सप्ताह के अंतिम दिन बुधवार को हवन कार्यक्रम किया. शहर के कीनामाड़ स्थित सोमेश्वर शिव मंदिर परिसर में कर्मचारियों ने हवन किया. अध्यक्ष सुरजा कुजूर ने कहा कि झारखंड सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए यह सप्ताह का आयोजन किया गया. एक अगस्त को सरना स्थल, दो अगस्त को मस्जिद मे, तीन अगस्त को चर्च व गिरजाघर में, पांच अगस्त को मंदिर में प्रार्थना व दुआ की गई. छह अगस्त को गुरुद्वारा जा कर सरकार के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना की गई. सचिव मनोज पासवान ने कहा कि झारखंड प्रदेश संघ के आवाह्न झारखंड सरकार का हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना किया जा रहा है. सरकार अनुसचिवीय कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है. लेकिन इस बार कर्मचारी आर या पार की मूड में है. मौके पर जिला उपाध्यक्ष सच्चिदानंद कुमार, कोषाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह, संरक्षक गोवर्धन राम, देवनाथ उरांव, आशीष कुमार, बृजकिशोर तिवारी, जय कुमार सिंह, विजय कुमार रजक, महेंद्र सिंह, पंकज शाहदेव, अशोक पासवान, अखिलेश टोप्पो, रामनरेश राम, अरुण कुमार, पुष्पेंद्र पांडेय व अनिमेष कुमार समेत संघ के कई कई कर्मचारी मौजूद थे.

खास बातें

- हड़ताल से जिले में विकास कार्यो की रफ्तार पड़ी धीमी
- सरकार के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना की गई

न्यूज अपडेट

रमेश उरांव ने विद्यालय का दौरा किया, छात्रों से मिले

लातेहार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रमेश उरांव ने बुधवार को अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय, गारू का दौरा किया. इस दौरान वे विद्यालय के छात्रों की समस्याओं से अवगत हुए. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए उन्होने बताया कि विद्यालय की स्थिति बहुत ही दयनीय है.दुर्भाग्य तो यह है कि अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय में गारू का रेफरल अस्पताल चलाया जा रहा है. अस्पताल चलने के कारण छात्र दहशत में रहते हैं. वे मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं. कई छात्रों ने बताया कि अस्पताल चलने से विद्यालय में बहुत डर लगा रहता है.उरांव ने बताया कि कैंपस में एक मात्र चापाकल है. इस कारण छात्रों को परेशानी होती है. समय पर बिजली नहीं रहने से पढ़ाई बाधित होती है. शौचालय खराब होने के कारण छात्रों को शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है.

लातेहार में एकल अभियान की मासिक बैठक संपन्न

लातेहार। एकल अभियान के लातेहार अंचल की मासिक समीक्षात्मक बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की गयी. अध्यक्षता अध्यक्ष अभिनंदन प्रसाद ने की. बैठक का शुभारंभ मां भारती व मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. बैठक में बीते माह के कार्यों की समीक्षा की गयी और पंचमुखी शिक्षा पर आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गयी. अध्यक्ष अभिनंदन प्रसाद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पंचमुखी आयाम के तहत बच्चों को प्राथमिक शिक्षा, अरोग शिक्षा, ग्राम विकास शिक्षा, स्वाभिमान, जागरण शिक्षा संस्कार शिक्षा देने बच्चें को बेहतर बनाना ही एकल अभियान का उदेश्य है. बैठक में आगामी प्रवास योजना के साथ साथ प्रत्येक गांव में वृक्षारोपण करने, दैनिक सत्संग करने व परिवार संपर्क करने आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया. बैठक में सचिव महेंद्र प्रसाद शौंडिक, कोषाध्यक्ष गया प्रसाद, संरक्षक रमेश प्रसाद, महेन्द्र सिंह व रविन्द्र समेत सभी संच प्रमुख व संच व्यास आदि मौजूद थे..

लातेहार में चलाया ट्रेड लाइसेंस चेकिंग अभियान

लातेहार। नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने शहर में ट्रेड लाइसेंस चेकिंग अभियान चलाया. इस अभियान के तहत नगर पंचायत क्षेत्र के थाना चौक के पास कई दुकानों में ट्रेड लाइसेंस की जांच की गयी. इन प्रतिष्ठानों में हाई फैशन, आइएस कंप्यूटर प्रेस, राजेश फल दुकान, हिंद वाच व सोनू वस्त्रालय शानिल हैं. ट्रेड लाइसेंस की जांच कर आठ हजार राजस्व की वसूली की गयी. अभियान में स्पैरो टीम लीडर आदित्य कुमार व टीसी बिरसा उरांव शामिल थे.नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा. उन्होंने उन प्रतिष्ठानों से नगर पंचायत कार्यालय आकर ट्रेड लाइसेंस बनवाने की अपील की, जिन्होंने अभी तक नहीं बनाया है. कहा कि बिना ट्रेड लाइसेंस के प्रतिष्ठान का संचालन करना प्रावधानों के विपरित है. बिना ट्रेड लाइसेंस प्रतिष्ठान का संचालन करने पर जुर्माना वसूलने और दुकान को सील करने का प्रावधान है.

ऑफलाइन आवेदन जमा करने के निर्णय का स्वागत किया

चंदवा (लातेहार)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मइंयां सम्मान योजना का आवेदन ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी जमा करने का निर्देश दिया है. माकपा ने इसका स्वागत किया है. पार्टी के वरिष्ठ नेता अयुब खान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि महिलाओं को ऑनलाइन फॉर्म भराने में वेबसाइट की सर्वर में काफी दिक्कत आ रही थी. लगातार चार- चार दिन से पंचायत कार्यालय का चक्कर काटना पड़ रहा था. सुबह से शाम तक महिलाएं सर्वर की इंतजार में बैठी रह रही थी. अपना घरेलू व कृषि कार्य छोड़कर महिलायें दिन भर शिविर में लाइन में खड़ी रहती थी. लेकिन सरकार के इस निर्णय से महिलाओं को काफी राहत मिली है. अयुब खान ने मुख्यमंत्री को टैग कर एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का झारखंड पोर्टल में आवेदन इंट्री कराने की मांग की थी.

रक्तदान कर अनुज ने गर्भवती की मदद की

लातेहार। कहते हैं कि अगर मानवता का परिचय देना हो या फिर किसी की मदद करनी हो तो रक्तदान से बड़ा कोई कार्य नहीं हो सकता है. कुछ ऐसा ही मानना है शहर के जेएनवी रोड के युवा अनुज प्रसाद का. अनुज ने रक्तदान कर सदर अस्पताल में भर्ती एक अनजान गर्भवती महिला की मदद की. दरअसल सदर अस्पताल में स्थानीय रवि भगत की पत्नी लीलावती देवी प्रसव (डिलीवरी) के लिए भर्ती थी. उसे बी पॉजिटीव ब्लड की जरुरत थी. लेकिन लातेहार ब्लड बैंक में इस ग्रुप का ब्लड नहीं था. किसी ने स्वेच्छिक रक्तदान के वाट्सएप्प ग्रुप में रक्तदान करने की अपील की. जिसे देख अनुज स्वयं ब्लड बैंक पहुंचे और उस महिला के लिए रक्तदान किया.अनूज ने शुभम संदेश को बताया कि यह उसका पांचवा रक्तदान है. कहा कि रक्तदान कर उसे काफी सुकून मिलता है. उसने अन्य युवाओं से भी रक्तदान करने की अपील की. कहा कि आपके द्वारा किये गये रक्तदान से किसी की जान बचायी जा सकती है. अनुज के इस पुनित कार्य के लिए लीलावती देवी के परिजनों ने उसके प्रति आभार प्रकट किया.

सब्जी -फल थोक विक्रेता महासंघ की जिला कमेटी गठित

मेदिनीनगर। झारखंड प्रदेश सब्जी फल थोक विक्रेता महासंघ पलामू इकाई की बैठक महासंघ के केंद्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह की अध्यक्षता में स्थानीय टेंपो स्टैंड परिसर में हुई. बैठक का संचालन केंद्रीय उपाध्यक्ष रोशन नाग व संगठन सचिव मो दानिश ने किया. बैठक में सर्वसम्मति से पलामू जिला कमिटी का गठन किया गया. संरक्षक मंडली में अनीश राइन, मुस्तफा कमाल, रमेश प्रसाद, रघुनाथ प्रसाद, मो गौस राइन, राजेंद्र प्रसाद, समी अख्तर, सिराज राइन, लियाकत राइन, शहजाद राइन, मुन्ना राइन, इस्लाम राइन, मुन्ना अंसारी, बिहारी राइन, फहीम, खलील, अल्ताफ, मोहिउद्दीन अंसारी, रईस राइन, शिव कुमार, सोनू बंगाली, मेहंदी हसन, इंताक राइन, आजाद टुन्नू, शहजाद अली को शामिल किया गया है. इमामुद्दीन राइन पलामू जिलाध्यक्ष, अब्दुल मन्नान व सनी चौरसिया उपाध्यक्ष, प्रधान महासचिव मो० कासिम, महासचिव नसीम राइन आदि शामिल थे.

विधायक ने महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया

पांकी (पलामू)। पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता के नीलाम्बर-पीताम्बरपुर स्थित मौर्या फॉर्म हाऊस में आज जेएसएलपीएस की महिला समूह के महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया गया. आज के इस वितरण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता अविनाश वर्मा थे. जिन्होंने पांकी प्रखंड के होटाई, नौडीहा-1, पांकी पूर्वी एवं पांकी पश्चिमी पंचायत के महिलाओं के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया. इस दौरान विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता मौजूद थे. मौके पर जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, सरोज चटर्जी, बच्चन ठाकुर, लाला यादव,सुनील कुशवाहा, संजय चंद्रवंशी, विरेन्द्र वर्मा, मुखिया संघ के अध्यक्ष मंदीप मेहता, निर्मल मेहता, अजय पासवान, सुरेंद्र सिंह, अजीत प्रसाद गुप्ता, पप्पू मिश्रा, सुनील गुप्ता, दिलीप चौधरी, महेंद्र कुशवाहा, रौशन सिंह, रंजय ठाकुर, प्रसिद्ध सिंह, कार्तिक जी आदि उपस्थित थे.

प्रतियोगिता | ऑक्सफोर्ड में अंत: विद्यालयीन स्पोर्ट्स एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

खेल की हमारे जीवन में महती भूमिका है: एके सिंह

संवाददाता। मेदिनीनगर

प्रतियोगिता में पेंटिंग का प्रदर्शन करते बच्चे.

स्थानीय ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में बुधवार को ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में अंतः विद्यालयीन स्पोर्ट्स एवं पेंटिंग में बच्चों ने प्रतिभा दिखाई. प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने बताया कि कक्षा चतुर्थ से बारहवीं तक छात्रों के लिए पिछले कई दिनों से सतत अंतः कक्षा नवीं अ का कक्षा ब के बीच फाइनल मैच में अ टीम विजित रही. इसी प्रकार क्रिकेट में कक्षा दसवीं अ का कक्षा ब से हुए फाइनल मैच में अ टीम विजित रही. कबड्डी में कक्षा दसवीं अ का कक्षा ब से हुए फाइनल मैच में ब टीम विजित रही.इसी प्रकार विद्यालय में आज विद्यार्थियों के मध्य अन्तर सदन वेस्ट मटेरियल, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग का आयोजन कराया गया. इसमें कक्षा तृतीय की रशिका, रचित राज, अंशुमान, सान्वी सोनी, परिधि संयुक्त रुप से प्रथम स्थान पर रहे. द्वितीय स्थान पर आयुष दुवे, अनुरागिनी प्रिया, आकर्ष पाठक, सचिन रहे तथा अलिशा, प्रियांशु, नित्यारानी, अलिशा, खुशी कुमारी, अनन्या कुमारी एवं दिव्या सोनी ने तृतीय स्थान पर बाजी मारी. कक्षा चतुर्थ में कर्तिशा सिंह, मिश्ती कुमारी, शिल्पी कुमारी, रिया कुमारी संयुक्त रुप से प्रथम स्थान पर रहे. द्वितीय स्थान पर सार्थक अग्रवाल, कासिफ आलम, आरव मेहता, श्रीनिका रहे तथा हितेन राज, सादिया नाज पीहू कुमारी ने तृतीय स्थान पर बाजी मारी. कक्षा पंचम में आर्यन कुमार, वैष्णवी राज, संदास नाज संयुक्त रुप से प्रथम स्थान पर रहे. द्वितीय स्थान पर आवेरी कर, प्रतिष्ठा रॉय, आर्या सिंह रहे तथा आकांक्षा, समृद्धि स्नेहा स्वीटि ने तृतीय स्थान पर बाजी मारी. कक्षा नवीं में नैतिक राज संयुक्त रुप से प्रथम स्थान पर रहे. द्वितीय स्थान पर आद्विक, कृशराज रहे तथा अंकित कुमार गुप्ता, सूरज ने तृतीय स्थान पर बाजी मारी. कक्षा ग्यारहवीं में ऐश्वर्या, सजोनी समीक्षा संयुक्त रुप से प्रथम स्थान पर रहे. द्वितीय स्थान पर खुशी पांडे, शाल्वी कुमारी, प्रतिक्षा प्रभात रहे तथा साधना कुमारी, सिद्धि श्री, भूमिका ने तृतीय स्थान पर बाजी मारी. विजेता एवं उपविजेता टीम को बधाई देते हुए प्राचार्य डा. सिंह ने कहा कि खेल का हमारे जीवन में महती भूमिका है. इसके अभाव में जीवन निरर्थक व महत्वहीन है. अतः विद्यालयीन शिक्षण व स्वाध्याय के साथ-साथ स्वास्थ्य संतुलन बनाए रखने के लिए खेल अत्यावश्यक शर्त है.

मंत्री से मिले पलामू व चतरा सांसद

संवाददाता। मेदिनीनगर

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री से मिलते पलामू और चतरा सांसद.

पलामू सांसद विष्णु दयाल राम व चतरा सांसद काली चरण सिंह ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात कर उत्तरी कोयल जलाशय (मंडल डैम) परियोजना के निर्माण पर विस्तृत चर्चा की. पलामू सांसद श्री राम ने कहा कि लातेहार जिला में स्थित उत्तरी कोयल जलाशय (मंडल डैम) परियोजना का निर्माण कार्य वर्ष 1972 में आरम्भ हुआ था जो 1993 तक जारी रहा. बाद में वन एवं पर्यावरण विभाग बिहार सरकार द्वारा बेतला राष्ट्रीय पार्क व पलामू टाइगर रिजर्व के खतरे को देखते हुए मंडल डैम के बांध में जल जमाव की आशंका के साथ गेट लगाने पर आपत्ति दर्ज कराई. इसके साथ ही टाइगर रिजर्व क्षेत्र के 1007 हेक्टेयर वन भूमि के जल मग्न होने के संबंध में भूमि की स्वीकृति प्राप्त नहीं की गयी थी, जिस कारण उक्त परियोजना अधर में लटक गया. उन्होंने बताया कि कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार बनने पर पलामू, चतरा, औरंगाबाद एवं गया संसदीय क्षेत्र के सांसदों ने पीएम से मुलाकात कर उक्त परियोजना निर्माण के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया था. 5 जनवरी 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उक्त परियोजना के निर्माण की अधारशिला पलामू में जाकर रखी.

ब्रीफ खबरें

विद्यार्थियों का स्वागत समारोह 10 अगस्त को

सिमडेगा। संत जेवियर्स कॉलेज में बीए, बीकॉम नए सत्र 2024-28 के विद्यार्थियों का स्वागत सह अभिविन्यास कार्यक्रम अब दस अगस्त को होगी. पूर्व में यह कार्यक्रम सात अगस्त को किया जाना तय हुआ था. लेकिन कॉलेज में चल रही झारखंड प्रौद्योगिकी विवि की परीक्षा को लेकर पूर्व में निर्धारित समय में फेरबदल किया गया है. जानकारी देते हुए कॉलेज के ट्रेजरर सह उपप्राचार्यफा ब्रुनो टोप्पो नेसभी छात्रों को समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया है.

निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन आज

सिमडेगा। शहरी क्षेत्र के खैरनटोली में स्थित वरदान हास्पिटल में आठ अगस्त को निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है. शिविर में अनुभवी विशेषज्ञ द्वारा निःसंतान दंपति को निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा. शिविर दिन के 11 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा. अस्पताल के मो नजीम ने बताया कि शिविर प्रत्येक माह के आठ तारिख को आवेटा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की ओर से लगाया जाता है.

स्वतंत्रता दिवस को लेकर बैठक आज

कोलेबिरा। प्रखंड सभागार में आठ अगस्त को दिन के 11 बजे से स्वतंत्रता दिवस को लेकर बैठक आयोजित की गई है. बैठक में प्रखंड के सभी विभाग के पदाधिकारी पंचायत, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापको, पंचायत प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है. बीडीओ वीरेंद्र किंडो ने सभी सदस्यों से निर्धारित समय पर उपस्थित रहने का आग्रह किया है.

सिमडेगा भाजपा की नई कार्यकारिणी गठित

सिमडेगा। भारतीय जनता पार्टी सिमडेगा जिला की बुधवार को घोषित नई जिला कार्यकारिणी एवं मंडल के अध्यक्षों को भाजपा किसान मोर्चा के दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल के सह प्रभारी मंगल सिंह भोगता ने बधाई दी है. कहा है कि जिला भाजपा के अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक द्वारा गठित नई टीम के नेतृत्व में आने वाले विधान सभा चुनाव में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करेंगे और पार्टी प्रत्याशी को जीत दिलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे. भोगता ने नई कार्यकारिणी के अनुमोदन के लिए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के प्रति आभार प्रकट किया है.

करंट लगने से महिला की मौत, पुलिस जांच में जुटी

लोहरदगा। जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मन्हो के सियां टोली गांव में एक महिला की मौत बिजली तार की चपेट में आने से हो गई. यहां पर करंट लगने से महिला की मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर थाना पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई में जुट गई है. स्थानीय लोगों के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के मन्हो सियां टोली गांव निवासी अजय तिग्गा की 30 वर्षीय पत्नी रीता कुमारी धान रोपने के लिए अपने खेत में गई हुई थी.

अशोक इंदवार के कोलेबिरा भाजपा प्रखंड अध्यक्ष बने

सिमडेगा /कोलेबिरा। भाजपा जिला संगठन सिमडेगा ने पुनः विश्वास जताते हुए अशोक इंदवार को एक बार फिर से भाजपा कोलेबिरा प्रखंड अध्यक्ष बनाया. पुनः प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा कोलेबिरा मंडल में खुशी की लहर दौड़ गई. बधाई देने का सिलसिला प्रारंभ हुआ सभी लोगों ने अशोक इंदवार से मिलकर उन्हें पुष्प गुच्छ बुके देकर और मिठाई खिला कर शुभकामनाएं दी. मौके पर बधाई देने वालों में विजय सोनी ललित कुमार भोला साहु कामेश्वर सिंह रोहित कुमार साहु जोगेश्वर बिंझिया अवधेश मिश्रा लक्ष्मण शर्मा अर्जुन ठाकुर विनोद सिंह बलदेव प्रसाद आदि उपस्थित हुए.

बाल्मीकि भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मनोनीत हुए

लोहरदगा। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री बाल्मिकी कुमार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के लोहरदगा जिलाध्यक्ष पद पर मनोनीत किए जाने पर पार्टी के सभी वरिष्ठ, कनिष्ठ, युवा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्त्ताओं ने अपनी ओर से शुभकामना और बधाई दी है. लोगों ने कहा है कि बाल्मीकि के जिला अध्यक्ष बनने पर युवा मोर्चा नई ऊंचाईयों को प्राप्त करेगा . लोहरदगा की राजनीतिक ग्रन्थ में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ेगा. शुभकामना देने वालों में भाजपा एसटी मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव, पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, जिला अध्यक्ष मनीर उरांव शामिल थे.

लोहरदगा पहुंचे प्रमंडलीय आयुक्त ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की

सभी मतदाताओं का रंगीन पहचान पत्र बनाने पर दिया जोर

संवाददाता। लोहरदगा

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 की समीक्षा हेतु गुरुवार को प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक अंजनी कुमार मिश्र लोहरदगा पहुंचे. इस बीच प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक के परिसदन पहुंचने पर पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया. तत्पश्चात बैठक में उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों और कर्मियों के साथ उन्होंने परिसदन लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी रिर्टनिंग अफसर, ईआरओ, एइआरओ एवं अन्य के साथ मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रमकी समीक्षा की. आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक द्वारा ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र के मतदान केंद्रों में बीएलओ द्वारा मतदाताओं से प्राप्त किये गए फॉर्म-6, फॉर्म-07 व फॉर्म-08 की विस्तृत समीक्षा की गई. बैठक हाउस-टू-हाउस सर्वे के कार्य की भी समीक्षा की गई. सभी बीडीओ और सीओ को योग्य मतदाताओं को जोड़ने, थर्ड जेंडर के मतदाताओं को जोड़ने, मृतक का नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया.

परिसदन में समीक्षा बैठक करते प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र.

बिशुनपुर के बूथों की भी समीक्षा : प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक ने भंडरा प्रखंड कार्यालय व सेन्हा अंचल कार्यालय में 69-बिशुनपुर के बूथों में बीएलओ द्वारा मतदाताओं से प्राप्त किये गए फॉर्म-6, फॉर्म-07 व फॉर्म-08 की विस्तृत समीक्षा की . विधानसभा निर्वाचन को देखते हुए बूथ स्तर पर कार्य पूर्ण करने का निदेश दिया गया. बैठक में क्षेत्र गौतम कुमार, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुंडा, एसडीओ अमित कुमार, डीएसडीडब्ल्यू सीता पुष्पा, बीडीओ, सीओ, सभी बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित थे.

लिंगानुपात में लोहरदगा की स्थिति बेहतर : मिश्र

लोहरदगा। प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक अंजनी कुमार मिश्र ने कहा कि 72 लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में अन्य विधानसभा क्षेत्रों की अपेक्षा बेहतर लिंगानुपात है . यहां पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है . यह अच्छी बात है . सभी जगह ऐसी स्थिति नहीं है . इस बीच प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक अंजनी कुमार मिश्र लोहरदगा परिसदन में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 की समीक्षा के उपरांत मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे . इस मौके पर उन्होंने कहा कि पेशरार और लोहरदगा के नगर परिषद क्षेत्र में मतदाता सूची में और सुधार की संभावना है .

दो करोड़ की लागत से होगा दो सड़कों का निर्माण, मिली स्वीकृति

गढ़वा में जहां भी कदम रखें हर क्षेत्र में विकास झलकता है : मंत्री

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में लगभग दो करोड़ रूपये की लागत से दो सड़कों का निर्माण किया जाएगा. मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनने वाली इन सड़कों की ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है. जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि गढ़वा प्रखंड में दरमी कब्रिस्तान से निसार खां के घर तक 99 लाख 87 हजार रूपये की लागत से 1.2 किलोमीटर तथा मेराल प्रखंड में गढ़वा-मझिआंव पीडब्लयूडी मुख्य पथ हारणदुबे से तरके पीएमजीएसवाई पथ तक 99 लाख 90 हजार 900 रूपये की लागत से लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा. इसकी स्वीकृति झारखंड सरकार ने प्रदान कर दी है.

मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि ये दोनों सड़कें अतिमहत्वपूर्ण हैं. इन सड़कों के निर्माण से आधा दर्जन से अधिक गावों के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा. मंत्री ने कहा कि इन सड़कों की स्थिति काफी जर्जर थी. ग्रामीणों को आवागमन में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा था. अब इस क्षेत्र के ग्रामीण बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे. लंबे समय से क्षेत्र के लोग इन सड़कों के निर्माण की मांग कर रहे थे. मंत्री ने कहा कि उन्होंने ग्रामीणों से इसका निर्माण कार्य कराने का वादा किया था, वह अब पूरा हो गया है. उन्होंने कहा कि पूरे गढ़वा में कोई भी गांव व टोला बेहतर कनेक्टिविटी से वंचित नहीं है. उन्होंने अपने वादा के मुताबिक सभी गावों को बेहतर सड़कों से जोड़ दिया है.

गढ़वा के अधिसंख्य जर्जर सड़कें अब बेहतर बन गई है. शेष बचे सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र ही कराया जाएगा. अभी बहुत सारी योजनाएं पाईपलाइन में हैं. मंत्री ने कहा कि सभी मूलभुत सुविधाओं के साथ-साथ बेहतर सड़कों का निर्माण विकास का आईना होता है. आज गढ़वा में जहां भी कदम रखें हर क्षेत्र में विकास झलकता है.

लोगो को संबोधित करते मंत्री मिथिलेश ठाकुर

500 से अधिक लोगों ने थामा झामुमो का दामन

विभिन्न राजनीतिक दलों को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल होने का सिलसिला जारी है . पिछले दो दिनों में 500 से अधिक लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया है . गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास सहित क्षेत्र भ्रमण के दौरान भी विभिन्न गावों से लोग काफी संख्या में झामुमो में शामिल हुए हैं . मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला व पार्टी का पट्टा पहनाकर सभी को पार्टी में शामिल किया . इस दौरान मेराल प्रखंड के विकताम, नावाडीह, बरवाही, छतरपुर, लगमा, गढ़वा के रांकी मुहल्ला, संघत मुहल्ला, मेराल प्रखंड के बौराहा, ओखरगाड़ा पूर्वी आदि एक दर्जन से अधिक गावां के 500 से अधिक ग्रामीणों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की .

पेंशनधारियों ने लगायी भुगतान करने की गुहार

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र के अरसली उत्तरी पंचायत के आधा दर्जन वृद्धा विधवा महिला ने मंगलवार को बीडीओ के चेंबर में पहुंच कर विगत चार माह से पेंशन से वंचित पेंशनधारियों ने भुगतान की गुहार लगायी. प्रखंड मुख्यालय पहुंचे पेंशनधारियों में फुलझरिया कुंवार, लीलावती कुंवार, कुंती कुंवार, अकेला देवी, पनवा देवी, मरछी देवी सहित अन्य महिला ने बीडीओ नंदजी राम से शिकायत करते हुए कहा कि बीते चार महीने बाद भी आज तक पेंशन का भुगतान नहीं हुआ. जबकि पेंशनधारियों ने ये भी शिकायत की कि कई पेंशनधारियों का भुगतान अब तक कई बार हो चुका है, लेकिन कई पेंशनधारियों अभी तक पेंशन का कोई रुपया खाते में नहीं आया है.

लायंस ग्रीन ने लगाया जागरूकता शिविर

गढ़वा। लायंस क्लब ऑफ गढ़वा ग्रीन के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में शहर के चिनियां रोड स्थित परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान महिलाओं के बीच दवाइयां का भी वितरण किया गया. परमेश्वरी मेडिकल सेंटर की ओर से आयरन, कैल्शियम की दवाइयां वितरित की गई. साथ ही मरीजों के बीच निःशुल्क प्रोटीन पाउडर का भी वितरण किया गया. अस्पताल की ओर से महिला मरीजों के छोटे बच्चों को वस्त्र भी दिया गया. मौके पर मौके पर डॉ नीतू सिंह व क्लब के स्वास्थ्य चेयरपर्सन डॉ निशांत सिंह ने महिलाओं को स्तनपान से होने वाले फायदे व बच्चों और महिलाओं को इससे क्या-क्या फायदे होते हैं इसके बारे में बताया.

हेमंत सरकार ने राज्य में अराजकता की स्थिति उत्पन्न कर रखी है: उरांव

भाजपा की रणनीति बैठक को संबोधित करते जिलाध्यक्ष.

संवाददाता। लोहरदगा

भाजपा लोहरदगा जिला की जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं मंडल के अध्यक्षों व पदाधिकारियों के साथ भाजपा जिला कार्यालय बख्शीडीपा में आगामी कार्यक्रम को लेकर रणनीति बैठक की गई, जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव ने की. इधर बैठक में पिछले बैठक की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों की रूप-रेखा को लेकर चर्चा हुई. इस बीच जिलाध्यक्ष मनीर उरांव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 11 अगस्त को ललित नारायण स्टेडियम से युवा मोर्चा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा नगर का भ्रमण करते हुए कार्तिक उरांव के प्रतिमा तक जाएगी और माल्यार्पण करेगी. पिछले दिन झारखंड विधानसभा के भाजपा सदस्यों द्वारा विधानसभा के अंदर अनुबंध कर्मियों की मांग को लेकर जब मांग रखी गई तो बिजली बत्ती गुल कर दी गई, भाजपा के नेतृत्व में जनता की मांग को लेकर सदन के अंदर और बाहर प्रदर्शन करते रहेगी. बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष राजकिशोर महतो, जिला उपाध्यक्ष समेला भगत जिला महामंत्री राजकुमार वर्मा, लखन उरांव, विवेक सोनी, सरस्वती देवी, जगन्नाथ राम, सुरेश लोहरा, पंकज भारती, पंकज साहू, आदि उपस्थित थे.

लोगों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, इस बार फिर लगे गंभीर आरोप

सलगी मुखिया फिर से घिरी विवादों में

संवाददाता। कुडू/लोहरदगा

जिले के कुडू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगी पंचायत की मुखिया का लगता है विवादों से गहरा नाता रहा है. यही वजह है कि मुखिया सुमित्रा देवी पर हर पांच माह बाद कोई न कोई आरोप अवश्य लग जाते हैं. सलगी पंचायत की मुखिया सुमित्रा देवी कुल मिलाके मुखिया बनने के साथ ही विवादों के साये में रही है. इस बार सरस्वती देवी, दिलेश्वरी देवी और सरिता देवी ने बीडीओ प्रवेश कुमार साव को लिखित आवेदन सौंपकर मुखिया द्वारा ग्राम सभा में चयनित अबुआ आवास के लाभुकों का नाम जबरदस्ती काटने का आरोप लगाया है. अपने आवेदन में लिखा है कि अबुआ आवास की सूची को पंचायत सचिव के द्वारा ग्रामीणों को पढ़कर सुनाया गया था, सुनने के बाद ग्रामीणों द्वारा कोई विरोध नहीं किया गया, लेकिन मुखिया सुमित्रा देवी बैठक से असंतुष्ट होकर अपना निजी दुश्मनी निकालने के लिए बैठक पंजी को पंचायत सचिवालय से उठाकर अपने साथ घर ले गयी . ज्ञात हो कि सबसे पहले 18 अप्रैल 2023 को पंचायत समिति सदस्य बाबूलाल उरांव ने मुखिया सुमित्रा देवी पर 14वें वित्त आयोग की राशि पंचायत सचिव एवं कार्यकारिणी समिति को बिना जानकारी दिए निकासी करने और इसका कोई भी रिकार्ड नहीं रखने का गंभीर आरोप लगाया था. साथ ही विगत 04 सितंबर 2023 को उप मुखिया, पंसस और 6 वार्डों सदस्यों के विरोध के बाद सलगी पंचायत की मुखिया सुमित्रा देवी विवादों में घिरी, जिसमें पंचायत की उप मुखिया किस्मती देवी, पंसस बाबूलाल उरांव, वार्ड सदस्य सचिन तुरी, उर्मिला देवी, मंजू देवी, बालो उरांव, बिलास देवी और श्वेता मुखर्जी ने अपने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन उपायुक्त और कुडू बीडीओ प्रवेश कुमार साव को देकर पंचायत की मुखिया सुमित्रा देवी पर आरोप लगाया था कि मुखिया सुमित्रा कुमारी द्वारा माह मार्च में 4वें वित आयोग से अवैध तरीके से राशि का गबन कम्प्यूटर ऑपरेटर से मिलकर किया गया.

मुखिया के विरुद्ध बीडीओ को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण

खास बातें

- मुखिया पर विवाद का रहा है चोली-दामन का साथ
- पहले भी ग्रामीणों की है शिकायत,नहीं हुई कार्रवाई

आंदोलन अनुसचिवीय कर्मचारी संघ व मनरेगा कर्मियों का18वें दिन भी जारी रही हड़ताल

मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी: कर्मचारी संघ

संवाददाता। लोहरदगा

मनरेगा कर्मी और अनुसचिवीय कर्मचारी संघ अपनी मांगों को लेकर 18वें दिन भी जारी रहा बेमियादी हड़ताल पर रहे. वे समाहरणालय स्थित मैदान में टेंट और तंबू लगाकर विगत हड़ताल पर बैठे हुए हैं. बेमियादी हड़ताल से जिले में संचालित विकास योजनाओं में खासा प्रभाव पड़ा है. बता दें कि जिले में कार्यरत मनरेगा कर्मी और अनुसचिवीय कर्मचारी संघ का हड़ताल पर चले जाने से क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं का संचालन में पूर्ण विराम लग गया है. इधर हड़ताल पर बैठे अनुसचिवीय कर्मचारी संघ और मनरेगा कर्मियों के द्वारा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा गया कि हमारी जायज मांगों पर यथाशीघ्र सकारात्मक विचार नहीं किया जाता है तो बाध्य होकर उग्र हड़ताल करेंगे.बेमियादी हड़ताल को संबोधित करते हुए सेन्हा प्रखंड में पदस्थापित मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी रघुनाथ मुंडा ने कहा कि सरकार हमारे साथ सौतेला व्यवहार कर रही है. लोहरदगा जिला में कार्यरत मनरेगा कर्मी और अनुसचिवीय कर्मचारी संघ ने साफ लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि जबतक हमारी मांगों पर सकारात्मक नतीजे नहीं आ जाता है तब-तक बेमियादी हड़ताल जारी रहेगा. मौके पर विनोद उरांव, मुकूल मिंज, तौसीफ इस्लाम, सुदर्शन लकड़ा, मृणाल कुमार, निलेंद्र कुमार, अभिषेक कुमार, शम्श तबरेज, दीपक कुमार, विनोद कुमार, जमशेद अंसारी, सांता कुमारी, सुनीता कुमारी समेत बड़ी संख्या में अनुसचिवीय कर्मचारी संघ और मनरेगा कर्मी मौजूद थे.

बेमियादी हड़ताल पर गये कममर्चारियों के धरनास्थल पर सभा को संबोधित करते संघ के नेता.

न्यूज अपडेट

एसपी ने सभी थानों के सीएनओ के साथ की बैठक

जिले के सभी थानों के सीएनओ के साथ बैठक करते एसपी.

सिमडेगा। पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार की अध्यक्षता में बुधवार कोजिला के सभी थाना में प्रतिनियुक्त सीएनओ कोर्ट नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई. बैठक में सभी सीएनओ को कोर्ट से संबंधित, थाना में किये जाने वाले कार्यों एवं ऑनलाईन पोर्टल सीपीएमएस के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी. साथ ही सभी को नियमित रूप से कोर्ट विजिट करने और कोर्ट से संबंधित थाना के कार्यों का निष्पादन सही एवं सुचारू रूप से करने हेतु निर्देशित किया गया. सीएनओ के सम्पूर्ण कार्यो की समीक्षा थाना प्रभारी को दैनिक एवं अंचल पुलिस निरीक्षक को साप्ताहिक रूप से करने हेतु निर्देशित किया गया. बैठक में पुलिस अधीक्षक, सभी अंचल पुलिस निरीक्षक, सिमडेगा, सभी थाना के सीएनओ सहित सभी थाना प्रभारी ऑनलाईन उपस्थित थे.

अंजान शाह के मजार का निरीक्षण करते प्रतिनिधि

पीर बाबा अंजान शाह के मजार पर पहुंचे विधायक प्रतिनिधि.

कोलेबिरा (सिमडेगा)। पीर बाबा अंजान शाह के मजार की छत टपकने की सूचना पर विधायक प्रतिनिधि ने दौरा कर निरीक्षण किया. कोलेबिरा विधायक को सूचना मिली थी मजार का छत से पानी रिस रहा है. जिस पर संज्ञान लेते हुए विधायक ने अपने प्रतिनिधियों को मजार की स्थिति का जायजा लेने को कहा. उपायुक्त तथा कोलेबिरा बीडीओ से भी जानकारी ली. जिला विधायक प्रतिनिधि समी आलम ने भी उपायुक्त से मिलकर इसकी जानकारी दी. उपायुक्त ने बताया कि मजार के जीर्णोद्धार के लिए डीपीआर पूर्व में ही बनकर तैयार है.अंजुमन कमेटी के लिखित सहमति अभी तक नहीं आने के कारण कार्य शुरू नहीं किया गया है. प्रतिनिधि मंडल में जिला विधायक प्रतिनिधि समी आलम, प्रखंड प्रतिनिधि सुलभ नेल्सन डुंगडुंग, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्यामलाल प्रसाद ,मोहम्मद अंजर आलम तथा मजार के मुजावर बारीक हसन उपस्थित रहे.

मदर टेरेसा नर्सिंग कॉलेज में मना विश्व स्तनपान दिवस

नाट्य प्रस्तुति से स्तनपान की जानकारी देते कलाकार.

सिमडेगा/ बानो। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग बानो में स्तनपान दिवस मनाया गया. ए.एन. एम द्वितीय बर्ष की छात्राओं ने स्कीट के माध्यम से स्तनपान से होने वाले फायदे के बारे में बताया. निदेशक डॉ प्रहलाद मिश्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि 1992 से अगस्त के पहले सप्ताह से विश्व स्तनपान दिवस मनाया जाता है.स्तनपान से शिशु और मां दोनों को स्वास्थ्य लाभ होता है. स्तन का दूध शिशु को आदर्श पोषण प्रदान करता है और वृद्धि और विकास में सहायता करता है. स्तनपान कराने से ब्रेस्ट कैंसर, ओवरी कैंसर,मोटापा के साथ मधुमेह का खतरा कम होता है और शिशु का एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली विकसित करने और उन्हें बीमारियों से बचाने में मदद करता है. आज के कार्यक्रम में सचिव निभा मिश्रा, जी एन एम की प्राचार्या एरेन तोपनो, ए एन एम की प्राचार्या प्रभा सूरीन, ट्यूटर अल्बिना तोपनो एवं सभी छात्राएं मौजूद थी.

पंप नहीं चलने से भंडरा में पेयजलापूर्ति बाधित

भंडरा के नंदनी डैम के समीप गिरा हुआ बिजली पोल .

भंडरा/लोहरदगा। जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र में लोगों को इन दिनों पीने के पानी के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है. विगत दिनों आई तेज आंधी व बारिश के कारण नंदनी डैम का पानी प्लांट की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप है. नंदनी डैम पानी प्लांट को छोड़कर पूरे प्रखंड क्षेत्र में बिजली व्यवस्था बहाल की जा चुकी है. प्रखंड क्षेत्र में बीते दिनों अचानक आई आंधी तूफान और जोरदार बारिश के कारण पांच दिनों से बिजली आपूर्ति बंद हो गया था.प्रखंड के ग्राम कुम्हरिया, आकाशी, खारूमातू, पतरा टोली, टंगरा टोली के ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।नंदनी जलाशय में स्थित पानी प्लांट की देख-रेख कर्ता जाबिर अंसारी ने बताया कि खारूमातू गांव में बिजली के सात पोल गिर गये है. इधर-उधर से काम शुरू कर गांव में बिजली व्यवस्था बहाल किया गया है, परंतु पानी प्लांट को जोड़ने वाली बिजली पोल गिर जाने के प्लांट को बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही है.

विश्व आदिवासी दिवस पर विश्रामपुर में होगा भव्य कार्यक्रम

गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आगामी नौ अगस्त को रंका प्रखंड के विश्रामपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के तत्वावधान में संत जोसेफ उच्च विद्यालय विश्रामपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर शामिल होंगे. इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम समिति के पदाधिकारियों ने बुधवार को बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की. बैठक में मुख्य रूप से झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष छोटू सिंह खरवार, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के जेपी मिंज, ज्योति लकड़ा, जगदीश टोप्पो, हृदयानंद मिंज, लीलावती देवी, कपिलदेव सिंह, नंदलाल सिंह, तमगे मुखिया रिंकी देवी, राधेश्याम सिंह, राजकिशोर यादव, गुलाब सिंह, आशिष गुप्ता, पप्पु यादव सहित काफी संख्या में झामुमो के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे.

56 प्रशिक्षणार्थियों के बीच प्रमाण-पत्र का वितरण

गढ़वा। जिला नियोजनालय गढ़वा के तत्वावधान में एससीए योजना अंतर्गत डीसी शेखर जमुआर के निर्देशानुसार गढ़वा जिले में इच्छुक युवकों-युवतियों को स्व-रोजगार उन्नयन के लिए निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया गया था. निविदा के माध्यम से चयनित एजेंसी सोमेश्वर नाथ महादेव ट्रस्ट की ओर से उक्त प्रशिक्षण प्रदान किया गया था. प्रशिक्षण कार्य के समाप्ति के उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें 56 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को डीसी एवं डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा के हाथों समाहरणालय के सभाकक्ष में प्रमाण-पत्र वितरित किया गया. काजू कुमार, पुष्पा कुमारी, सुधा कुमारी, लाली कुमारी, काजल कुमारी, हर्ष कुमार आदि अभ्यर्थियों को डीसी ने प्रमाण-पत्र दिया. डीसी ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्व-रोजगार से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं शुभकामनाएं दी. मौके पर उपरोक्त पदाधिकारियों के अतिरिक्त जिला नियोजन सह कौशल पदाधिकारी नीरज कुमार, वाईपी हिमांशु सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

गढ़वा से 1200 कांवरिये आज देवघर रवाना होंगे

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर 1200 कांवरियों को गुरुवार को बोल बम के लिए रवाना करेंगे. गढ़वा के विभिन्न प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों से बोल बम जाने वले कांवरियों के लिए मंत्री श्री ठाकुर की ओर से 25 बसों की व्यवस्था की गई है. गुरुवार को सभी कांवरिया नया समाहरणा के बगल में स्थित द शिवा रिसोर्ट में जमा होंगे. यहां से सभी को भोजन के बाद मंत्री श्री ठाकुर कांवरियों के साथ पैदल मार्च करते हुए मां काली मंदिर पहुंचे. मां काली मंदिर एवं मां गढ़देवी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद सभी बस स्टैंड पहुचेंगे. यहां से मंत्री श्री ठाकुर सभी कांवरियों को बोल बम के लिए रवाना करेंगे. सभी कांवरियों के लिए रास्ते का जलपान एवं भोजन की भी व्यवस्था की गई है.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मानविकी के छात्र-छात्राओं को कराया गया अयोध्या के विभिन्न स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण

विद्यार्थियों को भाई माता सीता को समर्पित कनक मंदिर की वास्तुकला

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय के विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश स्थित धार्मिक व ऐतिहासिक स्थल अयोध्या के विभिन्न प्रमुख स्थलों राम जन्मभूमि, हनुमान गढ़ी, कनक भवन, दशरथ महल, सरयू नदी, राम की पैड़ी, तुलसी स्मारक भवन, गुप्तार घाटी, नागेश्वर नाथ मंदिर, मणि पर्वत, लता मंगेशकर चौक सहित अन्य स्थानों का भ्रमण कराया गया. इससे पूर्व कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ व वोकेशनल निदेशक डॉ बिनोद कुमार ने कूद स्थित रेलवे स्टेशन पहुंच कर सभी

शैक्षणिक भ्रमण करने वाले छात्र-छात्राएं.

विद्यार्थियों व प्राध्यापकों को अयोध्या के लिए रवाना किया. कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थियों को समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण कराया जाता है. शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्थलों, भौगोलिक एवं सामाजिक स्थितियों समेत कई जानकारियां प्राप्त होती हैं, जो विद्यार्थी जीवन के लिए महत्वपूर्ण है. वहीं शैक्षणिक भ्रमण पर गए विद्यार्थियों ने बताया कि अयोध्या भ्रमण से इतिहास के साथ साथ अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक जानकारियां भी प्राप्त हुईं. साथ ही ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी भी मिलीं. उन्होंने बताया कि माता सीता को समर्पित कनक मंदिर की वास्तुकला और सुंदरता अद्वितीय है. वहीं राजा दशरथ के निवास स्थान पर बने दशरथ महल में प्राचीन समय की वस्तुओं और शिल्पकला को भी देखने का अवसर मिला.

भगवान राम के जल समाधि स्थल गुप्तार घाट, रामचरित मानस के रचनाकार और महान संत कवि तुलसीदास के स्मृति में बनाए गए तुलसी स्मारक भवन, मणि पर्वत, नागेश्वर नाथ मंदिर समेत अन्य स्थलों के भ्रमण से उत्साहित विद्यार्थियों ने कहा कि यह शैक्षणिक भ्रमण न सिर्फ यादगार बनकर रह जाएगा बल्कि आदर्श जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा. इस पूरे शैक्षणिक भ्रमण की समन्वयक डॉ रोजीकांत थीं. साथ ही मानविकी संकाय के प्राध्यापक डॉ ओमप्रकाश दास, संजय कुमार दांगी व सबा प्रवीण का भी मार्गदर्शन मिला. शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले विद्यार्थियों में गुलशन कुमार, कुंदन कुमार, राजु राणा, ज्योति राणा, अर्चना सिन्हा, सन्नी कुमार, पूजा कुमारी, स्वर्णलता कुमारी, पुष्पलता कुमारी, सागर कुमार, पार्वती कुमारी, अंजलि दास, अभिषेक कुमार, राजन कुमार, रवि भूषण कुमार, नीतू कुमारी, संध्या कुमारी, काजल कुमारी आदि शामिल हैं.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें

संवाददाता। रामगढ़

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ प्रत्येक योग्य लाभुक को उपलब्ध कराने के उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देश पर पूरे जिले में तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है. इसी क्रम में जिलेभर में प्रत्येक योग्य लाभुक को योजना से जोड़ने हेतु किए जा रहे कार्यों को लेकर बुधवार को उपायुक्त की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया. इस दौरान उपायुक्त ने प्रखंडवार आवेदनों की एंट्री तथा लाभुक को योजना से जोड़ने के लिए प्रचार प्रसार कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को हाइब्रिड मोड में कार्य कर योजना का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. 21-50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रत्येक माह 1000 रुपये प्रदान करने के उद्देश्य से लाई गई झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेने हेतु योग्य लाभुक अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर अथवा आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहायिकाओं के माध्यम से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

शहर में पांच दिन से गंदे पानी की सप्लाई

हजारीबाग। शहर में बीते पांच दिनों से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से शहर वासियों को छड़वा डैम से बिना फिल्टर किए हुए पानी की सप्लाई की जा रही है. इस संबंध में सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने उपायुक्त को पत्र लिखकर कहा है कि छडवा डैम से पानी की सप्लाई का ज़िम्मा जब से ठेकेदार को दिया गया है, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग इस मामले को लेकर उदासीन रवैया अपनाया हुआ है. सप्लाई के पानी की गुणवत्ता देखने की जिम्मेवारी अधिकारियों की है, लेकिन वे अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं. इसके कारण ठेकेदार लगातार मनमानी कर रहा है. सीटू ने उपायुक्त से मांग की है कि जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई करते हुए तत्काल साफ पानी सप्लाई करवाया जाए. पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए.

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर सहित चालक गिरफ्तार

चौपारण। चौपारण पुलिस ने गुप्त सूचना पर मंगलवार देर रात अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर के साथ एक चालक को गिरफ्तार किया. इस संबंध में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि पांडेयबारा के समीप से अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर पकड़ा गया. चालक ने बताया कि मयूरहंड प्रखंड के पेटादरी से बालू का उठाव कर चौपारण बाजार बेचने जा रहा था. उसने बालू लोडिंग व बिक्री का कागजात नहीं दिखाया. ट्रैक्टर के चालक एवं मालिक पर प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है. गौरतलब हो कि चौपारण थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर से चोरदाहा, भगहर, परसातरी, हजारीधमना, मयूरहंड के पेटादेरी, बिहार के महाने, भलुआ सहित दर्जन भर नदी से अवैध तरीके से बालू की ढुलाई होती है.

रियाडा कंपनी परिसर में हादसे की जांच करने पहुंचे इंटक शिष्टमंडल ने की मांग

परिजनों को मिले 50 लाख मुआवजा

- घायलों को 20 लाख मुआवजा दिया जाए, कहा- मजदूरों का न पीएफ कटता है, न ईएसआईसी है, ग्रुप बीमा का लाभ भी नहीं
- दैनिक मजदूरी नियम का भी अनुपालन नहीं, 8 घंटे की जगह 12 घंटे लिया जाता है काम

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के बरही प्रखंड स्थित रियाडा कंपनी परिसर में संचालित पवन पुत्र प्लांट की चिमनी में ब्लास्ट की जांच के लिए भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) का शिष्टमंडल बुधवार को प्लांट पहुंचा. शिष्टमंडल ने प्लांट के अंदर जाकर मजदूरों से घटना की जानकारी ली और मजदूरों की सुरक्षा के प्रति कंपनी की लापरवाही की जानकारी भी ली. मजदूरों ने बताया कि कंपनी में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है. काम पर जाने वाले मजदूरों को न तो सुरक्षा किट मुहैया कराई जाती है, न ही आपातकाल में उन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस तक की व्यवस्था है. मजदूरों ने यह भी बताया कि न तो उनका पीएफ कटता है, न ईएसआईसी है और न ही ग्रुप बीमा का लाभ ही उन्हें मिलता है. इस फैक्ट्री में अधिकांश मजदूर बिहार-यूपी के रहने वाले हैं, जिन्हें 8 घंटे की जगह 12 घंटे काम लिया जाता है और झारखंड सरकार के दैनिक मजदूरी नियम का भी अनुपालन नहीं किया जाता है.

इस मामले को लेकर बरही में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत नागवाला ने कहा कि उक्त घटना सीधे-सीधे कंपनी के मालिक और जीएम की लापरवाही के कारण घटित हुई है, जिसमें अब तक पांच जानें जा चुकी हैं. कई लोग अभी इलाजरत हैं और जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं.

बरही प्रखंड स्थित रियाडा कंपनी परिसर पहुंचे इंटक के शिष्टमंडल ने मजदूरों से विभिन्न मुद्दों पर बात की.

- कंपनी के मालिक और जीएम पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने का जिला प्रशासन से आग्रह
- प्लांट में सुरक्षा मानकों की अनदेखी, आपात स्थिति के लिए एंबुलेंस तक की नहीं है व्यवस्था

मजदूरों ने यह भी बताया कि जब घटना हुई तो बरही में मौजूद किसी भी सरकारी एंबुलेंस का उपयोग न करते हुए कंपनी के पदाधिकारी ने अपने प्राइवेट वाहन से घायलों को वहां से अस्पताल ले जाने का काम किया, जो निश्चित ही किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है. और तो और पूरे प्लांट में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की ही जा रही है. साथ ही प्रदूषण का भी कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा है. यहां तक कि 90 फ़ीसदी बाहर के मजदूरों से काम कराया जा रहा है. एक मजदूर से 12 /12 घंटे के शिफ्ट में काम कराया जा रहा है और उन्हें बहुत ही कम पारिश्रमिक दिया जा रहा है, जो सीधे-सीधे झारखंड सरकार के नियमों की अवहेलना है. इस पूरे मामले को लेकर शिष्टमंडल ने बरही के एसडीओ से भी मुलाकात की. घटना घटित होने के बाद बहुत सारे मजदूर, जो प्लांट के अंदर रह रहे हैं, उन्हें पिछले एक महीने से अधिक दिनों से मजदूरी नहीं दी गई है. कई मजदूर भूखे रहने की स्थिति में भी हैं, जिसकी जानकारी बरही एसडीओ को दी गई है. उनसे आग्रह किया गया है कि जो मजदूर घर जाना चाहते हैं उनका बकाया पैसा उन्हें शीघ्र भुगतान कराया जाए. वहीं मजदूरों से फोन पर हजारीबाग के लेबर सुपरिंटेंडेंट को भी बात करा कर पूरी वस्तु स्थिति की जानकारी दी गई है.

उपायुक्त व मुख्यमंत्री को सौंपेंगे विस्तृत रिपोर्ट

नागवाला ने कहा कि जल्द ही हम लोग इस मामले को लेकर उपायुक्त से भी मिलेंगे और विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे को भी भेजी जाएगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी इस पर कार्रवाई करने के लिए विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी. राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस प्रत्येक मृतक को 50 लाख रुपये मुआवजा की मांग करती है और घायलों को 20 लाख रुपये मुआवजा की मांग करती है. साथ ही कंपनी के मालिक और जीएम पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने का जिला प्रशासन से आग्रह करती है. साथ ही बरही में जितने भी प्लांट संचालित हैं उनमें भी सुरक्षा मानक, प्रदूषण और लेबर लॉ के नियमों की अनदेखी न हो इसके लिए भी जिला प्रशासन से जांच का आग्रह करती है. शिष्टमंडल में दीपक गुप्ता, सुनील चंद्रवंशी, संतोष गुप्ता, पंकज पासवान, विनोद दास, सुजीत गोस्वामी विक्रम पासवान, राजेंद्र स्वर्णकार, संतोष ठाकुर, सुनील कुमार, संतोष निषाद, अमित सिंह, मिथिलेश उपाध्याय आदि शामिल थे.

इस्पात संयंत्र विस्फोट में तीन और लोगों की मौत

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में एक इस्पात संयंत्र में विस्फोट होने से गंभीर रूप से घायल हुए तीन और श्रमिकों की बुधवार को मौत हो गई. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है. अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को बरही स्थित संयंत्र की ''इंडक्शन फर्नेस'' इकाई में विस्फोट होने से दो श्रमिकों की मौत हो गई थी. हजारीबाग की उपायुक्त नैंसी सहाय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'विस्फोट में कुल सात श्रमिक घायल हुए. इनमें से दो की मौत कल हुई जबकि तीन अन्य ने आज दम तोड़ दिया.' उन्होंने बताया कि हजारीबाग अस्पताल में भर्ती दो अन्य घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है. बरही थाने के प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि मंगलवार को हजारीबाग में इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि चार श्रमिकों को रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) रेफर कर दिया गया था. उन्होंने बताया कि चार में से एक की मंगलवार देर शाम आरआईएमएस ले जाते समय मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने कारखाना मालिकों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने और संबंधित कारखाने के निरीक्षक को निलंबित करने की मांग की. भाजपा की झारखंड इकाई के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश ने कहा, "यह महज एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि सुरक्षा मानकों के प्रति कारखाना मालिकों और कारखाना निरीक्षकों की लापरवाही का नतीजा है. यह एक जघन्य अपराध है.'

रामगढ़ विस क्षेत्र को शिक्षा का हब बनाना लक्ष्य : सुनीता

भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास करतीं विधायक सुनीता चौधरी व अन्य.

- सुकरीगढ़ा लारी केबी प्लस टू उच्च विद्यालय में भवन निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

संवाददाता। रामगढ़

सुकरीगढ़ा लारी स्थित केबी प्लस टू उच्च विद्यालय में बुधवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा लगभग एक करोड़ 35 लाख की लागत से विद्यालय के दो मंजिला भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया. शिलान्यास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी व विशिष्ट अतिथि रामगढ़ जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी द्वारा संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण व नारियल फोड़कर किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि रामगढ़ विधानसभा को शिक्षा के हब के रूप में विकसित करना मेरा लक्ष्य है. पूर्व मंत्री चंद्रप्रकाश चौधरी द्वारा रामगढ़ में पॉलिटेक्निक कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, महिला इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण सहित शिक्षा के क्षेत्र में कई कार्य किये थे. लेकिन बीच में तीन वर्ष विकास कार्य ठप हो गया था. अब विकास में दोबारा रामगढ़ विधानसभा को नंबर वन बनाना है. उन्होंने आगे कहा कि यहां के बच्चों एवं शिक्षकों की मांग को पूरा करने का काम किया हूं. आने वाले दिनों में बच्चों को पढ़ाई संबंधित किसी भी तरह की समस्या नहीं होने दी जाएगी. बच्चे अपना ध्यान सिर्फ पढ़ाई पर दें.

भाजपा ने की हर घर तिरंगा अभियान पर चर्चा

रामगढ़। भाजपा जिला कार्यालय हथमारा में जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता एवं जिला संयोजक राजू चतुर्वेदी के संचालन में बैठक हुई. इसमें आगामी

"हर घर तिरंगा" अभियान चर्चा हुई. इस दौरान भाजपा प्रदेश टोली के सदस्य बबन गुप्ता लोकसभा व जिला प्रभारी शशिभूषण भगत वरिष्ठ नेता रंजित कुमार सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे. बब्बन गुप्ता ने बताया कि 9 से 10 अगस्त तक मंडल बैठक, 11 से 13 तक विधान सभा स्तरीय हर घर तिरंगा यात्रा, युद्ध स्मारक और स्वतंत्रता के नायक के मूर्ति के आसपास स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई, 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका के दिन मौन जुलूस निकाला जाएगा. बैठक में डॉ संजय कुमार सिंह, चंद्रशेखर चौधरी, राजू चतुर्वेदी , बलराम महतो, आनंद बेदिया, सरिता ठाकुर, स्नेह लता चौधरी, अखिलेश प्रसाद, महामंत्री खिरोधर साहू, रंजन फ़ौजी, राजू कुशवाहा, रमेश वर्मा, संजीव कुमार बावला, दिलीप सिंह, किरण देवी, बसूध तिवारी, दीनदयाल कुमार, विजय जायसवाल, योगेश दांगी, जिला मीडिया राजीव पामदत्त, संतोष शर्मा आदि उपस्थित थे.

राज्य ओबीसी आयोग के अध्यक्ष से मिले अधिवक्ता द्वारिका प्रसाद

नोटरी नियुक्ति में ओबीसी आरक्षण की मांग

संवाददाता। रामगढ़

विधि विभाग झारखंड सरकार द्वारा राज्य के सभी व्यवहार न्यायालयों में लेख प्रमाणकों / नोटरी की नियुक्ति में ओबीसी वर्गों को आरक्षण नहीं दिया गया है. इस विषय को लेकर सिविल कोर्ट के अधिवक्ता द्वारिका प्रसाद ने राज्य आयोग के अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद महतो को लिखित शिकायत की है.

बता दें कि विधि विभाग ने विज्ञप्ति के माध्यम से राज्य के सभी व्यवहार न्यायालयों में नोटरी के स्वीकृत पदों के विरुद्ध रिक्त पदों पर विहित प्रपत्र के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए थे. विज्ञापन में नोटरी के अर्हता से संबंधित

प्रावधान दिए गए हैं. उक्त प्रावधान में ओबीसी श्रेणी को आरक्षण नहीं दिया गया है एवं विज्ञप्ति में लिखा है कि नोटरी अधिनियम, नोटरी नियमावली के अंतर्गत प्रावधान भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देश यथावत लागू रहेंगे. जबकि नोटरी नियमावली 1956 की नियम (3) (एए) में कहा गया है कि एसटी, एससी, ओबीसी का अनुभव अगर 7 वर्ष हो चुका है तो नोटरी का आवेदन दे सकते हैं. उक्त विज्ञापन में ओबीसी श्रेणी के अभ्यर्थी आवेदन करने से वंचित हो गए हैं, जिससे ओबीसी अभियार्थियों में काफी रोष है. अधिवक्ता ने राज्य ओबीसी आयोग से मांग की है कि विधि विभाग के विज्ञापन में ओबीसी को आरक्षण दें या इस विज्ञापन को रद्द कर पुनः विज्ञापन प्रकाशित करें. अन्यथा झारखंड उच्च न्यायालय में रिट फाइल किया जाएगा.

भाजयुमो के जिलाध्यक्ष बनाए गए कुश श्रीवास्तव

रामगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देश पर भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष शशांक

राज ने सीसीएल कॉलोनी निवासी नयानगर बरकाकाना कुश श्रीवास्तव को भाजयुमो रामगढ़ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है. इस पर कुश श्रीवास्तव ने कहा कि संगठन द्वारा जिस विश्वास के साथ जिलाध्यक्ष का दायित्व दिया गया है, उसे वे पूरी निष्ठा के साथ निभायेंगे. श्रीवास्तव ने युवाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाजपा के नीति-सिद्धांतों, एनडीए सरकार के विकास कार्यों की जानकारी देने, संगठन से जोड़ने व मजबूत करने को अपनी पहली प्राथमिकता बतायी.

कल मनाई जाएगी नाग पंचमी, 8.26 बजे पंचमी तिथि की शुरुआत होगी

शुभ मुहूर्त में नाग देवता की पूजा कर कई गुना अधिक लाभ का भागी बनें : संजय

संवाददाता। हजारीबाग

सावन के महीने में कई त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं. हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी मनाई जाती है. इस विशेष दिन भगवान भोलेनाथ और नाग देवता की पूजा की जाती है. मान्यता है कि इस पावन मौके पर नाग देवता की विधिविधान से पूजा-अर्चना करने पर जीवन की समस्त दुखों से छुटकारा मिलता है. पंचांग के अनुसार, इस साल 9 अगस्त को नागपंचमी मनाई जाएगी. इस शुभ दिन पर कई अद्भुद संयोग का निर्माण भी हो रहा है, जिससे शुभ मुहूर्त में पूजा करने से व्रती को कई गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होगी. आइए जानते हैं नागपंचमी का शुभ मुहूर्त और कालसर्प योग दोष से मुक्ती के उपाय..

मां तारा ज्योतिष प्रतिष्ठान के ज्योतिषविद संजय सिंह ने बताया कि इस वर्ष सावन माह के शुक्ल पक्ष का आरंभ 5 अगस्त को हुआ है और इसलिए हजारीबाग के उदयातिथि के अनुसार, 9 अगस्त की सुबह 8.26 बजे पंचमी तिथि की शुरुआत होगी और अगले दिन यानी 10 अगस्त की सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगी. इसी अवधि में पूरे दिन नाग देवता की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त रहेगा और तदनुसार नाग पंचमी का व्रत मनाया जाना चाहिए. इस दिन प्रदोष काल में नाग देवता की पूजा का बड़ा महत्व हैं. 9 अगस्त को शाम 06:33 से रात 08:20 तक नाग देवता की पूजा के लिए सबसे उत्तम मुहूर्त रहेगा. इस साल नाग पंचमी के मौके पर शिववास के योग, सिद्ध योग, साध्य योग, बव और हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में पंचमी मनाई जाएगी. नागपंचमी के दिन घर के मुख्य द्वार पर गोबर, गेरू या मिट्टी से सर्प की आकृति बनायें और इसकी विधिवत पूजा करें. इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और काल सर्प दोष से होने वाली परेशानियां दूर होंगी. नागपंचमी पर राहु और केतु के मंत्रों का जाप लाभकारी माना गया है.

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

हजारीबाग। यदुनाथ बालिका उच्च विद्यालय के सभागार में रोटरी क्लब, हजारीबाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया. कार्यशाला में रोटरी क्लब के अध्यक्ष मंदिरा गुप्ता, मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉक्टर धीमान (सीआईपी, कांके, रांची,)रोटरी क्लब के सदस्यगण, विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव डॉ सजल मुखर्जी, विद्यालय के प्रधानाध्यापिका सुमेधा बनर्जी, विद्यालय के अन्य शिक्षिकागण और सभी छात्राएं उपस्थित थीं. विशेषज्ञ ने छात्राओं के विभिन्न प्रश्नों का समाधान किया तथा किशोरावस्था में बच्चे मानसिक स्वास्थ्य को कैसे सही बनाए रखें. इस बारे में भी मार्गदर्शन प्रदान किया. उक्त दिवस को विद्यालय परिसर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से छात्राओं का स्वास्थ्य जांच भी करवाया गया.

कार्यक्रम झारखंड अलग राज्य बनने का लाभ जनता को नहीं मिला : डॉ. सादिक रज्जाक

धनी राज्य झारखंड के लोग कब तक रहेंगे गरीब : प्रो. जैनेंद्र

- विभावि के राजनीति विज्ञान विभाग में "झारखंड में राजनीतिक दलों का योगदान" विषय पर व्याख्यान

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड बने अब 24 वर्ष पूरे होने को चले हैं. राज्य आज भी धनी है परंतु विडंबना यह है कि लोग आज भी गरीब ही हैं. मुट्ठी भर नेता, अधिकारी और ठेकेदार को ही झारखंड अलग राज्य बनने का लाभ हुआ है. यह स्थिति झारखंड में शासन करने वाले सभी राजनीतिक दलों पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लगाता है. उक्त बातें सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के

राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर जैनेंद्र यादव ने कहीं. वह विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में "झारखंड में राजनीतिक दलों का योगदान" विषय पर बुधवार को व्याख्यान दे रहे थे.

प्रोफेसर यादव ने बताया कि झारखंड के धन को यहां के आम लोगों तक नहीं पहुंचा जा सका है. आज भी झारखंड में गरीबी और कुपोषण व्याप्त है. शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में भी अपेक्षा अनुसार सुधार नहीं हो पाया है. आम लोगों का जीवन कठिनाइयों में गुजर रहा है. जनजातियों के मामलों की भी उपेक्षा हो रही है. 24 वर्षों में तो झारखंड को भारत का श्रेष्ठतम राज्य का स्थान प्राप्त होना चाहिए था. हमारे शासकों ने आज झारखंड को भारत का दूसरा सबसे गरीब प्रदेश का स्थान में ला कर खड़ा कर दिया है. चाहे शासन किसी भी राजनीतिक दल का रहा हो बड़ी-बड़ी बातें जरूर कही गई हैं. बड़ी-बड़ी राजनीतिक विचारधाराएं जरूर बताई गई हैं. उन्होंने पूछा कि जो विचारधारा लोगों के जीवन स्तर में सुधार नहीं ला सकती उसका होने का क्या औचित्य है? मैं उस विचारधारा को सर्वोत्तम मानूंगा जिसके माध्यम से झारखंड के लोगों को बेहतर जीवन स्तर की प्राप्ति होगी.

अपने संबोधन में समाज विज्ञान संकायअध्यक्ष डॉ. सादिक रज्जाक ने बताया कि झारखंड में अलग-अलग दलों के शासन के बावजूद आम लोगों को अलग राज्य बनने का लाभ प्राप्त नहीं हो पाया है. जनजाति समाज भी अलग राज्य बनने के लाभों से वंचित ही रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम शिक्षा जगत के लोगों का यह दायित्व है कि हम झारखंड राज्य को लेकर और भी शोध करें. समाज को और सरकार को बताएं कि विकास योजना में खामियां कहां हैं. यह भी बताएं कि क्या करने से हमारे राज्य के लोग लाभान्वित होंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजय बहादुर सिंह ने किया. मौके पर विभागीय प्राध्यापक डॉ. बीपी सिंह, डॉ. रीता कुमारी, बरकट्ठा महाविद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य डॉ. बलदेव राम, बरही महाविद्यालय के नवनियुक्त प्राचार्य डॉ. जेपी रविदास, विभाग के शोधार्थी एवं भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे.

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने किया पंचायतों का दौरा

- मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के पंजीकरण शिविरों का जायजा लिया
- कैंसर पीड़ित और दुर्घटना पीड़ित को दिया हरसंभव मदद का आश्वासन

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने बुधवार को दारू प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में लगे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के पंजीकरण शिविरों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया. इस दौरान लोगों ने उन्हें कई प्रकार की समस्याओं से अवगत कराया, जिनके समाधान का उन्होंने आश्वासन दिया. कांग्रेस नेता जिनगा पंचायत, रामदेव खरिका पंचायत, हरली पंचायत, दारू पंचायत और इरगा पंचायत आदि पहुंचे. इसके अतिरिक्त उन्होंने सदर प्रखंड की हुटपाइ पंचायत और मेरु पंचायत का भी दौरा किया. बाद में मुन्ना सिंह ने प्रखंड के बख़्शी डीह निवासी, कैंसर पीड़ित सरोज ठाकुर से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके इलाज के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया. इसके बाद उन्होंने बासो बार निवासी अशोक कुमार, जिनकी एक्सिडेंट में याददाश्त चली गई है, के परिजनों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके परिवार को हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया. इसके बाद खरिका पंचायत पहुंचे, जहां कुछ दिन पहले गुपलु निवासी कमलेश्वर प्रसाद की करंट लगने से मौत हो गई थी. कांग्रेस नेता ने परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिया. इस दौरान रविंद्र कुशवाहा, जिनगा मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद राम, दारू पंचायत के मुखिया, इरगा पंचायत की मुखिया अनिता, मेरु पंचायत की सिंह, उप मुखिया मनोज कुशवाह आदि मौजूद थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बहुत जरूरी हो तो ही ऋण लें. केतु चंद्र रोग भाव में है. शारीरिक कष्ट की आशंका है. भावना में बहकर कोई निर्णय न लें. कुसंगति से हानि होगी. आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी. तनाव रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

वृषभ शिक्षा का चयन सोच विचार कर करें. प्रेम में धोखा मिल सकता है. पर जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा. भाइयों का साथ रहेगा. सभी कार्य पूर्ण सफल होंगे. प्रसन्नता रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी.

मिथुन माता को हड्डी संबंधित बाधा हो सकती है. धन प्राप्ति सुगम होगा. समय का लाभ लें. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा. जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें. घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी.

कर्क धन का आगमन होगा. किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है. लगन व उत्साह से कार्य कर पाएंगे. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा. निवेश शुभ रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

सिंह शिक्षा में सुधार होगा. धनहानि की आशंका है. भावना में न बहकर विवेक का प्रयोग करें. लाभ होगा. कोई शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें. थकान व कमजोरी रह सकती है. भागदौड़ रहेगी. आय में निश्चितता बनी रहेगी.

कन्या समय उत्तम है. मेहनत का फल प्राप्त होगा. असहाय लोगों की मदद करने की इच्छा रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं.

तुला दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे. प्रसन्नता रहेगी. पुराने मित्रों से मुलाकात होगी. किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. विवाद से बचें. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा.

वृश्चिक काफी समय से कोई बड़ा रुका हुआ कार्य पूर्ण हो सकता है. सफलता प्राप्त होगी. प्रसन्नता का माहौल रहेगा. आय में वृद्धि नए कार्य के साथ हो सकती है. निवेशादि में जल्दबाजी न करें. भाग्य की अनुकूलता का लाभ लें.

धनु पिता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. कुसंगति से हानि होगी. विवेक का प्रयोग करें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है. नौकरी में किसी से विवाद हो सकता है. क्रोध न करें.

मकर धर्म में मन लगेगा. रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है. यात्रा लंबी हो सकती है. पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. नौकरी में नए काम मिल सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी.

कुंभ योजना फलीभूत होगी. आय में वृद्धि होगी. कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं. प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा.

मीन जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें. किसी विद्वान व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. धन प्राप्ति के प्रयास भरपूर करें. अधिक लाभ की संभावना है. शिवलिंग पर पंचामृत से स्नान करावें.

राज्यपाल से मिले चीफ सेक्रेट्री और डीजीपी

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राजभवन में मुख्य सचिव एल खियांग्यते और डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मुलाकात की. मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने मुख्य सचिव से राज्य में संचालित विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की. वहीं डीजीपी से राज्य में विधि व्यवस्था बनाये रखने की बात कही.

झारखंड के पांच जिले में सबसे अधिक हुईं हत्याएं, रांची टॉप पर

रांची। झारखंड के पांच जिले में सबसे अधिक हत्याएं हुई हैं. झारखंड पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते एक महीने में राज्य के अलग-अलग जिले में हत्या की कुल 143 घटनाएं हुई हैं. लेकिन पांच जिलों (सरायकेला, हजारीबाग, गिरिडीह, रांची और दुमका) में हत्या की सबसे अधिक वारदातें देखने को मिली हैं. गौर करने वाली बात यह है कि पिछले एक माह में रामगढ़, जामताड़ा और कोडरमा जिले में एक भी हत्या नहीं हुई हैं.

अन्य जिलों में इतनी हुई हत्या की वारदातें

- खूंटी : 03
- गुमला : 07
- लोहरदगा : 02
- चाईबासा : 03
- जमशेदपुर : 08
- पलामू : 09
- लातेहार : 03
- गढ़वा : 07
- धनबाद : 05
- बोकारो : 05
- गोड्डा : 05
- देवघर : 08
- साहिबगंज : 04
- पाकुड : 01

इन पांच जिलों में सबसे ज्यादा हुई हत्याएं

- रांची : 22
- सरायकेला : 10
- गिरिडीह : 12
- हजारीबाग : 10
- दुमका : 10

राष्ट्रीय जनता दल की बैठक में नेताओं ने चुनावी रणनीति पर विचार-विमर्श किया

लातेहार की दोनों विधानसभा सीटों से प्रत्याशी उतारेगा राजद

आशीष टैगोर। लातेहार

झारखंड में हालांकि अभी तक विधानसभा चुनाव की कोई तिथि अभी तक निर्धारित नहीं हुई है. लेकिन जिले में चुनावी सरगर्मी तेज हो गयी है. संभावित प्रत्याशियों ने जनसंपर्क अभियान प्रारंभ कर दिया है. खास कर जिले के मनिका विधानसभा क्षेत्र में सरगरमी कुछ अधिक देखी जा रही है. अकेले भाजपा के ही तीन-चार प्रत्याशी क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं. अब राजद ने भी इसमें इंट्री मारी है. राजद ने कहा कि वे हर हाल में लातेहार जिला के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में अपना प्रत्याशी उतारेंगे. बता दें कि राजद महागठबंधन का हिस्सा है और मनिका में वर्तमान में कांग्रेस के रामचंद्र सिंह विधायक हैं और आगामी विधानसभा चुनावों में भी उनकी दावेदारी पक्की है. बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल की एक बैठक यहां आयोजित की गयी. बैठक में कहा गया कि अगर महागठबंधन के तहत सीट शेयरिंग में राजद को मनिका में टिकट मिलता है तो ठीक है, नहीं तो वे यहां दोस्ताना संघर्ष करेंगे. लातेहार में झामुमो के विधायक बैद्यनाथ राम हैं और झामुमो भी महागठबंधन का हिस्सा है. ऐसे में यहां भी राजद अपना प्रत्याशी उतार कर झामुमो का खेल बिगाड़ सकता है. हालांकि यह जिला स्तरीय बैठक में लिया गया निर्णय है. सीट शेयरिंग जैसी महत्वपूर्ण मुद्दे प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर तय होते हैं. बावजूद इसके लातेहार में राजद नेता व कार्यकर्ता इस बार कुछ नया करने के मूड में नजर अवश्य आ रहे हैं.

राजद की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे पाटर्टी के वरीय नेता.

राजद की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई

राजद लातेहार की एक बैठक जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव की अध्यक्षता में हुई. बैठक में लातेहार जिला के दोनों विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने, लातेहार में पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण देने, हाल सर्वे में सुधार करने के लिए मिनी सर्वे कराने, मंडल डैम का निर्माण कार्य पूरा कराने, स्थानीय कोलियरी व रेलवे साइडिंग में स्थानीय मजदूरों को काम देने एवं लातेहार में अल्युमिनियम कारखाना लगाने की मांग की गयी. बैठक में विशेष समिति के संयोजक गिरधारी गोप व आबिद अली के अलावा सुशील कुमार यादव, अली हसन अंसारी, विक्टर श्र केरकेट्टा, मोहर सिंह यादव, अजय कुमार चंद्रवंशी, लाल दीपक नाथ शाहदेव, जीतेंद्र प्रसाद यादव, रंजीत यादव, पवन कुमार राम, दिलेश्वर यादव आदि मौजूद थे.

चांडिल के चिलगु में एक भूखंड पर दो विभागों का दावा

परेशान हैं चांडिल डैम के विस्थापित

दिलीप कुमार। चांडिल

चांडिल प्रखंड के चिलगु पुनर्वास स्थल के विस्थापित इन दिनों काफी परेशान और डरे-सहमे हैं. विस्थापित असमंजस की स्थिति में है कि कहीं फिर से उन्हें एक बार उजाड़ा तो नहीं जाएगा? बीते एक महीने से चिलगु पुनर्वास स्थल पर भूखंड का विवाद सुर्खियों में है. एक भूखंड के दो दावेदार सामने आए हैं, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वास्तव में उक्त भूखंड है किसका. चांडिल अंचल के चिलगु पुनर्वास स्थल पर कुछ विस्थापितों ने घर और चारदीवारी का निर्माण किया है, जिसको लेकर चांडिल के अंचलाधिकारी ने तीन लोगों के नाम पर नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण और कागजात मांगा था.

वहीं, 72 घंटे के भीतर कागजात नहीं दिखाने पर अंचलाधिकारी ने कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी. अंचलाधिकारी ने चिलगु निवासी पत्रकार विश्वरूप पांडा, दुर्योधन गोप, अनंतो गोप को नोटिस भेजा था, जिसमें इन तीनों के ऊपर गैर मजरुआ सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने और उसके क्रय-विक्रय का आरोप लगाया है. दूसरी ओर उसी भूखंड को लेकर सुवर्णरेखा परियोजना चांडिल के पुनर्वास पदाधिकारी संख्या 2 ने भी नोटिस जारी कर अवैध अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है. पुनर्वास पदाधिकारी के नोटिस में उपरोक्त तीन विस्थापित समेत 14 लोगों को नोटिस भेजा है. यहां सवाल है कि आखिर एक ही भूखंड पर दो दावेदार कैसे आए हैं, वास्तव में वह भूखंड किसका है? क्या दोनों विभाग को अब तक नहीं मालूम की उक्त भूखंड किसका है.

चहारदीवारी और परियोजना की ओर से गाड़ा गया पीलर.

चांडिल के अंचलाधिकारी को दिया लिखित स्पष्टीकरण

चिलगु निवासी विस्थापित सह स्थानीय पत्रकार विश्वरूप पांडा ने चांडिल अंचलाधिकारी को लिखित रूप से स्पष्टीकरण दे दिया है. उन्होंने बताया कि उनके पिता निर्मल कुमार पांडा नीमडीह अंचल के कल्याणपुर गांव के विस्थापित हैं. उनके नाम पर विकास पुस्तिका निर्गत हुई है. विकास पुस्तिका के अनुसार साढ़े 12 डिसमिल आवासीय भूखंड देने का प्रावधान है. स्पष्टीकरण में यह भी कहा गया है कि जिस भूखंड को गैर मजरुआ सरकारी भूमि बताया गया है उसका सीमांकन सुवर्णरेखा परियोजना द्वारा किया गया है. अलग-अलग प्लॉट का डिजाइन तैयार किया गया है, जिसको आधार मानकर विस्थापित सदस्यों ने साढ़े 12 डिसमिल भूमि पर दखल किया है. आज तक कभी भी अंचल कार्यालय द्वारा निर्माण कार्य पर रोक लगाने या अन्य किसी तरह का नोटिस नहीं दिया गया है. इसके बावजूद यदि उक्त भूखंड गैर मजरुआ सरकारी भूमि प्रमाणित होता है और सुवर्णरेखा परियोजना द्वारा अपना दावा नहीं किया जाता हैं तो स्वयं उक्त भूमि को दखल मुक्त कर देने की बात कही है. वहीं, चिलगु निवासी विस्थापित सह आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन गोप ने अंचलाधिकारी को अपने स्पष्टीकरण में बताया है कि उक्त भूखंड से उनका कोई लेना-देना नहीं है. उनके द्वारा किसी तरह की घेराबंदी निर्माण या अवैध कब्जा नहीं किया गया है. अनंत गोप ने भी उनके द्वारा अवैध अतिक्रमण करने के आरोप को झूठा बताया है. पुनर्वास पदाधिकारी की नोटिस को लेकर सभी विस्थापित सदस्यों ने अपना-अपना स्पष्टीकरण सौंप दिया है. कई विस्थापित सदस्यों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने पुनर्वासित भूखंड पर घर निर्माण किया है, जो उनका अधिकार है.

क्या है मामला : चांडिल अंचल के चिलगु में खाता संख्या 130, प्लॉट संख्या 578 में 69 एकड़ भूमि को वर्ष 1984 में तत्कालीन सिंहभूम जिले के उपायुक्त ने सुवर्णरेखा परियोजना को कार्य करने की अनुमति दी थी. उक्त 69 एकड़ भूखंड पर परियोजना द्वारा पुनर्वास स्थल निर्माण किया गया. वहां चांडिल डैम के विस्थापित परिवारों को आवासीय भूमि देने का प्रावधान किया गया है. परियोजना द्वारा जिला प्रशासन से चिलगु में कुल 148 एकड़ भूमि मांगी गयी थी, जिसपर तत्कालीन उपायुक्त ने 69 एकड़ भूमि पर कार्य करने की अनुमति दी थी, जो गैर मजरुआ सरकारी भूमि थी. इसके बाद विशेष भू-अर्जन द्वारा शेष 79 एकड़ भूमि अधिग्रहण किया गया है. इसमें गैर मजरुआ, रैयत और वन विभाग की भूमि शामिल है. राजस्व अभिलेख में कुछ गड़बड़ी होने या नाम नहीं दर्ज होने पर वर्ष 1988-1989 में उसी भूखंड के कुछ हिस्से को कुछ गैर विस्थापित आदिवासियों को बंदोबस्ती पर दे दी. इसके कारण समय- समय पर विस्थापित और गैर विस्थापित आमने-सामने आ जाते हैं और उक्त भूखंड को लेकर अपना अपना दावा करते हैं. विगत वर्ष सेवानिवृत्त फौजी को भी चिलगु में जमीन बंदोबस्ती की गई थी. इसका विरोध विस्थापितों ने किया था. मामला कोर्ट भी पहुंचा था. इसके बाद सेवानिवृत्त फौजी की बंदोबस्ती रद्द कर दी गई थी. इस बीच दलमा वन्यप्राणी आश्रयणी वन विभाग के कर्मचारी भी चिलगु पुर्नवास स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं और उसी भूखंड को वन विभाग की भूमि होने का अंदेशा जता रहे हैं.

अपराधियों को राज्य सरकार से संरक्षण प्राप्त है : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में अपराधियों को राज्य सरकार से सरंक्षण प्राप्त है. ट्वीट कर कहा है कि हत्या और अपराध जैसी घटनाएं रुकने की जगह और तेजी से बढ़ती जा रही हैं, जिससे आए दिन झारखंड के परिवारजनों को अपनी जान तक गंवानी पड़ रही है. ट्वीट में आगे लिखा है कि प्रदेश में अपराध एक संक्रामक बीमारी की तरह फैल रहा है, जिससे कोई भी अछूता नहीं बचा है. मुख्यमंत्री और उनके साथियों को छोड़कर राजधानी रांची सहित पूरे प्रदेश की जनता इस संक्रामक बीमारी की चपेट में हैं. इसके बाद भी जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार अपराधियों का हौसला पस्त करने की जगह, उनको सरंक्षण और हिम्मत देकर आश्वस्त कर रही है.

नियुक्ति पर भी कसा तंज : बाबूलाल ने नियुक्ति को लेकर भी तंज कसा है. ट्वीट कर कहा है कि सीएम चाहते हैं कि नियुक्ति तय समय पर हो, लेकिन सीएम से समय तय ही नहीं हो पा रहा! आगे लिखा है कि हेमंत जी, ये बार-बार परीक्षा तिथि घोषित कर और फिर उसे टाल कर आप किसे बेवकूफ बना रहे हैं... जनता को, अधिकारियों को या खुद को? पिछले 5 सालों में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा की डेडलाइन तो नहीं आई, लेकिन आपकी सरकार की डेडलाइन समाप्त होने का समय जरूर आ चुका है.

दूसरे मुकाबले में झारखंड ने गुजरात को 3-0 से हराया

रांची। दिल्ली के तेजस फुटबॉल मैदान में जारी 63वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम का दमदार प्रदर्शन दूसरे मुकाबले में भी जारी रहा. झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में गुजरात को 3-0 के अंतर से पराजित किया. झारखंड की ओर से नैना कुमारी, संजना उरांव और बबिता कुमारी ने एक-एक गोल कर झारखंड को दूसरे मुकाबले में बढ़त दिलाई. इससे पहले 6 अगस्त को हुए पहले मुकाबले में भी झारखंड की बालिका टीम ने मेजबान दिल्ली 7-0 से बड़ी शिकस्त देकर शानदार शुरुआत की थी. एक के बाद एक मुक़ाबले में झारखंड के दमदार प्रदर्शन पर राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के माननीय मंत्री बैद्यनाथ राम, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, टीम मैनेजर बिंदु कुजूर समेत खेल कोषांग के सभी पदाधिकारियों ने टीम को बधाई दी.

मतदाता सूची में योग्य नागरिकों का नाम निबंधित होना अनिवार्य : आयुक्त

संवाददाता। लातेहार

पलामू प्रमंडलीय आयुक्त (कमिश्नर)-सह-मतदाता सूची प्रेक्षक बाल किशुन मुंडा ने लातेहार जिले के 73 मनिका एवं 74 लातेहार विधानसभा क्षेत्र में चल रहे मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2024 के कार्यों एवं गतिविधियों की समीक्षा की. इससे पहले उपायुक्त गरिमा सिंह ने बुके भेंट कर आयुक्त का स्वागत किया. लातेहार समाहरणालय सभागार में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया.

उन्होने काह कि हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में निबंधित होना अनिवार्य है. उन्होने मतदाताओं द्वारा मतदाता सूची में नाम निबंधित, संशोधित एवं विलोपित करने संबंधी प्राप्त प्रपत्रों के आंकड़ों के अद्यतन जानकारी ली और इसका त्वरित निष्पादन करने का निदेश दिया. स्वच्छ व त्रुटिरहित मतदाता सूची का बनाने को ले कर उन्होने कई निर्देश दिये. उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है. आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है. निर्वाचन आयोग द्वारा सभी मतदाताओं का फोटोयुक्त रंगीन मतदाता पहचान पत्र निर्गत किये जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है. किसी भी चुनाव में मतदान करने के लिए मतदाता का नाम संबंधित मतदान केंद्र की मतदाता सूची में निबंधित होना अनिवार्य है. उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी एवं समाज के जागरूक व्यक्तियों द्वारा समन्वय के साथ कार्य किये जाने से कोई भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में निबंधित होने से वंचित नहीं रहेगा.

आयुक्त को बुके देकर सम्मानित करतीं डीसी

संवेदक ने सड़क निर्माण के लिए विलेज कैनाल को काटा

संवाददाता। सतबरवा(पलामू)

सड़क बनाने के नाम पर विलेज नहर को संवेदक ने पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है, इससे सैकड़ों एकड़ भूमि सिंचाई से वंचित हो जायेगा , इसकी जांच कर कार्रवाई करें । उक्त बातें मंगलवार को डीसी को आवेदन देते हुए उप प्रमुख कामाख्या नारायण यादव ने कही। उप प्रमुख ने बताया कि 21 फरवरी को पांकी विधायक ने धावाडीह से लोहड़ी बस्ती तक करीब एक करोड़ की लागत से सड़क निर्माण की आधारशिला रखी थी.संवेदक ने सड़क निर्माण में मिट्टी के भरावट के लिए बगल से गुजरी विलेज नहर का बांध काट कर सड़क निर्माण में डाल दिया. बांध का मिट्टी काटे जाने का विरोध कई ग्रामीणों ने किया था, दबंग संवेदक ने किसी की बात नहीं सुनी और नहर के मिट्टी काटने का सिलसिला जारी रहा.उप प्रमुख ने बताया कि पूर्व से सिंचाई के लिए बने विलेज कैनाल को ध्वस्त कर दिया गया. यह विलेज कैनाल धावाडीह,रेवारातू और लोहड़ी समेत पांच गांव के किसानों के लिए वरदान था. इस कैनाल से सैकड़ों एकड भूमि सिंचित होती है. उप प्रमुख कामाख्या नारायण यादव ने कहा कि लाख मना करने के बावजूद संवेदक के द्वारा नहर पूरी तरह बर्बाद कर दिया. पंसस की बैठक में इस मामला को उठाया गया था. सीओ कृष्ण मुरारी तिर्की तथा एरिगेशन विभाग से भी जांच की मांग की गई थी, परंतु किसी ने इस पर संज्ञान नहीं लिया.

काटा गया विलेज कैनाल.

खास बातें

- बांध की मिट्टी काटे जाने का ग्रामीणों ने किया विरोध
- उप प्रमुख ने डीसी से जांच कर कार्रवाई की मांग की

पेज एक का शेष

अंतरिम कार्यवाहक पद की...

हसीना थोड़े और समय के लिए दिल्ली में रहेंगी : सजीब : बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अपना देश छोड़कर भारत आईं शेख हसीना थोड़े और समय के लिए दिल्ली में रहेंगी. हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने यह जानकारी दी. हसीना सोमवार को दिल्ली के निकट स्थित वायुसेना के हिंडन स्टेशन पहुंची थीं. बाद में उन्हें कड़ी सुरक्षा के तहत दिल्ली में एक सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है. हसीना के साथ उनकी बहन शेख रेहाना भी हैं. किसी तीसरे देश से शरण मांगने की हसीना की योजना के बारे में जॉय ने कहा कि ये सभी अफवाहें हैं. उन्होंने अभी इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है. वह कुछ और समय के लिए दिल्ली में ही रहेंगी.

बहादुर बच्चों ने देश को कराया आजाद : खालिदा जिया : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने अस्पताल से अपना संदेश जारी किया है. उन्होंने कहा कि जिन्होंने मेरे स्वास्थ्य और आजादी के लिए प्रार्थना की, उन सभी को धन्यवाद है. जिया ने आगे कहा कि हमारे बहादुर बच्चों के प्रयासों से देश आजाद हुआ है. इस जीत ने हमें एक नई शुरुआत दी है. हमें लंबे समय से चले आ रहे भ्रष्टाचार के ढेर से एक समृद्ध बांग्लादेश बनाना है. खालिदा जिया ने आगे कहा कि छात्र और युवा, हमारे देश के भविष्य हैं. हम उन सपनों को साकार करेंगे, जिसके लिए उन्होंने अपना खून बहाया. जिया ने कहा कि हमें सैकड़ों शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए.

ढाका में मौजूद भारतीय उच्चायोग लगातार कार्यरत : बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग में गैर-जरूरी सेवाओं में कार्यरत कर्मी और उनके परिवार के सदस्य बुधवार की सुबह भारत लौट आए. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग लगातार कार्यरत है और वहां कार्यरत सभी भारतीय राजनयिक ढाका से ही काम कर रहे हैं. सिर्फ गैर-जरूरी सेवाओं में काम कर रहे कर्मी और उनके परिवारवाले विशेष विमान से स्वदेश लौटे हैं. इस बीच एअर इंडिया और इंडिगो ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका के लिए विशेष उड़ानें संचालित कर बुधवार की सुबह 400 से अधिक लोगों को भारत लाया है.

कैबिनेट की बैठक में लिये गये अन्य निर्णय

- मुख्यमंत्री अस्पताल एकल्प योजना के लिए गाइडलाइन बनी. राज्य और जिला स्तर पर समिति गठित होगी.
- राज्य अंतर्गत सभी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल आदि का उन्नयन किया जाएगा.
- दूसरे चरण में सभी अनुमंडल एवं सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन होगा.
- झारखंड राज्य अंतर्गत नर्सिंग संस्थान क्षेत्र के नामांकन प्रबंधन के नियम 2023 में संशोधन किया गया है.
- सभी सीटों में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत न्यूनतम अंक लाना अनिवार्य किया गया है.
- 2021 से अनुपस्थित चल रहीं सदर अस्पताल खूंटी की चिकित्सक डॉ नीलम को सेवा से बर्खास्त किया गया.
- कोडरमा और चाईबासा जिला में 100-100 बेड के अस्पतालों के लिए पदों का सृजन होगा.
- वनरक्षी के 1553 पदों का प्रत्यापन करते हुए प्रधान वनरक्षी के 1315 पद इस सृजन की स्वीकृति दी गई.
- कृषि अधीनस्थ सेवा की कर्मियों को प्रथम एसीपी और सेकंड एसीपी वेतनमान स्वीकृति प्रदान की गई.
- बैंकों में सरकारी राशि और खाता खोलने और बैंकों के चयन करने संबंधित मापदंड तैयार किए गए. निदेशक कोषागार को सदस्य बनाया गया.
- दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्र में आरओबी निर्माण करने के लिए रेलवे और पथ निर्माण और दक्षिण पूर्व रेलवे और झारखंड सरकार के बीच होने वाले एमओयू की स्वीकृति दी गई.
- विश्व आदिवासी दिवस पर 9 और 10 अगस्त के दिन कार्यक्रम आयोजन करने के लिए नई दिल्ली की कंपनी एक्सिस कंसलटेंट को इवेंट आयोजन के लिए 7.49 करोड रुपए देने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की गई.

समीक्षा जिला परिषद सामान्य प्रशासन समिति की बैठक अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में हुई

82 पुरानी योजनाओं की जगह नई योजना का चयन करेगी जिला परिषद

संवाददाता। मेदिनीनगर

जिला परिषद सामान्य प्रशासन समिति की बैठक अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में हुई. संचालन कार्यपालक पदाधिकारी सह उपविकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने किया. बैठक में मुख्य रूप से 15वें वित्त आयोग अंतर्गत वित्तीय वर्ष-2020, 21, 22 एवं 23 में जिला परिषद द्वारा ली गयी योजनाओं की समीक्षा की गयी. इसमें बताया गया कि उपरोक्त वित्तीय वर्षों में ली गयी योजनाओं में 82 योजनाओं में कार्य शुरू नहीं किया गया है.

इन योजनाओं को रद्द कर इनकी जगह पर नई योजनाओं का चयन करने का फैसला लिया गया. बैठक में बताया गया कि हुसैनाबाद के डाक बंगला पर अवैध कब्जा के कारण राजस्व की वसूली नहीं हो पा रही है. इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया. इसके अलावे यह बात भी सामने आयी कि विश्रामपुर में जिला परिषद की भूमि पर दो वर्षों से पेयजल स्वच्छता विभाग का पाईप रखा हुआ है. यहां जिला परिषद की भूमि का कई लोग अतिक्रमण भी कर रहे हैं.

बैठक में इसकी स्थलीय जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने एवं जिला परिषद की भूमि की घेराबंदी चाहरदिवारी कराकर किये जाने का निर्णय लिया गया. बताया गया कि जिला परिषद की जिले की वैसी दुकानें जिनका अब तक आवंटन नहीं किया गया है, उन्हें प्रक्रिया के तहत आवंटित करने का निर्णय लिया गया है. कहा गया कि कोरोना काल के बाद से जिला परिषद कार्यालय में झंडोत्तोलन के दौरान पदाधिकारियों की उपस्थिति नहीं हो रही थी, लेकिन इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के झंडोत्तोलन के दौरान जिले के अधिकारी व पदाधिकारी उपस्थित होंगे. यहां झंडोत्तोलन 15 अगस्त को दिन के 10.45 बजे किया जायेगा. बैठक में जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह व सदस्यों में अरविंद सिंह, प्रमोद सिंह, रामलव चौरसिया, अमित जायसवाल, निधि सिंह, विजय रविदास, फिजाईल अहमद, खुशबू कुमारी, अंजू देवी, रूपवंती देवी, छोटन सिंह समेत जिला अभियंता, कनीय अभियंता समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

जिला पिरषद की बैठक में शामिल सदस्य व डीडीसी.

एक पहलू यह भी

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट (बी.ई.) के विश्लेषण से पता चलता है कि कुल 4,820,512 करोड़ रुपये के परिव्यय में से 109,920.95 करोड़ रुपये (बी.ई.) बच्चों के कल्याण के लिए आवंटित किए गए हैं. यही नहीं, पिछले वर्ष की तुलना में बाल बजट के समग्र आवंटन में भी वृद्धि हुई है. क्राई के विश्लेषण के अनुसार कुल बाल बजट आवंटन में 5,741.32 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 104,179.63 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 109,920.95 करोड़ रुपये हो गया है. बाल स्वास्थ्य के तहत सबसे महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के लिए फ्लेक्सीबल पूल में 2024-25 (बी.ई) में वृद्धि देखी गई है. इस वर्ष अनुमानित आवंटन 4,153.48 करोड़ रुपये है, जबकि 2023-24 (बीई) में यह 3,187.17 करोड़ रुपये था. सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के लिए आवंटन में लगभग 3.14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 (बीई) में 17,471.16 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 (बीई) में 18,020.00 करोड़ रुपये हो गया है, जो पूर्ण संख्या में 548.84 करोड़ रुपये की वृद्धि है. प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण), जिसे पहले मिड-डे मील के नाम से जाना जाता था, में बजटीय आवंटन 2023-24 (बीई) के 11,600 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 (बीई) में 12,467.39 करोड़ रुपये हो गया है. यानी 7.48 प्रतिशत की वृद्धि की गई है. समग्र शिक्षा अभियान का बजट 2023-24 (बीई) में 37,453.47 करोड़ रुपये से 0.12 प्रतिशत बढ़कर 2024-25 (बीई) में 37,500 करोड़ रुपये हो गया है, जो निरपेक्ष संख्या में 46.53 करोड़ रुपये की वृद्धि है. अल्पसंख्यकों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में 7.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 (बीई) में 1,065 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 (बीई) में 1,145.38 करोड़ रुपये हो गई है. हालांकि, अल्पसंख्यकों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति में बजट आवंटन में कटौती हुई है, जो 2023-24 (बीई) में 433 करोड़ रुपये से घटकर 2024-25 (बीई) में 326.16 करोड़ रुपये हो गया है. पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) के तहत आवंटन 2023-24 (बीई) में 4,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 (बीई) में 6,050 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2,050 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शाता है. यह 51.25 प्रतिशत की वृद्धि है.नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) के लिए आवंटन 2023-24 (बीई) में 5,486.50 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 (बीई) में 5,800 करोड़ रुपये हो गया है, जो 313.50 करोड़ रुपये की वृद्धि है. केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के लिए आवंटन 2023-24 (बीई) में 8,363.98 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 (बीई) में 9,302.67 करोड़ रुपये हो गया है, जो 938.69 करोड़ रुपये की वृद्धि है.मिशन वात्सल्य के लिए आवंटन 2024-25 (बीई) में 2023-24 (बीई) की तुलना में 1,472.17 करोड़ रुपये पर बरकरार रहा है. बच्चे किसी भी विकास संबंधी विमर्श के केंद्र में होने चाहिए, और हम आशा करते हैं कि आने वाले दिनों में जिस विकसित भारत की परिकल्पना की जा रही है, उसके केंद्र में बच्चों को रखा जाएगा.

> हालांकि, अल्पसंख्यकों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति में बजट आवंटन में कटौती हुई है, जो 2023-24 (बीई) में 433 करोड़ रुपये से घटकर 2024-25 (बीई) में 326.16 करोड़ रुपये हो गया है.

सुभाषित

श्रद्धाभक्तिसमायुक्ता नान्यकार्येषु लालसाः।
वाग्यताः शुचयश्चैव श्रोतारः पुण्यशालिनः॥

योग्य श्रोता वही है, जिनके पास श्रद्धा तथा भक्ति है, जिनका हेतु केवल ज्ञान प्राप्त करना है और कुछ भी नहीं तथा जिनका अपनी वाणी पर नियंत्रण है और जो मन से शुद्ध है. जिनमें ये गुण नहीं हैं, उन्हें योग्य श्रोता नहीं माना जा सकता.

'सुराज' के लिए प्रशांत का बिहार मंथन

विगत डेढ़ साल से पूरे बिहार को मथ रहे हैं प्रशांत किशोर. वह बिहार में आमूल-चूल परिवर्तन लाना चाहते हैं. वह अगले साल चुनाव लड़ेंगे और अभी से दावा है कि सरकार उनकी ही बनेगी. प्रशांत का रोडमैप तैयार है. जैसे, 2 अक्टूबर 2024 को वह पार्टी गठन की घोषणा कर देंगे. मान कर चलें कि पार्टी का नाम जनसुराज पार्टी ही होगा. आखिरी वक्त में कुछ बदल जाए तो कहा नहीं जा सकता. सियासत की बेहद सर्पीली गलियों में उनका यह दावा कितना सटीक बैठेगा?

• देश-काल

आनंद सिंह

चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर बिहार को मथ रहे हैं. वह लोगों से लगातार संवाद कर रहे हैं. पदयात्रा कर रहे हैं. लोगों को बता रहे हैं कि राजनीति क्या है और उसे कैसे करना है? इतना ही नहीं, वह लोगों को यह भी बता रहे हैं कि कैसे 2025 में वह सभी 243 सीटों पर जन सुराज के उम्मीदवार उतारेंगे, कैसे 75 मुसलमानों को टिकट देंगे, कैसे वह चुनाव जीतेंगे और कैसे फिर बिहार का भाग्य बदलने का प्रयास करेंगे. एक सांस में आप इसे पढ़ जाएं तो लगेगा कि कुछ बड़ा होने वाला है, लेकिन दूसरे ही पल आपके चेहरे पर एक मुस्कान तैर जाएगीः अच्छा, तो ये बिहार को बदलने चले हैं... ! प्रशांत किशोर को हल्के में लेने वाले हल्के में ही लेंगे, जो उन्हें गंभीरता से लेते हैं, वे गंभीरता से ही लेंगे. वह यानी प्रशांत किशोर मूलतः गंभीर हैं और लोकसभा चुनाव में अपनी डेंट लगी छवि को सुधारने में भी जुटे हुए हैं. उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि एनडीए को 400 प्लस सीटें आएंगी. नहीं आईं. सियासत की नब्ज पर हाथ धरने वालों ने उन्हें जम कर कोसा. फब्तियां कसीं. जो नहीं बोलना था, वह भी बोले. प्रशांत किशोर ने इसे बहुत हल्के में लियाः गलत फैसले को नहीं, जनता की राय को. उन्होंने एक टीवी चैनल पर आकर बाकायदा इसके लिए अफसोस व्यक्त किया.

अगर लोकसभा चुनाव के गलत निर्णय (सीटों को लेकर) वाली बात अभी भी आपके मन में है, आप उन्हें एक हल्का शख्स समझते हैं तो यह लेख आपके लिए नहीं. बेहतर हो कि आप कोई दूसरा काम करें. यह लेख उनके लिए है, जो प्रशांत किशोर में उम्मीद देखते हैं. जो यह मान कर चलते हैं कि यह आदमी लोगों को सही रास्ते पर लेकर आएगा. मैं उन्हें इसी रूप में देखता हूं. सवाल मेरे भी मन में हैं, लेकिन उन पर चर्चा फिर कभी. प्रशांत किसी भी स्थान पर जनसभा की शुरुआत में कहते हैं- नमस्कार. मेरा ही नाम प्रशांत किशोर है. मोदी जी की सरकार बनाने में एक कंधा मेरा भी था. मैंने रणनीति बनानी छोड़ दी है. मैं बिहार का कर्ज उतारने आया हूं आदि-आदि. इसके बाद वह किसी शिक्षक की तरह एकदम सरल शब्दों में अपने उद्देश्यः बिहार कैसे बदलेगा, वोटरों को क्या करना चाहिए, जनसुराज पार्टी का गठन कब होगा, उनकी भूमिका क्या होगी, नेता कौन होगा, चुनाव कौन लड़ेगा, मुसलमानों की क्या भूमिका होगी आदि पर अपनी बात रखते हैं. वह हर इंसान को सीधे-सीधे उसके परिवार से जोड़ते हैं. बताते हैं कि आप उन बच्चों के लिए क्या कर रहे हैं, जो आपके हैं. वह करारा प्रहार भी करते हैं. जैसे, एक स्थान पर वह कहते हैं- आपको मोदी जी का पांच किलो अनाज चाहिए. आपको रोजगार नहीं चाहिए. साल भर में 6000 रुपये और हर माह हर सदस्य के नाम पर पांच किलो अनाज. आप इसी में खुश हैं. यही सब देख कर आप हर विधानसभा-लोकसभा चुनाव में मोदी जी के नाम पर कमल फूल पर वोट देकर जिताते आए हैं. जिताते रहिए. इस जीत से कुछ होने वाला नहीं. बिहार तो हर बार हार रहा है. बिहार को स्पेशल राज्य का दर्जा नहीं मिला. स्पेशल पैकेज भी नहीं मिला. अब तो डबल इंजन की सरकार है. अब तो सब साफ-सुथरा हो जाना चाहिए था. अब क्यों नहीं हो रहा है? चंद्रबाबू नायडू को कितना मिला और नीतीश जी को कितना मिला, अखबार पढ़ लीजिए. आप लोग जब कसमें खा लिए हैं कि सोना है, जागना नहीं है तो प्रशांत किशोर आपको थोड़े जगा पाएगा... आप लोग सोते रहिए. जिनको जागना है, वे जाग जाएंगे. जिनके नसीब में सोना है, वे सोते ही रह जाएंगे. कई पत्रकारों ने कई मौकों पर प्रशांत किशोर से विभिन्न मुद्दों पर बात की. उनके अनुसार, प्रशांत का रोडमैप तैयार है. जैसे, 2 अक्टूबर 2024 को वह पार्टी गठन की घोषणा कर देंगे. मान कर चलें कि पार्टी का नाम जनसुराज पार्टी ही होगा. आखिरी वक्त में कुछ बदल जाए तो कहा नहीं जा सकता. यह भी तय है कि वह इस पार्टी में कोई पद नहीं लेंगे. वह चुनाव भी नहीं लड़ेंगे. वह नेता भी नहीं बनेंगे. वह पार्टी के एक सूत्रधार की भूमिका में होंगे. वह लोगों से कह रहे हैं कि आपका प्रजेंस ऑफ माइंड सही है तो आप हमारे पास आइए. हम आपको अपने खर्च पर नेता बनाएंगे. नेता के पहले योग्य नागरिक बनाएंगे. आपको बेहतर इंसान बनाएंगे. आपको सरकारी नीतियों से परिचित कराएंगे. और, अच्छी बात यह है कि जनता पर उनकी बातों का बहुत असर हो रहा है. लोग घरों से निकलने लगे हैं. क्या हिंदू और क्या मुसलमान. क्या नेता, क्या अभिनेता. क्या लड़के, क्या लड़कियां. सब जुट रहे हैं प्रशांत किशोर के साथ. अभी कर्पूरी ठाकुर की पोती ने उन्हें ज्वाइन किया. कुछ अर्सा पहले भोजपुरी फिल्मों की एक अभिनेत्री भी उनके साथ जुड़ चुकी है. मान कर चलें, 2 अक्टूबर को उनके साथ नामी-गिरामी लोग भी जुड़ेंगे. दरअसल, बिहार की बदहाली लोगों को बताने में और उसकी काट खोजने में प्रशांत सिद्धहस्त हैं. वह गांधी जी को मानने वाले हैं और जनसुराज के बैनर पर बाईं तरफ सिर्फ और सिर्फ गांधी जी की ही फोटो लगती है. और किसी की नहीं. पीके की भी नहीं. तो, समझना यह होगा कि प्रशांत जिस बिहार में एक संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, वह उसमें सफल हो पाएंगे कि नहीं? नीतीश, लालू, तेजस्वी को एक ही लाठी से हांकने वाले पीके मोदी को भी नहीं बख्शते और न ही अमित शाह को. वह जनता को भी उलाहना देने से बाज नहीं आते (और कई बार फटकारने से भी) कि आप लोग ही सो गए तो बिहार सो गया. यह भी देखने वाली बात होगी कि 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी का प्रदर्शन कैसा रहता है, हालांकि उन्होंने दावा किया है कि वह दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बना लेंगे. बाकी, देखते जाइए कि आगे-आगे होता है क्या... !

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अपक्व सामग्री और पकवान

एक लड़की अपनी मां के पास आकर अपनी परेशानियों का रोना रो रही थी. वह परीक्षा में फेल हो गई थी. सहेली से झगड़ा हो गया. मनपसंद ड्रेस प्रेस कर रही थी, वह जल गई. रोते हुए बोली, "मम्मी, देखो न, मेरी जिन्दगी के साथ सब कुछ उलटा-पुल्टा हो रहा है." मां ने मुस्कराते हुए कहा, यह उदासी और रोना छोड़ो, चलो मेरे साथ रसोई में, "तुम्हें आज तुम्हारी मनपसंद दाल कचौड़ियां खिलाती हूँ." लड़की का रोना बंद हो गया और हंसते हुए बोली, "दाल कचौड़ियां तो मेरा प्रिय व्यंजन है. कितनी देर में बनेगी?", कन्या ने चहकते हुए पूछा. मां ने सबसे पहले मैदे का डिब्बा उठाया और प्यार से कहा, "ले पहले मैदा खा ले." लड़की मुंह बनाते हुए बोली, "इसे कोई खाता है भला." मां ने फिर मुस्कराते हुए कहा, "तो ले सौ ग्राम दाल ही खा ले." फिर नमक और मिर्च मसाले का डिब्बा दिखाया और कहा, "लो इसका भी स्वाद चख लो." "मां!! आज तुम्हें क्या हो गया है? जो मुझे इस तरह की चीजें खाने को दे रही हो?" मां ने बड़े प्यार और शांति से जवाब दिया, "बेटा!! कचौड़ियां इन सभी अरोचक चीजों से ही बनती हैं और ये सभी वस्तुएं मिल कर, पक कर ही कचौड़ी को स्वादिष्ट बनाती हैं. अपक्व सामग्री के समायोजन से ही पकवान बनता है. मैं तुम्हें बताना चाह रही थी कि "जिंदगी का पकवान" भी इसी प्रकार की अप्रिय घटनाओं से परिपक्व बनता है. फेल हो गई हो तो इसे चुनौती समझो और मेहनत करके पास हो जाओ. सहेली से झगड़ा हो गया है तो अपना व्यवहार इतना मीठा बनाओ कि फिर कभी किसी से झगड़ा न हो. यदि मानसिक तनाव के कारण "ड्रेस" जल गई तो सदैव ध्यान रखो कि मन की हर स्थिति परिस्थिति में अविचलित रहो. बिगड़े मन से काम भी तो बिगड़ेंगे. कार्यकुशल बनने के लिए मन के चिंतन को विवेक-कुशल बनाना अनिवार्य है. कच्चे अनुभवों के बूते पर ही जीवन चरित्र परिष्कृत और परिपक्व बनता है. जीवन के उतार चढाव ही संघर्ष को उर्जा प्रदान करते हैं. एक बुरा अनुभव आगामी कितने ही बुरे अनुभवों से बचाता है. गलतियां विवेक को सजग रखती है. बुरे अनुभवों से मायूस होकर बैठना प्रयत्न के पहले ही हार मानने के समान है. हमेशा दुरूह मार्ग ही, दुर्गम लक्ष्य का संधान करवाता है. इसलिए कभी भी विपरीत घटनाओं और परिस्थितियों को देख कर ठिठक जाना अच्छी बात नहीं होती. प्रतिकूल परिस्थितियों से प्रेरणा लेकर आगे कदम बढ़ाना चाहिए. एक समय ऐसा भी अवश्य आएगा, जब प्रतिकूल परिस्थितियां स्वयं ही अपना हथियार डाल देंगी.

शांति से कब तक दूर रहेगा पश्चिम एशिया

• देशांतर

प्रमोद जोशी

एक तरफ इसराइली प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी संसद में जाकर घोषणा की है कि गाजा में लड़ाई जारी रहेगी, वहीं फलस्तीनियों की दृष्टि से अच्छी खबर यह है कि उनके दो सबसे महत्वपूर्ण गुटों हमास और फतह के बीच गाजा में 'सुलह सरकार (यूनिटी गवर्नमेंट)' बनाने पर सहमति हो गई है. यह सहमति 14गुटों के बीच हुई है, पर इन दो गुटों ता एक-दूसरे के करीब आना सबसे महत्वपूर्ण हैं. सुलह इसलिए मायने रखती है, क्योंकि आने वाले समय में यदि विश्व समुदाय 'टू-स्टेट समाधान' की दिशा में आगे बढ़ा, तो वह कोशिश इन गुटों के आपसी टकराव की शिकार न हो जाए.फिर भी इस समझौते को अंतिम नहीं माना जा सकता. इसमें कई किंतु-परंतु हैं, फिलहाल यह फलस्तीनियों की आंतरिक एकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है. यह सहमति चीन की मध्यस्थता से हुई है, इसलिए इसे चीन की बढ़ती भूमिका के रूप में भी देखना होगा. पश्चिम एशिया में चल रही इस तनातनी के बीच चीन के विदेशमंत्री वांग यी ने 23 जुलाई को 14 फलस्तीनी गुटों बीच समझौते की जानकारी देते हुए कहा कि चीन 'पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता की स्थापना में रचनात्मक भूमिका निभाएगा.' इस 'बीजिंग घोषणा' पर दस्तखत होने के बाद वांग ने कहा, बेशक यह फलस्तीनी गुटों का आंतरिक मामला है, लेकिन सुलह-सरकार की स्थापना अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समर्थन के बिना हासिल नहीं हो सकेगी. एक तरफ बीजिंग में यह समझौता हुआ, वहीं उसके अगले रोज 24 जुलाई को वॉशिंगटन में बिन्यामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी संसद में एक तीखे भाषण में युद्ध को न केवल सही बताया, बल्कि उन अमेरिकी प्रदर्शनकारियों की निंदा की, जिनके दबाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसदों ने उनके भाषण का बहिष्कार किया था. उस दिन हजारों प्रदर्शनकारियों ने कैपिटल हिल में बाहर डेरा डाला था. भीतर नेतन्याहू ने 'पूर्ण विजय' तक लड़ाई युद्ध जारी रखने की कसम खा रहे थे. हाल में इजराइली संसद ने एक प्रस्ताव पास करके फलस्तीनी राज्य की स्थापना को सिरे से खारिज कर दिया है. इजराइल ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह गाजा को भी खाली नहीं करेगा. यानी कि लड़ाई खत्म हो भी गई, तब भी इजराइली सेना वापस नहीं होगी. जटिलताएं बहुत ज्यादा हैं और समाधान की खिड़की बहुत छोटी है. फिर भी बीजिंग समझौते का महत्व है और इसका स्वागत होना चाहिए. ग्लोबल राजनीति का यह नया अध्याय है, जिसमें चीन अपने महत्व को स्थापित करना चाहता है. दूसरी तरफ अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने आने वाले कुछ समय के लिए इस इलाके के लिए जो योजना बनाई है, उसके केंद्र में गाजा में विदेशी सेना तैनात करने की बात है, जिसे फलस्तीनी समूह अब फलस्तीनियों की गुटबाजी की तरफ आएं. हमास और फतह तब से कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं, जब 2006 के चुनावों में हमास की शानदार जीत की बेला में हुए घातक संघर्षों के बाद इस्लामवादी हमास ने 2007 में गाजा पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया था और फतह को खदेड़ दिया.तबसे वहाँ उसका शासन है. दूसरी तरफ सेक्युलर संगठन फतह फलस्तीनी प्राधिकरण को नियंत्रित करता है, जिसका इसरायल के कब्जे वाले जॉर्डन नदी के पश्चिमी तट पर आंशिक प्रशासनिक नियंत्रण है. फलस्तीनी गुटों के लिए नया समझौता वास्तविक संयुक्त मोर्चा बनाने की तुलना में फौरी तौर पर राजनीतिक प्राथमिकताओं की ओर इशारा कर रहा है. इन दो समूहों में हमास का अमेरिका से संपर्क शून्य है, जबकि अमेरिका की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. इन गुटों के आंतरिक वैचारिक मतभेद क्या दूर हो गए हैं? अमेरिका क्या नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव के पहले कुछ कर पाएगा? फलस्तीनियों का इजराइल के साथ संवाद या सहयोग संभव होगा? इन तीन सवालों का जवाब मिल जाने के बाद स्वाभाविक रूप से चौथा सवाल होगा कि क्या चीन इस मामले में मध्यस्थता कर सकेगा? मध्यस्थता वही कर सकेगा, जिसपर दोनों पक्ष भरोसा करेंगे. इजराइल पर चीन का प्रभाव पहले से ही बहुत कम है, फिर 7अक्टूबर के बाद से चीन ने इजराइल की निंदा की है और फलस्तीनियों का पक्ष लिया है, जिससे यह दूसरी बढ़ी है. जब फलस्तीनी गुट चीनी विदेश मंत्री वांग यी के माध्यम से आपसी बातचीत में लगे थे, तब नेतन्याहू राष्ट्रपति बाइडेन से मिलने और अमेरिकी संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के लिए वाशिंगटन रवाना हो रहे थे, कम से कम फलस्तीनियों का विश्वास जीतने में चीन जरूर सफल हुआ है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> इजराइल ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह गाजा को भी खाली नहीं करेगा. यानी कि लड़ाई खत्म हो भी गई, तब भी इजराइली सेना वापस नहीं होगी. जटिलताएं बहुत ज्यादा हैं और समाधान की खिड़की बहुत छोटी है. फिर भी बीजिंग समझौते का महत्व है और इसका स्वागत होना चाहिए. ग्लोबल राजनीति का यह नया अध्याय है, जिसमें चीन अपने महत्व को स्थापित करना चाहता है.

जाति जनगणना का खतरा कितना बड़ा

• सामयिकी

रविंद्र पटवाल

2014 से 2024 तक फिर से तीन दशक बाद पहली बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल रही, जो यूपीए की तुलना में सीधे-सीधे बड़ी एकाधिकार पूंजी की सेवा कर पाने में सक्षम साबित हुई. एक तरफ हिन्दुत्वादी नैरेटिव को चलाकर समाज और राजनीतिक परिदृश्य में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण को निरंतर बढ़ाया गया, अपने विकल्प में मौजूद कांग्रेस के रहे-सहे वजूद को खत्म करने का अनथक प्रयास कर भाजपा/आरएसएस के लिए 2047 तक का विजन तैयार किया गया, वहीं दूसरी तरफ क्रोनी कैपिटल के लिए खुले हाथों से देश के संसाधनों की लूट और छोटे-मोटे पूंजीपतियों तक को बुलडोज होते देखा गया. इसे हिन्दुत्ववादी राजनीति का कौशल ही कहना चाहिए कि जिस राजनीतिक शक्ति ने मंडल-1 का सबसे मुखर विरोध किया था, उसी ने राम मंदिर, कांवड़ यात्रा, गौ-रक्षा अभियान जैसे तमाम अभियानों में बड़ी संख्या में देश के ओबीसी, दलितों और आदिवासियों को अपने पक्ष में गोलबंद कर लिया था, जिसका बड़ा लाभ उसे 2014 और उसके बाद अभी तक हासिल हो रहा था. अपनी वैचारिकी को देश पर प्रतिष्ठापित करने के लिए संघ और भाजपा में पर्याप्त लचीलापन था, जिसे विभिन्न राज्यों में ओबीसी मुख्यमंत्रियों के तौर पर देखा गया, लेकिन 2014 के बाद तो जैसे सब कुछ बदल गया था, हालांकि पीएम मोदी के नेतृत्व में भी दलित, पिछड़े और आदिवासी पृष्ठभूमि के किसी व्यक्ति को बड़े संवैधानिक पदों पर आसीन कराकर क्रोनी पूंजी की सेवा का काम बदस्तूर जारी रहा, जिसे अंततः 4 जून के चुनाव परिणामों में एक झटका जरूर लगा है. यह झटका अनायास नहीं है. 35 वर्षों के आरक्षण समर्थन-विरोध के समानांतर हिंदुत्व की राजनीति में ऊभ-चूभ होने के बाद बहुसंख्यक भारतीय खुद को पहले से कहीं अधिक लुटा-पिटा पा रहा है. इस बीच में न जाने कितने सावन, वसंत और पतझड़ आये और चले गये. गांव में हल-बैल की जगह ट्रैक्टर, डीजल, खाद और कीटनाशकों ने ले ली, दलित और पिछड़े समाज को शहरी मजदूर बनने के लिए पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा. सरकारी शिक्षा का स्तर गिरता चला गया, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सरकार की बजाय निजी स्कूलों और नर्सिंगहोम का मुंह देखना पड़ रहा है. आरक्षण है, लेकिन रोजगार ही सरकार ने खत्म कर दिए हैं, या लेटरल एंट्री ने स्थानापन्न कर दिया है. संवैधानिक पदों पर भले ही दलित या पिछड़े को प्रतिनिधित्व दिया गया है, लेकिन दलित की बेटी की अस्मत लुटने पर थाने में सुनवाई नहीं हो रही है. ये वे मुद्दे हैं, जिनसे दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक आबादी ही नहीं, आम गरीब सवर्ण भी जूझ रहा है. लेकिन बड़ी पूंजी और हिंसक प्रतिक्रियावादी शक्तियों का राजनीति, समाज, मीडिया और सोशल मीडिया में इतना तगड़ा दबदबा बन चुका था कि दिन के उजाले में भी इनके लिए घुप अंधकार काल था. इस काल को भी जब अमृत काल कहा गया तो किसी के पास भी सच बात कहने की हिम्मत नहीं थी. राहुल गांधी, जो दो-दो चुनाव में तगड़ी चोट खाकर बीजेपी की आईटी सेल द्वारा पप्पू घोषित किये जा चुके थे, कांग्रेस के भीतर के पॉवर के इर्द-गिर्द मंडराने वालों के भी निशाने पर बने हुए थे. एक तरफ कांग्रेस मुक्त भारत के मोदी के सपने को चुनौती देने की जिम्मेदारी थी, जिसे कांग्रेस के भीतर बने रहकर कर पाना असंभव होता जा रहा था, जिसे राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा के जरिये तोड़ा, अपने लिए और साथ ही कांग्रेस के लिए एक राह तलाशी, जिसका लाभ उन करोड़ों लोगों को भी मिला, जिनकी आवाज पिछले कई वर्षों से घुट रही थीं. जाति जनगणना के माध्यम से राहुल गांधी क्या हासिल करना चाहते हैं? आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी की बात सबसे पहले लोहिया ने उठाई थी. लोहिया की समूची राजनीति कांग्रेस विरोध पर टिकी हुई थी. ऐसा कहा जाता है कि आरएसएस को वैधता प्रदान करने में यदि सबसे बड़ा हाथ किसी का है, तो वह जय प्रकाश नारायण और उसके बाद लोहिया और उनके बाद उनके कार्यकर्ताओं का रहा है. क्या हिस्सेदारी की बात उठाकर राहुल गांधी ने एक बड़े झंझावात को खड़ा करने का मन बना लिया है?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> 35 वर्षों के आरक्षण समर्थन-विरोध के समानांतर हिंदुत्व की राजनीति में ऊभ-चूभ होने के बाद बहुसंख्यक भारतीय खुद को पहले से कहीं अधिक लुटा-पिटा पा रहा है. इस बीच में न जाने कितने सावन, वसंत और पतझड़ आये और चले गये. गांव में हल-बैल की जगह ट्रैक्टर, डीजल, खाद और कीटनाशकों ने ले ली.

मीडिया में अन्यत्र

दंगों की आग में झुलस रहे ब्रिटेन के कई शहर

कभी भारत समेत दुनिया पर शासन करने वाला द ग्रेट ब्रिटेन इन दिनों बर्निंग ब्रिटेन बन चुका है. ब्रिटेन के कई शहर दंगों की आग में झुलस रहे हैं. वहां रहने वाले लोग भी कह रहे हैं कि अब इस देश को पहचानना मुश्किल हो गया है. साउथ पोर्ट शहर में एक सप्ताह पहले तीन बच्चियों की हत्या के बाद शुरू हुआ बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा. जिस नाबालिग ने डांस क्लास में चाकू से हमला करके तीन लड़कियों की हत्या की, उसकी पहचान रवांडा मूल के एक्सेल रूदाकुवाना के तौर पर हुई है. इस हत्याकांड के बाद अफवाह फैल गई थी कि हत्यारा नाबालिग मुस्लिम शरणार्थी है. सोशल मीडिया पर भी दावा किया गया कि रूदाकुवाना एक अप्रवासी मुस्लिम था, जो अवैध रूप से ब्रिटेन में आया था. यह खबर फैलते ही ब्रिटेन के अप्रवासियों के खिलाफ आक्रोश की लहर फैल गई. लीवरपूल, ब्रिस्टल, मैनचैस्टर, ब्लैकपूल और बेलफास्ट समेत कई शहरों में हिंसा शुरू हो गई. दक्षिणपंथी समूहों से झड़पों में कम से कम 100 लोगों को गिरफ्तार किया गया. तोड़फोड़, आगजनी और पथराव की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं. ब्रिटेन के लोगों का हिंसक आपराधिक व्यवहार बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन इस बार लोग ज्यादा ही आक्रोशित दिखाई दे रहे हैं. ब्रिटेन सरकार मुस्लिमों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है, वहीं मुस्लिम भी मस्जिदों में जाने से डर रहे हैं. पुलिस का दावा है कि हत्यारे का जन्म ब्रिटेन में हुआ और उसका परिवार ईसाई बताया जाता है. पिछले महीने जुलाई में भी लीड्स में दंगे हो गए थे तब पूरा बवाल एक चाइल्ड केयर एजैंसी और बच्चों को लेकर हुआ था. लोगों का आरोप था कि चाइल्ड केयर एजेंसी ने बच्चों को मां-बाप से अलग कर चाइल्ड केयर होम में रखा, जिससे लोग नाराज हो गए और विवाद एक बड़े दंगे में तब्दील हो गया. दंगों का आरोप अल्पसंख्यकों पर लगाया गया. दंगों का पाकिस्तान से कनेक्शन भी जोड़ा गया. आरोप है कि लंदन के मेयर सादिक खान जो मूल रूप से पाकिस्तानी है और लीड्स के मुस्लिम कौंसलर का अल्पसंख्यकों को समर्थन प्राप्त था. अब जबकि यह स्पष्ट हो चुका है कि नाबालिग हत्यारे का इस्लाम से कोई संबंध नहीं है लेकिन प्रदर्शनकारी सड़कों पर आकर "बस बहुत हो गया, हमारे बच्चों को बचाओ, नावों को रोको" आदि नारे लगा रहे हैं. लोग बार्डर बंद करने की मांग कर रहे हैं. विरोधी प्रदर्शनों के जवाब में नकाबपोश लोगों के गिरोह ब्रिटेन की सड़कों पर अल्लाहुअकबर कहते हुए घूम रहे हैं. इससे पता चलता है कि ब्रिटेन के लोगों में अप्रवासियों के खिलाफ कितना जबर्दस्त गुस्सा है. दरअसल दक्षिण अफ्रीका और खाड़ी देशों से भागकर लोग यूरोप पहुंच रहे हैं.

(पंजाब केसरी)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

डर/भय/आतंक/दहशत

रात के समय घर से अकेले निकलने में डर लगता है, लेकिन घर में तो भय का कोई कारण नहीं है. शहरों में अपराधियों का आतंक है तो गांवों में उग्रवादियों के कारण लोग दहशत में हैं. इन वाक्यों में डर, भय, आतंक और दहशत चार शब्दों का प्रयोग हुआ है. चारों शब्दों का आशय तो लगभग एक ही है, प्रयोग के दृष्टिकोण से इनके अर्थ में सूक्ष्म अंतर है. शब्दकोशों के अनुसार डर संस्कृत मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसका मतलब है बुरा होने की आशंका से उत्पन्न होनेवाला भाव, भय, खौफ, त्रास, अंदेशा, अनिष्ट की संभावना की मन में होनेवाली कल्पना, किसी बड़े व्यक्ति या बुजुर्ग से कुछ कहने में होने वाला संकोच, आशंका. भय संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसे डर, खौफ, खतरा आदि के रूप में महसूस किया जाता है. दहशत अरबी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका अर्थ है खौफ, डर, भय, आतंक. यानी दहशत का हिंदी में समानार्थी आतंक है, जो तत्सम संज्ञा पुल्लिंग है. इसका मतलब है भय, पीड़ा, ऐसा भय जिसमें निरंतर यह अनुभूति बनी रहे कि कहीं कोई अनहोनी न घट जाये, एक प्रकार मानसिक विकार, फोबिया. अब इन शब्दों के सूक्ष्म अंतर को इस रूप में समझा जा सकता है. जो अचानक से हो उसे डर कहते हैं, लेकिन जो पहले से ही मन में शंकित हो उसे भय कहते है. डर वह भावना है जो किसी व्यक्ति को तब महसूस होती है, जब उसे कोई खतरा महसूस होता है या वह उसे समझता है. डर शरीर को मनोवैज्ञानिक और शारीरिक रूप से कार्रवाई के लिए तैयार करता है. डर शब्द शरीर के साथ जुड़ा हुआ है. किन्तु भय वह है, जो मन से जुड़ा है. आतंक भय का एक विकसित रूप है और दहशत चरम. यह तब हो सकता है, जब किसी विध्वंक व्यक्ति या समूह के कारण कोई अप्रत्याशित और भयावह उत्तेजना सामने आती है.

भगवान को बिना मूंछ देखकर हुई ईर्ष्या

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

कुछ विद्वानों का कहना है कि एक महात्मा जी का प्रवचन चल रहा था. श्रोताओं में एक नवयुवक भी था. वह दिन में तीन बार शेव करता था. यानी सुबह-दोपहर और शाम. जैसे किसी डॉक्टर की बताई कोई दवा ले रहा हो, हर रोज दिन में तीन बार. उसको रेजर और ब्लेड साथ में ही हमेशा रखना पड़ता था. पता नहीं कहीं समय से घर ना लौट सके और कोई नाई भी समय से ना मिल सके. तब क्या करता ? महात्माजी मोक्ष्वादी और अमोक्ष्वादी पर प्रकाश डाल रहे थे. उनका कहना था कि मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्त करना ही है. नवयुवक ने प्रश्न किया की भगवान ने पुरुषों के साथ ऐसा क्यों किया? एक तो दाढ़ी रुपी जंगल दूसरे मोछ रुपी झाड़ी क्यों दिया? वहीं लडकियों को दोनों से मुक्ति दे दी. ऊपर से आप हमें एक और मोछ लेने के लिए उकसा रहे हैं. आखिर क्यों लें मोछ हम? हम लोग तो पहले ही एक मोछ पाकर परेशान हैं. शास्त्रार्थ बढ़ता गया. अंत में लड़का बोला नहीं चाहिये, नहीं चाहिये मोछ हमें बिल्कुल नहीं चाहिये. और जेब से रेजर एवं ब्लेड निकालकर वहीं सबके सामने मोछ छीलकर रख दी और बोला मुझे यह भी नहीं चाहिये और चलता बना. विभिन्न मत हैं, कहां तक बताएं ? कुछ लोगों का कहना है कि भगवान को बिना मूंछ, जानकर कुछ लोगों को इर्ष्या हुई. सभी लोग देखते ही हैं कि हर जगह भगवान बिना मूंछ के ही दिखाए जाते हैं. इससे कुछ लोगों को लगा कि बिना मूँछ के रहना तो अपने हाथ में ही है. क्यों न हम भी भगवान जैसे बनें? इनका भी खासा बड़ा दल था. इस दल में अधिकांश लोग ऐसे थे, जिनमें भगवान बनने या भगवान जैसे बनने की ही ललक थी. अगर भगवान बनना इतना ही आसान हो तो फिर देर किस बात की. कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि अमूंछ्वादी किसी ना किसी तरीके से मूंछों को उखाड़ फेकना चाहते थे. लेकिन कोई भी उपाय सूझ नहीं रहा था. कुछ समय बाद बड़े-बूढों को उन्हीं की गोली से मारने की एक तरकीब सूझ गयी. बड़े-बूढों को मूंछें बहुत प्यारी थीं, लेकिन कोई बात पड़ जाने पर अक्सर कहते थे कि अगर ऐसा न हुआ अथवा अगर ऐसा नहीं कर पाये तो मूंछें छिला दूंगा. यह उनके बात का प्रमाण होता था कि वे जी-जान से वह कार्य करके दिखा देंगे. और वे कर भी डालते थे. क्योंकि उन्हें अपनी मूंछें बचानी होती थी. मूँछों का मान -सम्मान उनका मान-सम्मान था. कुछ भी हो जाये, लेकिन मूंछें उखड़ना तो दूर नीची भी न होने पायें. कुछ लोग तो मूंछें बचाने के लिए जान भी दे सकते थे. लेकिन अमूंछ्वादियों का मकसद तो सिर्फ किसी ना किसी बहाने मूंछों को उखाड़ फेकना ही था. अतः वे बात-बात में शर्त लगाने लगे कि अगर ऐसा न कर सके अथवा ऐसा न हुआ तो अपनी मूंछें उखड़वा देंगे. कुछ तो कहते कि गधे की पेशाब से छिला देंगे. अब जिसका मकसद सिर्फ मूंछों से निजात पाना ही हो, वह चाहे गधे के पेशाब से छिलाये, चाहे पानी लगाके और चाहे वैसे ही उखाड़ फेके, क्या फर्क पड़ता है?

लाइफ लाइन

स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस

जितनी जल्दी होगी रोग की पहचान उतना ही इलाज होगा दुरुस्त

स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस एक प्रकार की गठिया है जिसकी पहचान दर्द व तमाम लक्षणों के बाद भी जांच में कई बार शुरुआती एक-दो साल में नहीं हो पाती. जबकि जितनी जल्दी इस रोग की पहचान होगी, उतनी ही जल्दी रोग पर नियंत्रण संभव होगा. ऐसी स्थिति में इस रोग के लक्षण और इसके इलाज संबंधी जानकारी बहुत मायने रखती है.

डॉ राजेश कुमार सिंह
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस आर्थराइटिस का एक प्रकार है. इस रोग के शुरुआती लक्षणों में कूल्हे आदि में दर्द, थकान आदि की शिकायत होती है. आमतौर पर इसकी तीव्रता धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआत में दैनिक काम काज या रुटीन पर अधिक फर्क नहीं पड़ता. यदि बुजुर्ग स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस से पीड़ित होते हैं तो उनमें इस तरह का दर्द होने के अलावा शरीर का आगे की ओर झुका हुआ पोश्चर भी स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस होने का संकेत करता है. चिकित्सक के पास दर्द आदि की शिकायत लेकर पहुंचने पर डॉक्टर पीड़ित के सेक्रोइलिएक जॉइंट में अकड़न और कूल्हों व कंधे को मूव कर पाने की क्षमता आदि के जरिए भी इस रोग की पहचान करते हैं. आंखों में लालपन और रक्त का जमाव, मुंह में छाले, त्वचा में लाल-गुलाबी निशान, पैर में घुटने के नीचे की हड्डी के बाजू वाले ही हिस्से (शिन्स), कूल्हों की ऊपरी व बाजू की त्वचा पर भी लाल-गुलाबी निशान आदि की भी चिकित्सक जांच करते हैं. इन सभी लक्षणों से रूमेटोलॉजिट आंतों में सूजन या दर्द फिर सोरायसिस नामक बीमारी का पता लगाने की कोशिश करते हैं जो अक्सर स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस के साथ ही पहचान में आती है.

इन टेस्ट से पकड़ में आता है स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस

इन शिकायत या लक्षणों के साथ चिकित्सक के पास जब पीड़ित पहुंचते हैं तो वे इसकी पुष्टि के लिए कुछ जांच करवाते हैं. इनमें कंपलीट ब्लड काउंट (सीबीसी), ईएसआर, सी-रीएक्टिव प्रोटीन की जांच शामिल है. इनके अलावा चिकित्सक कूल्हों व पेल्विस का एक्स-रे भी करवाते हैं. स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस होने पर पेल्विस के एक्स-रे में कुछ असामान्यता नजर आ सकती है. पीड़ित के रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर के कम रहने से उसका दर्द इंफ्लेटकरी प्रकृति का हो सकता है. कई बार ऐसा भी होता है कि रिपोर्ट बिल्कुल सामान्य आती है, लेकिन पीड़ित दर्द की शिकायत करता है. ऐसे में तमाम जांच को दो-तीन महीने बाद एक बार फिर रिपीट किया जाता है. फिर दोनों रिपोर्ट में अंतर की स्टडी की जाती है. दर्द व अन्य शिकायत के बावजूद कई बार जांच में सब कुछ नॉर्मल दिखता है और शुरुआती दो-चार साल में कोई भी बदलाव नहीं नजर आता.

यह है इलाज

स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस रोग की जितनी जल्दी पहचान होगी और जितना जल्दी इसका ट्रीटमेंट शुरू होगा, उतना ही अच्छा होता है. आमतौर पर इसके लिए दवाओं के साथ-साथ कुछ एक्सरसाइज की भी सलाह देते हैं. गर्दन, कूल्हे, कंधे, रीढ़ की हड्डी और लिंब जोड़ों को सक्रिय व गतिशील बनाए रखने के लिए कुछ शारीरिक व्यायाम की सलाह दी जाती है जिन्हें दिन-प्रतिदिन के जीवन में शामिल करना होता है. चिकित्सक सुविधा और शौक के अनुसार बैडमिंटन, टेनिस, साइकिलिंग, तैराकी, जिमिंग, नृत्य, एरोबिक्स आदि की भी सलाह दे सकते हैं. जहां तक दवाओं का सवाल है, पीड़ित को चिकित्सक नॉन स्टीयोरॉइड दवा लेने की सलाह दे सकते हैं जो उनके जोड़ों के दर्द और अकड़न से राहत दिलाए.

सेलेब्स डाइट सीक्रेट : रूपाली गांगुली

घर का सादा खाना है रूपाली के फिटनेस का राज

रूपाली गांगुली वर्सेटाइल एक्ट्रेस हैं जिन्होंने संजीवनी, साराभाई वर्सेज साराभाई जैसे आइकॉनिक शो में अपनी दमदार एक्टिंग से टीवी इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है. पिछले कुछ सालों से रूपाली टीवी के नंबर वन शो अनुपमा से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं. 47 साल की उम्र में भी रूपाली गांगुली अदाकारी के साथ फिटनेस और एनर्जी के लिए भी पहचान रखती हैं. आइए, इनके आहार और वर्कआउट के बारे में जानकारी हासिल करें-

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि रूपाली का वजन कभी 83 किलो वजन था. बॉडी शेमिंग का शिकार हुई थीं. फिर खुद को शेप में ढाल लिया. इसके लिए बेशक उन्होंने मेहतन और सयंम, दोनों को थामे रखा. सुबह योग स्पिन क्लास जैसे कॉर्डियो वर्कआउट करती हैं, नियमित योगा करती हैं. वहीं जंकफूड से दूर रह कर घर का बनाया सादा खाना खाती हैं. आइए, सुबह से रात तक उनके आहार की जानकारी लें.

दिन की शुरुआत रूपाली दो-तीन गिलास गर्म पानी से करती हैं. इसके बाद कुछ उबले अंडे और फल लेती हैं. नाश्ते में आमतौर पर ओट्स उपमा, स्प्राउट चना-मूंग, दलिया विद वेजिटेबल्स, खूब सारी सब्जियां दे कर बना पोहा और साथ में दही, उपमा आदि होता है. लंच में ग्रिल्ड सब्जियां, सलाद और फलियां खाती हैं. लंच में रोटी या चावल नहीं खातीं. शाम के स्नैक में आमतौर पर भुने चने, भुने मखाने, फ्रूट चाट आदि के साथ नारियल पानी, ग्रीन टी या फलों का रस लेती हैं. डिनर आमतौर पर शाम सात बजे तक कर लेती हैं. इसमें सिंपल दाल, रोटी और सब्जी शामिल होती है. रात में दस बजे तक सोने के लिए जरूर जाती हैं और पूरे आठ घंटे की नींद जरूर लेती हैं.

ओह, आह, आउच में कारगर हैं दादी मां के नुस्खे

जोड़ों का दर्द पहले बुढापे की दस्तक सा हुआ करता था, लेकिन आज कल उम्र में दूसरे-तीसरे दशक से ही लोग जोड़ों के दर्द की शिकायत करने लगे हैं. कई बार तो उठना-बैठना और रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो जाता है. ऐसे में चिकित्सक की सलाह और जांच के बाद बेशक दवाएं खाएं, लेकिन उससे पहले नानी-दादी के नुस्खे भी आजमाए जा सकते हैं. आइए, आज ऐसे ही कुछ नुस्खों की करें चर्चा-

- एक पैन में सरसों का तेल डालें और इसमें लहसुन की 8-10 कलियां डाल दें. अब इसे अच्छे से पकाएं. जब लहसुन काला हो जाए, तो कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें. अब इस गुनगुने गर्म तेल से जोड़ों की मालिश करें. सोने से पहले रोज ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आराम मिल सकता है.
- पिसी हुई मेथी सुबह-शाम गर्म पानी के साथ या साबुत भिगोने के बाद इसे चबाकर खाएं. इससे घुटने के दर्द में काफी राहत मिलेगी.
- गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी पाउडर मिलाएं और रात में सोने से पहले पी लें. इससे शरीर में कई दर्द और बीमारियों में राहत मिलती है.
- एलोवेरा जेल को दर्द वाली जगह पर अप्लाई करने से भी दर्द में राहत मिलती है. वहीं दर्द के साथ ही सूजन भी कम होती है.
- पिसी हुई मेथी सुबह-शाम गर्म पानी के साथ या साबुत भिगोने के बाद इसे चबाकर खाएं. इससे घुटने के दर्द में काफी राहत मिलेगी.
- सर्दियों में घुटनों के दर्द से छुटकारा पाने के लिए अदरक की चाय या अदरक का पानी पी सकते हैं. अदरक को पीसकर घुटनों में लगाने से भी दर्द में राहत मिलेगी.

मेनोपॉज एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिससे हर महिला को गुजरना होता है. कभी-कभी यह दौड़ महिलाओं के लिए कुछ कठिन हो जाता है. ऐसे में आहार में थोड़ी सी सजगता इस प्रक्रिया को आसान बना सकती है.

हॉट फ्लैश, नींद की कमी, मूड स्विंग्स?

डॉ मनीषा घई
सीनियर कंसल्टेंट डाइटीशियन

महिलाओं की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव मेनोपॉज है जिससे कभी न कभी हर महिला को गुजरना पड़ता है. बेशक यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, पर कई बार यह जर्नी बहुत आसान नहीं होती है. हार्मोन के साथ शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं, और वैसे ही प्रभावित होता है मन. हॉट फ्लैश, नींद की कमी, थकान, मूड स्विंग्स, वजन का बढ़ना, पाचन से जुड़ी दिक्कत इस जर्नी की आम समस्याएं हैं. सीनियर कंसल्टेंट डायटीशियन डॉ मनीषा घई बता रही हैं कि मेनोपॉज के दौर को किस तरह आसान किया जाए....

- उम्र के इस दौर में जोड़ों के दर्द की शिकायत रहती है. हेल्दी फैट्स के सेवन से इस समस्या से राहत मिल सकती है. इसके लिए परांठे, डोसे, इडली आदि के साथ तिल, तीसी और सूखे नारियल की चटनी का सेवन करें. अखरोटे, मछली आदि का सेवन भी राहत देगा.

- अपनी थाली में दाल, फलियों को शामिल करें. इससे बिना एसिडिटी, सूजन, कब्ज पैदा किए शरीर को अमीनो एसिड, फोलिक एसिड, फाइबर मिलेगा.

- रूट वाली सब्जियां जैसे अरबी, सूरन, शकरकंदी विटामिन, खनिज, फाइबर और बायोएक्टिव कंपाउंड का एक बढ़िया स्रोत है जो मेनोपॉज के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं.

- कैल्शियम से भरपूर दूध, पनीर, दही अपनी डाइट में जरूर लें. ये आपकी हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करेंगे, आहार में ड्राइ खजूर को नियमित तौर पर सेवन करें. इससे आपके एचबी स्तर में सुधार होता है और यह आपके मूड को भी बेहतर बनाने में मदद करता है.

माना जाता है कि डाइट में फाइटोएस्ट्रोजेन शामिल करने से महिलाओं को रजोनिवृत्ति से संबंधित लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है. जौ, सोयाबीन, तीसी, चना, मूंगफली, अंगूर आदि चीजें फाइटोएस्ट्रोजन से भरपूर होते हैं. ये महिलाओं में मेनोपॉज के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं.

चार हस्त मुद्राएं और उनके लाभ

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

योग में मुद्राओं को आसन और प्राणायाम से भी बढ़कर माना जाता है. आसन से शरीर की हड्डियां लचीली और मजबूत होती है जबकि मुद्राओं से शारीरिक और मानसिक शक्तियों का विकास होता है. मुद्राओं का संबंध शरीर के खुद काम करने वाले अंगों और स्नायुओं से है. आइए जानते हैं 4 हस्त मुद्राएं जो आपके दैनिक जीवन में आपकी मदद करेंगी.

पृथ्वी मुद्रा

अनामिका की नोक अंगूठे की नोक को छूते हुए, दूसरे के साथ तीन उंगलियां फैलाएं. यह सभी शारीरिक कमजोरियों को कम करता है. आवश्यक होने तक प्रतिदिन 40 से 60 मिनट तक इसका अभ्यास कर सकते हैं.

लाभ : यह कमजोर लोगों के लिए वजन बढ़ाने में मदद करता है. यह त्वचा की रंगत में निखार लाता है. शरीर को स्वस्थ रखकर उसे एक्टिव बनाता है.

ज्ञान मुद्रा

अन्य तीन अंगुलियों को फैलाकर अंगूठे के सिरे को तर्जनी के सिरे से स्पर्श करें. चूंकि यह ज्ञान मुद्रा है इसलिए यह ज्ञान को बढ़ाती है. अंगूठे की नोक पर पिट्यूटरी और अंतःस्रावी ग्रंथियों के केंद्र होते हैं. जब हम इन केंद्रों को तर्जनी से दबाते हैं तो दोनों ग्रंथियां सक्रिय रूप से काम करती हैं. इस मुद्रा के लिए कोई समय अवधि नहीं है. जब भी और जहां भी आपके पास समय हो आप बिस्तर पर बैठकर, खड़े होकर या लेटकर अभ्यास कर सकते हैं.

लाभ : स्मरण शक्ति बढ़ती है और दिमाग तेज होता है. एकाग्रता बढ़ाता है और अनिद्रा से बचाता है. यदि हम इसका नियमित अभ्यास करें तो यह मानसिक, हिस्टीरिया, क्रोध और अवसाद जैसे सभी मनोवैज्ञानिक विकारों को ठीक कर देगा.

वायु मुद्रा

तर्जनी उंगली को अंगूठे के आधार पर रखें और बाकी तीन उंगलियों को सीधा रखते हुए अंगूठे से दबाएं. यह वायु के असंतुलन के कारण होने वाली सभी बीमारियों से बचाता है. इस मुद्रा को 45 मिनट तक करने से गंभीरता कम हो जाती है 12 से 24 घंटे में रोग का निवारण हो जाता है. बेहतर परिणाम के लिए इसका 2-3 महीने अभ्यास करें.

लाभ : यह गठिया, गठिया, गठिया, पार्किंसंस रोग और लकवा को बिना किसी दवा के ठीक करता है. यह सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, चेहरे के पक्षाघात और गर्दन की नसों में जकड़न के लिए उपयोगी है. पेट में गैस की समस्या को ठीक करता है.

सूर्य मुद्रा

अनामिका को मोड़ें, उससे अंगूठे की जड़ को स्पर्श करें और अंगूठे से अंगुली को दबाएं. यह थायराइड ग्रंथि में केंद्र को तेज करता है. रोजाना दो बार 5 से 15 मिनट तक इसका अभ्यास करें.

लाभ : यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और वजन कम करने में मदद करता है. यह चिंता को कम करता है. यह अपच की समस्या को ठीक करता है.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

ज्वर, पांडुरोग, सूजन, कफ, वात नाशक है अरणी

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

अयोध्या में राम मंदिर स्थापना के समय यज्ञमंडप में अरणी मंथन से ही अग्नि प्रज्जवलित किया गया था. अर्थात यज्ञ में अग्नि को प्राप्त करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है जबकि झारखंड में सामान्य सी बात है इससे अग्नि प्राप्त कर जंगल में विशेष परिस्थिति में उपयोग करना. मैं झारखंड नेतरहाट में आदरणीय भदवा भगत जी के साथ वन भ्रमण करने निकलता था तो मैंने खुद देखा है कि अरणी मंथन कर अग्नि प्रज्जवलित कर भोजन बनाते हुए. झारखंड में सर्वत्र व्याप्त इस पौधे को पुतरी या पुतडी नाम से पुकारते हैं.

संस्कृत में जया, जयन्ती, श्रीपर्णी, अग्निमंथ, वैजयन्तिका नाम से पुकारते हैं, हिंदी में अरणी, अरनी, गुजराती में भी अरणी, लैटिन में क्लेरोडेण्ड्रोन फ्लामोइडिस कहा जाता है. झारखंड में सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, पलामू, लातेहार, रांची, चतरा, हजारीबाग इत्यादि जगहों पर पुतरी या पुतडी नाम से जाना जाता है. यह औषधीय वृक्ष सर्वत्र मिल जाते हैं.

अरणी के वृक्ष काफी ऊंचे होते हैं पर अब ऊंचे-ऊंचे वृक्ष देखने को नहीं मिलते हैं झारखंड में. पत्ते कुछ कुछ नुकीले और अत्यंत कोमल होते हैं. पत्तों से सुंदर मोहक सुगंध आती है. पुष्प वसन्त ऋतु में आते हैं और फल करौंदे की तरह छोटे छोटे लगते हैं. नीचे की ओर डालियां झुकी होती हैं. इसकी लकड़ी का रंग पीलापन लिए हुए रहता है. चूंकि दो लकड़ी को रगड़ने पर अग्नि प्रज्जवलित होता है, इसलिए इसे अग्निमंथ भी कहते हैं.

अरणी ज्वर, पांडुरोग, सूजन, कफ, वात नाशक है. झारखंड में अब बड़े बड़े वृक्ष बहुत मुश्किल से देखने को मिलते हैं. वृक्षों की कटाई होने के चलते पुराने बड़े पेड़ विलुप्त से हो गए हैं. राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, वन मंत्रालय, पर्यावरण विभाग इत्यादि की भूमिका समझ से परे है.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक में इतिहास रचकर स्वदेश लौटीं मनु, भव्य स्वागत

बूंदाबांदी के बावजूद सैकड़ों समर्थक पहुंचे एयरपोर्ट

भाषा। नयी दिल्ली

स्टार पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर किसी एक ओलंपिक में दो पदक जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद बुधवार को जब स्वदेश पहुंची तो लगातार हो रही बूंदाबांदी के बावजूद सैकड़ों समर्थकों और उनके परिजनों ने यहां उनका भव्य स्वागत किया. मनु को पेरिस से दिल्ली लाने वाली एयर इंडिया की उड़ान (एआई 142) एक घंटे की देरी से सुबह करीब नौ बजकर 20 मिनट पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची. शहर में सुबह से हो रही बूंदाबांदी के बावजूद उनके आगमन से काफी पहले से हवाई अड्डे पर इंतजार कर रहे सैकड़ों लोगों ने उनका और उनके कोच जसपाल राणा का जोरदार स्वागत किया. इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता. वह स्वतंत्रता के बाद किसी एक ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी है. उनसे पहले, केवल ब्रिटिश मूल के भारतीय एथलीट नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर स्प्रिंट और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि हासिल की थी. मनु ने भारत रवाना होने से पहले कहा था कि वह भव्य स्वागत की उम्मीद कर रही हैं और बुधवार को उन्हें कोई निराशा नहीं हुई. यह युवा खिलाड़ी जैसे ही हवाई अड्डे से बाहर निकली उनका गुलदस्तों, मालाओं और ढोल बजाकर स्वागत किया गया. मनु और उनके कोच जसपाल राणा के बाहर निकलने पर उन पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई गई. मनु और राणा को इसके बाद लोगों ने अपने कंधों पर उठा दिया. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात था. विश्व कप में कई बार स्वर्ण पदक जीत चुकी मनु मुस्कुरा कर लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रही थी और पूरे गर्व के साथ पेरिस ओलंपिक में जीते गए अपने दोनों पदक लोगों को दिखा रही थी. मनु का स्वागत करने के लिए उनके माता-पिता राम किशन और सुमेधा व उनके गृह राज्य हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड के खेल प्रेमी और अधिकारी भी पहुंचे थे. हवाई अड्डे पर जसपाल के पिता नारायण सिंह राणा की उपस्थित थे.

उत्तराखंड के पूर्व खेल मंत्री नारायण सिंह राणा ने कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत की एक बेटी ओलंपिक में दो पदक जीतकर इतिहास रचकर वापस आ रही है. ऐसा पहले कभी नहीं हुआ. वह केवल 22 साल की है. वह अपने कोच जसपाल राणा के साथ आ रही हैं. वह मेरा बेटा है. उसने निशानेबाजी में भारत के लिए खेलकर गौरव बढ़ाया. इसकी शुरुआत जसपाल राणा और अभिनव बिंद्रा ने की थी. मनु के प्रशंसक उनके आगमन से बहुत पहले हवाईअड्डे पर एकत्र हो गए थे. उन्होंने मनु और राणा की तस्वीरों वाले बैनर लेकर गीत और नृत्य के साथ उनकी उपलब्धि का जश्न मनाया.

एयरपोर्ट से निकलकर खुशी का इजहार करते जयपाल राणा व मनु भाकर.

ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट में भी फोगाट के साथ यही हुआ था

महिला पहलवान विनेश फोगाट तीसरी बार ओलंपिक में खेलने पहुंची थीं. पहले दो मौकों (2016 और 2020) पर वह क्वार्टर फाइनल में ही हार कर बाहर हो गई थीं. लेकिन इस बार उन्होंने फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रचा. उन्हें फाइनल मैच खेलना था, मैच से पहले लिए गए वजन में उनका वजन ज्यादा पाया गया. इसके बाद उन्हें अयोग्य घोषित किया गया. ये पहला मौका नहीं है, इससे पहले साल 2016 में भी विनेश फोगाट को ज्यादा वजह के चलते टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था. साल 2016 में मंगोलिया के उलानबटार में वर्ल्ड ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट के दौरान विनेश फोगाट का अपने वजन वर्ग से 400 ग्राम ज्यादा वजन पाया गया था. इसके बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था. वहीं, ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान भी उन्हें इसी तरह की परीक्षा का सामना करना पड़ा था, जहां वह मामूली अंतर से कट में पहुंची थीं. यानी विनेश फोगाट इससे पहले भी ऐसी गलती कर चुकी हैं.

रेसलिंग में क्या हैं वजन के नियम?

ओलंपिक में कुश्ती के खिलाड़ियों का मैच से पहले वजन होता है और अगर दो रेसलर दो दिन बाउट लड़ते हैं तो दो दिन उनका वजन किया जाता है. जिस दिन बाउट होता है,उसी दिन हर पहलवान का वजन सुबह में होता है. इस वजन के दौरान कुश्ती पहलवान को सिर्फ सिंगलेट पहनने की इजाजत होती है. बता दें कि फ्रीस्टाइल रेसलिंग में कई वेट कैटेगरी होती है. महिलाओं में 50,53, 57, 62, 68, 76 किलो की कैटेगरी होती है. वहीं, पुरुषों की फ्रीस्टाइल कैटेगरी में 57, 65, 74, 86, 97, 125 किलो की कैटेगरी होती है. वहीं, अगर कोई एथलीट वजन माप में भाग नहीं लेता है या असफल हो जाता है, तो उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाएगा.

स्पेन के खिलाफ तीसरे स्थान के प्लेऑफ मुकाबले में उतरेगी टीम इंडिया

ब्रॉन्ज जीतने उतरेगी भारतीय टीम

भाषा। पेरिस

जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में मिली हार का गम भुलाकर भारतीय हॉकी टीम एक आखिरी बार पेरिस ओलंपिक में गुरुवार को स्पेन के खिलाफ तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में उतरेगी तो लक्ष्य पीआर श्रीजेश और देश के लिये कांसे के तमगे के साथ लौटने का होगा. स्वर्ण पदक जीतने का सपना टूटने के बाद अब आखिरी मैच भारत को उसी टीम से खेलना है जिसे 4 -3 से हराकर मॉस्को ओलंपिक 1980 में आठवां और आखिरी पीला तमगा जीता था.

पूरे टूर्नामेंट में एक चैम्पियन की तरह खेलने वाली भारतीय टीम का 44 साल बाद ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना एक रोमांचक मुकाबले में मंगलवार को जर्मनी से 2-3 से मिली हार के साथ टूट गया. इसके डेढ़ दिन बाद ही अब हरमनप्रीत सिंह की टीम को स्पेन से कांस्य पदक का प्लेआफ खेलना है और कोशिश यही रहेगी कि तोक्यो में जीते कांसे को बरकरार रखा जाये. जर्मनी के खिलाफ भारत को अपने सबसे अनुभवी फर्स्ट रशर अमित रोहिदास की कमी बुरी तरह खली जो ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में रेडकार्ड मिलने के कारण एक मैच का प्रतिबंध झेल रहे थे. इसके बावजूद भारत ने पहले क्वार्टर में बढत बनाई और फिर पिछड़ने के बाद वापसी भी की. टूर्नामेंट में अब तक आठ गोल कर चुके हरमनप्रीत का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा लेकिन सेमीफाइनल में भारतीय टीम 11 में से दो पेनल्टी कॉर्नर ही भुना सकी . कोच क्रेग फुल्टोन को आखिरी मैच से पहले इस पर काम करना होगा चूंकि आधुनिक हॉकी में हर टीम विरोधी के पेनल्टी कॉर्नर पर अच्छा खासा होमवर्क करके उतरती है. अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश पूरे टूर्नामेंट में चट्टान की तरह भारतीय गोल की रक्षा करते रहे. पदक का रंग बदलने का सपना टूटने के बावजूद उन्होंने कहा कि अब उनके पास आखिरी मौका है और पदक अभी भी जीता जा सकता है.

उन्होंने कल के मैच के बाद कहा, यह मेरे नहीं, देश के लिए है. यह 19 खिलाड़ियों और कोचों के लिए है. हमारे पास पदक जीतने का आखिरी मौका है .इस मैच में जो कुछ हुआ, उसे भुलाकर खेलना है . सभी खिलाड़ियों को यह सोचकर उतरना होगा कि देश के लिये पदक जीतने का यह आखिरी मौका है. रोहिदास की वापसी से भारतीय डिफेंस मजबूत होगा. ओलंपिक में पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों अभिषेक, संजय, जरमनप्रीत सिंह और राजकुमार पाल ने प्रभावी प्रदर्शन किया है और वे पदक के साथ लौटना चाहेंगे.

भारतीय डिफेंस अभी तक बेहद मुस्तैद रहा है, लेकिन फॉरवर्ड पंक्ति को हाथ आये मौकों को गोल में बदलना होगा. मिडफील्ड में उपकप्तान हार्दिक सिंह ने सेमीफाइनल में कई मौके बनाये.

मैच आज : शाम 5:30 से

हम मैच जरूर हार गए लेकिन टीम ने अच्छा खेल दिखाया: श्रीजेश

पेरिस। भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा कि जर्मनी के खिलाफ मंगलवार को खेले गए ओलंपिक सेमीफाइनल में उनकी टीम को मौके नहीं भुना पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा, लेकिन उन्होंने इस कड़े मुकाबले में आखिर तक हार नहीं मानने के लिए अपने साथी खिलाड़ियों की सराहना की. श्रीजेश ने कहा कि जर्मन टीम ड्रैग फिलकर हरमनप्रीत सिंह को रोकने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरी थी और भारतीय कप्तान के खिलाफ उनके होमवर्क का अंतिम परिणाम पर असर पड़ा. भारत सेमीफाइनल में 2-3 से हार गया और अब उसे कांस्य पदक के लिए खेलना होगा. भारत को इस मैच में कुल 11 पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन वह केवल दो को ही गोल में बदल पाया. श्रीजेश ने भारत की करीबी हार के बाद कहा, यह बेहद कड़ा मैच था. हमें अच्छे मौके मिले लेकिन हम उन्हें नहीं भुना पाए. बस इतनी सी बात है. आप इसे स्कोरलाइन में देख सकते हैं.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. अमेरिका	24	31	31	86
2. चीन	22	22	16	60
3. ऑस्ट्रेलिया	14	12	10	44
4. फ्रांस	13	16	19	48
5. ब्रिटेन	12	15	19	46
6. द. कोरिया	11	08	7	26
7. जापान	11	6	12	29
8. इटली	9	10	7	26
9. नीदरलैंड	9	5	6	20
10. जर्मनी	8	5	6	20
63. भारत	0	0	3	3

27 साल बाद श्रीलंका से वनडे सीरीज हारा भारत

कोलंबो। सितारों से सजी भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका से 27 साल बाद वनडे सीरीज हार चुकी है. श्रीलंका ने आखिरी और निर्णायक वनडे में बुधवार रात भारत को 110 रन के विशाल अंतर से रौंदते हुए तीन मैच की सीरीज में 2-0 से कब्जा जमा लिया. आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए आखिरी मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कोरबोर्ड पर 248/7 रन टांगे थे. जवाब में पूरी भारतीय टीम 26.1 ओवर में सिर्फ 138 रन पर ही सिमट गई. श्रीलंका को एकबार फिर उसके स्पिनर्स ने जीत दिलाई. दुनिथ वेलालागे ने 5.1 ओवर में 27 रन देकर सबसे ज्यादा विकेट झटके. याद हो कि सीरीज का पहला मैच रोमांचक अंदाज में टाई हुआ था जबकि दूसरे मैच में श्रीलंका ने 32 रन से मैदान मारा था.वहीं इस हार से भारतीय बल्लेबाजों की पोल भी खुल गयी है.

तुर्की की पहलवान से हारीं अंतिम पंघाल

पेरिस। कुश्ती में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद अंतिम पंघाल पेरिस ओलंपिक में बुधवार को महिलाओं के 53 किलोवर्ग में तुर्की की येतगिल जेनिप से 0-10 से शर्मनाक हार के बाद बाहर हो गईं. इस वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली अंतिम 101 सेकंड में ही हार गई. पहले विनेश इस भारवर्ग में खेलती थीं. तुर्की की पहलवान को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर विजयी घोषित किया गया. अगर जेनिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करती है तो अंतिम को रेपेशॉज में खेलने का मौका मिलेगा.

पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद मुकाबले के क्वालीफाइंग राउंड में भारत के सर्वेश कुसाले. इसमें वे 13वें स्थान पर रहे.

भाला फेंक में अन्नु रानी, सौ मीटर बाधा दौड़ में याराजी ने किया निराश

भाषा। पेरिस

भारत की अनुभवी भालाफेंक खिलाड़ी अन्नु रानी एक बार फिर विश्व स्तर पर प्रभावित नहीं कर सकी और बेहद खराब प्रदर्शन के बाद पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन दौर से ही बाहर हो गई. 31 वर्ष की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अन्नु ने 55.81 मीटर के साथ शुरूआत की और अगले दो प्रयासों में 53.22 मीटर और 53.55 मीटर भाला फेंका. वह ग्रुप ए में 16 प्रतियोगियों में 15वें और कुल 26वें स्थान पर रहीं. ओलंपिक के लिए विदेश में तैयारी करने वाली अन्नु का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 60.68 मीटर और राष्ट्रीय रिकॉर्ड 63 . 82 मीटर का है. उन्होंने विश्व रैंकिंग कोटा से पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाया था. राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारत की सौ मीटर की बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी अपनी पहली हीट में खराब प्रदर्शन के बाद सातवें स्थान पर रही और स्वतः सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गई. पहली बार ओलंपिक खेल रही याराजी खेलों में सौ मीटर बाधादौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय भी हैं. उन्होंने चौथी हीट में 13.16 सेकंड का समय निकाला और 40 धावकों में 35वें स्थान पर रही. 24 वर्ष की याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12 . 78 सेकंड का है. गत चैम्पियन पुएर्तो रिको की जैसमीन कामाचो किन ने 12.42 सेकंड का समय निकालकर शीर्ष स्थान हासिल किया. पांचों हीट में से शीर्ष तीन खिलाड़ी और अगले तीन सबसे तेज खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेंगे. बाकी प्रतियोगियों को गुरुवार को रेपेचेज दौर के जरिये सेमीफाइनल में पहुंचने का एक और मौका मिलेगा.

विनेश अयोग्य करार : आई प्रतिक्रिया

विनेश हमारे दिलों में चैंपियन बनी हुई हैं : द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में पहलवान विनेश

फोगाट की असाधारण उपलब्धियों ने हर भारतीय को रोमांचित किया है और देश को गौरवान्वित किया है. पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य करार दिए जाने से हम सब निराश हैं लेकिन वह 1.4 अरब लोगों के दिलों में चैंपियन बनी हुई हैं.

विनेश के साथ खड़ा है पूरा देश : आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरा देश

उनके साथ खड़ा है और वह जल्द ही पहले से ज्यादा मजबूत होकर मैदान में वापसी करेंगी. योगी ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर कहा, विनेश फोगाट जी, आप सभी भारत वासियों के लिए गौरव हैं, विजेता हैं, चैंपियन हैं. निराश न होइए...

अयोग्य घोषित किए जाने की जांच-पड़ताल हो : अखिलेश

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने की गहरी जांच-पड़ताल कराए जाने की मांग की है. अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, विनेश फोगाट के फाइनल में न खेल पाने के तकनीकी कारणों की गहरी जांच-पड़ताल हो और सुनिश्चित किया जाए कि सच्चाई क्या है और इसके पीछे की असली वजह क्या है.

भारत सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करे : केसी त्यागी

पहलवान विनेश फोगट को अयोग्य ठहराए जाने पर जेडीयू नेता केसी

त्यागी ने कहा, विनेश स्वर्ण के करीब थीं. वह बुद्धिमान एथलीट हैं, जिस तरह से उनका वजन दिखाकर अयोग्य ठहराया गया, वह साजिश का हिस्सा है. मैं मांग करता हूं कि सरकार मामले में हस्तक्षेप करे.

आप आशा और गौरव की किरण रही हैं: रिजिजू

किरण रिजिजू ने एक्स पर लिखा, प्रिय फोगट, आप हमेशा भारत के

लिए आशा और गौरव की किरण रही हैं. आज का झटका बर्दाश्त करने में परेशानी हो रही है, लेकिन इन्हीं क्षणों में आपकी असली ताकत चमकती है. मुझे आपकी अटूट समर्पण से भरी यात्रा याद है.

देश का हर बच्चा उनके साथ है : रणदीप सुरजेवाला

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने एक्स पर लिखा, 40 करोड़ भारतीय

स्तब्ध हैं. यह खेल के इतिहास में काला दिन है...यह एक बहुत बड़ी नफरत की साजिश है....लेकिन जान लें कि हरियाणा और देश का हर बच्चा उनके साथ है, वह एक ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता है. पूरा देश सरकार से सवाल पूछ रहा है कि इस अन्याय पर वो क्या कर रही है.

ओलंपिक का बहिष्कार करें सरकार : संजय सिंह

आप नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री संजय सिंह ने कहा, अगर

विनेश को न्याय नहीं मिलता है तो भारत सरकार को ओलंपिक खेलों का बहिष्कार करना चाहिए. ऐसा अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है. यह बड़ी साजिश है. ऐसा कैसे हो सकता है एक दिन पहले आपका वजन ठीक आता है, और दूसरी सुबह 100 ज्यादा हो जाता है.

यह बहुत बड़ी साजिश हो सकती है : विजेंदर सिंह

मुक्केबाज व भाजपा नेता विजेंदर सिंह ने आरोप लगाया है कि ओलंपिक से पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य करार दिया जाना साजिश भी हो सकती है, क्योंकि उसके जैसे एलीट खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंटों से पहले वजन कम करने की तकनीक बखूबी आती है. सौ ग्राम , मतलब मजाक है क्या? हम खिलाड़ी एक रात में पांच से छह किलो वजन घटा सकते हैं. हमें पता होता है कि अपनी भूख और प्यास पर कैसे काबू रखना है.

महिला टेबल टेनिस टीम इवेंट में जर्मनी से हार गया भारत

भाषा। पेरिस

अर्चना कामथ ने बुधवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में कुछ देर तक चुनौती पेश की. लेकिन उनका प्रदर्शन भी काफी नहीं था जिससे भारतीय टीम को तकनीकी रूप से बेहतर जर्मनी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा. भारतीय महिला टीम की हार से देश का पेरिस ओलंपिक में टेबल टेनिस स्पर्धा में अभियान भी खत्म हो गया.

श्रीजा अकुला और अर्चना की भारतीय जोड़ी को शुरुआती युगल मैच में युआन वान और जिओना शान की जोड़ी से 5-11 11-8 10-12 6-11 से पराजय झेलनी पड़ी. श्रीजा और अर्चना तीसरे गेम तक जिम्मेदारी संभाले थीं

लेकिन ड्यूस में हार गईं। फिर उन्होंने मैच भी गंवा दिया. पहले एकल में एनेट कॉफमैन के खिलाफ भारत की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखीं। उन्होंने पहला गेम जीता लेकिन अगले तीन गेम हारकर मैच 11-8 5-11 7-11 5-11 से गंवा बैठीं. इससे जर्मनी की टीम 2-0 से बढ़त बनाने में कामयाब रही. इसके बाद अर्चना ने भारत को उम्मीद की किरण दिखाई. दूसरे एकल में उन्होंने जिओना शान पर 19-17 1-11 11-5 11-9 से जीत हासिल की.

चोपड़ा इन एक्शन आज रात 11:55 से जैवलिन थ्रो का फाइनल

इतिहास रचने के लिए चुनौती भी मिलेगी

भाषा। पेरिस

नीरज चोपड़ा ने क्वालीफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर भाला फेंक कर अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ा संदेश दिया लेकिन मौजूदा ओलंपिक चैंपियन को गुरुवार को यहां भारतीय खेलों के इतिहास में नया अध्याय जोड़ने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा. चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक की तरह यहां भी कुछ सेकंड में फाइनल के लिए क्वालीफाई कर दिया था लेकिन इस बार पिछले ओलंपिक की तुलना में चुनौती अधिक कड़ी है. कुल नौ खिलाड़ियों में से पांच ने नीरज की तरह अपने पहले थ्रो में ही फाइनल में जगह बना ली थी. भारत का यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझता है क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले आठ वर्षों से चुनौती पेश कर रहे हैं. चोपड़ा ने मैदान पर कुछ समय बिताने के बाद पत्रकारों से कहा, फाइनल में प्रत्येक खिलाड़ी की अपनी अलग मानसिकता और अलग स्थिति होती हैं, जिसने भी स्वतः क्वालीफाई किया है , उसने अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ तैयारी कर रखी है. वह इसके बाद तुरंत ही खेल गांव लौट गए. नीरज फाइनल में ओलंपिक के इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवां पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी बनने के इरादे से उतरेंगे. अगर वह खिताब जीतते हैं तो ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे. ओलंपिक की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन, 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड, 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य, 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे, 2004 और 2008) की ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव कर पाए हैं.

ब्रीफ खबरें

नवादा में 7 साइबर अपराधी गिरफ्तार

नवादा । जिले में शाहपुर थाने की पुलिस ने बुधवार को दर्शन बीघा गांव में स्थित एक मकान में छापेमारी कर एक साथ 7 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इनके ठिकानों पर छापेमारी कर 14 मोबाइल, 43 पेज का कस्टमर डाटा, प्रिंटर और बैंक के पासबुक, लॉपटॉप आदि जब्त किया है. पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर सभी साइबर ठग फ्लिपकार्ट कंपनी के नाम से ग्राहकों द्वारा ऑर्डर किए गए सामानों की डिलीवरी कंफर्म कर देने के नाम पर ग्राहकों से फर्जी ओटीपी आदि मांग कर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे.

रेलवे के गेटमैन को अपराधियों ने मारी गोली

पूर्वी चंपारण । रक्सौल-सुगौली रेलखंड में मसानाडीह हॉल्ट के पास फाटक संख्या 14ए पर कार्यरत गेटमैन अंसारुल हक को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी. इस हमले में गेटमैन गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये. घायल गेटमैन की पहचान पलनवा थानाक्षेत्र के जैतापुर बिंदवा टोला निवासी फिरोज आलम के बेटे के तौर पर हुई है. घायल गेटमैन का रक्सौल एसआरपी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है.जहां उसका ऑपरेशन किया जा रहा है. डॉक्टर ने बताया कि स्थिति सामान्य है. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

राजद के पूर्व जिला उपाध्यक्ष निलंबन मुक्त

अररिया । राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमित पूर्वे का निलंबन पार्टी की ओर से वापस ले लिया गया है. राजद के पूर्णिया प्रमंडल प्रभारी अरुण कुमार की ओर से एक कार्यालय आदेश निकालकर निलंबन मुक्त की जानकारी राजद नेता अमित पूर्वे को दी है. निर्गत कार्यालय आदेश में पूर्णिया प्रमंडल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के निर्देशानुसार आवेदनों पर विचार करते हुए निलंबन को वापस होने की बात कही गई.साथ ही पत्र में अमित पूर्वे को यह निर्देशित किया गया है कि आगे से पूर्व की भांति किसी तरह की गलती नहीं करेंगे.

वज्रपात से पांच लोगों की मौत, 14 जिलों में यलो अलर्ट जारी

नवादा जिले वारसलीगंज, पकरीबरावां, अकबरपुर और कादिरगंज थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरी

- वज्रपात से तीन लोग गंभीर रूप से झुलसे, अस्पताल में भर्ती हुए

संवाददाता ।पटना

घटना के बाद रोते-बिलखते परिजन.

नवादा में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मां-बेटे समेत पांच लोगों की मौत हो गई. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. इधर, नवादा जिले वारसलीगंज, पकरीबरावां, अकबरपुर और कादिरगंज थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरी है. मृतकों की पहचान अकबरपुर प्रखंड के औरैया गांव की कालो देवी, और उसका बेटा संजय कुमार यादव, वारिसलीगंज प्रखंड के भलुआ गांव की रीना देवी, पकरीबरावाँ के भगवानपुर गांव की सारों देवी, कादिरगंज थाना क्षेत्र के सहजपुरा गांव के चंदन कुमार की मौत हो गई हैं. वहीं इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए है. सभी लोगों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मौत की खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है.

खेत में काम कर रहे थे मां-बेटे, अचानक ऐसा हुआ : सभी मृतक के परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है. जहां एक ही घर में मां और बेटे की मौत ने पूरे परिवार में कोहराम मचा दियाहै. औरैया गांव में मां और बेटा दोनों खेत में काम कर रहे थे, तभी आकाशीय बिजली गिरी और दोनों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. मौत की जानकारी मिलते ही मृतक के गांव में कोहराम मच गया है. डेढ़ साल की एक मासूम बच्ची को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जो आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आ गई है. वह पूरी तरह झुलस गई हैं.

पटना में शाम को झमाझम बारिश

राजधानी पटना के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई. दोपहर तेज धूप के कारण लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हो गए थे. अचानक शाम में झमाझम बारिश ने मौसम को सुहाना कर दिया.

वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा में वज्रपात से पांच लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं. मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को अविलंब चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं. मुख्यमंत्री ने वज्रपात से घायल व्यक्ति के समुचित इलाज कराने का निर्देश दिया है तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है. मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें. खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें. खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें.

इधर, मौसम विभाग ने पटना समेत 14 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने अनुसार, पूर्वी चंपारण, सारण, मुजफ्फरपुर, भोजपुर, औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, नालंदा, बेगूसराय, पटना, सीवान, बक्सर, वैशाली, लखीसराय के कुछ भागों में अगले एक से तीन घंटे के बीच हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है. यहां हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के आसार हैं. मौसम विभाग ने इन इलाकों में वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया है.

बंदूक की नोक पर घर में की लाखों की लूट

किशनगंज । सदर थाना क्षेत्र के दौला पंचायत के जन्मजय गांव के वार्ड नंबर-17 में एक किसान के घर में देर रात लाखों की लूट की घटना हुई है. छह से अधिक की संख्या में आए बदमाशों ने बंदूक की नोक पर गृह स्वामी को बांध दिया. इसके बाद लूट की घटना को अंजाम दिया गया है. घटना लगभग देर रात की है. वहीं, आधे घंटे के अंदर घटना को अंजाम देकर छह से अधिक बदमाश मौके से फरार हो गए.

सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच में जुटी है. पीड़ित शमशेर आलम ने बताया कि रात को तकरीबन 12 बजे बदमाश घर में घुस गए और मेरे भैया का हाथ पैर बांध दिया. उसके बाद 1,37000 रुपये नगद, चांदी और सोना 25 से 30 हजार के आसपास का था. उसे लेकर फरार हो गए.

बिहार सिपाही परीक्षा में धांधली करने वाले गिरोह का खुलासा

औरंगाबाद और भभुआ से दो दो लोगों को किया गिरफ्तार

- 145 प्रवेश पत्र, मोबाइल फोन, नकद राशि, पैन, डेबिट, आयुष्मान कार्ड, पहचान पत्र हुआ बरामद

संवाददाता ।पटना

बक्सर से गिरफ्तार बदमाश

बक्सर की पुलिस ने बुधवार को बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान एक नेटवर्क का खुलासा किया है जिसके आधार पर कैमूर, औरंगाबाद समेत कई अन्य जिलों में भी एक बड़े सॉल्वर गिरोह के सदस्यों का पर्दाफाश हुआ है. मिली जानकारी के अनुसार कुछ सेंटर पर परीक्षा में धांधली करने के लिए डुमरांव रेलवे स्टेशन के आसपास होटल में कमरा बुक कर कुछ लोग रुके हुए थे. इसकी सूचना पुलिस को भी मिल गई. परीक्षा से पूर्व बक्सर पुलिस की टीम ने होटल के कमरे से दो लोगों को गिरफ्तार किया है. इसके अलावा कई जिलों से गिरफ्तारियां हुई हैं.

वहीं, जहानाबाद में सिपाही भर्ती की परीक्षा में धांधली की आशंका में पुलिस ने सेटर को गिरफ्तार किया है. काको थाना के कोठियां गांव से गिरफ्तारी हुई है. एसपी और डीएसपी नगर थाने में उससे पूछताछ कर रहे हैं. मिली जानकरी के अनुसार आधे-एक घंटे के अंदर में उसके अकाउंट में लाखों रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ है. दरभंगा से मिले इनपुट के आधार पर कार्रवाई हुई है. जहानाबाद एसपी अमरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जहानाबाद में अभी तक कोई कदाचार की सूचना नहीं मिली है.

परीक्षा संबंधित कई सामान बरामद : बताया जा रहा है कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बक्सर के आनंद विहार होटल के सभी बुकिंग की जांच की. एक कमरे की बुकिंग दो लोगों ने परीक्षा देने के नाम पर किया था. बुकिंग कमरे में त्रुटि देखकर पुलिस ने जांच शुरू की जिसमें छोटे लाल चौरसिया उर्फ छोटू और रौशन चौरसिया से पुलिस ने पुलिस ने पूछताछ की. दोनों ने अपना घर भभुआ कैमूर बताया. वहीं, जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से पटना और बक्सर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के नाम से अलग-अलग रोल नंबर लिखा पेपर, आधार कार्ड, पुलिस भर्ती परीक्षा के 145 प्रवेश पत्र, मोबाइल, नकद राशि, पैन कार्ड, डेबिट कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पहचान पत्र आदि बड़ी मात्रा में बरामदगी हुई. बताया जा रहा है कि उनके निशान देही पर औरंगाबाद में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया. वहीं, भभुआ में भी दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

एसपी ने दी जानकारी : इस पूरे मामले पुलिस कप्तान मनीष कुमार ने कहा कि सिपाही भर्ती के परीक्षा केंद्रों पर कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए संकल्पित बक्सर प्रशासन पूरी तरह निगरानी रख रहा था. इसी दौरान पकड़े गए युवक धराए हैं जिनके पास से काफी संख्या में प्रवेश पत्र सहित कई सामान मिले हैं. युवकों से उनके नेटवर्क के बारे में पूछा गया तो औरंगाबाद-भभुआ जैसे शहरों से भी इस तरह के नेटवर्क की गिरफ्तारी हुई है.

एसपी ने यह भी बताया कि ये लोग अलग-अलग नाम से अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर अपनी एक ही तस्वीर के आधार पर परीक्षा का फॉर्म भरते हैं और परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश कर नकल कराने की नीयत से क्वेश्चन पेपर साल्वर की भूमिका में केंद्र में उपस्थित होकर परीक्षार्थियों से पैसे की उगाही करने का काम करते हैं. गिरफ्त में आए युवकों को जेल भेजा जा रहा है.

अवैध बालू लदी नावों से रंगदारी वसूली को लेकर दो गुटों में गैंगवार, चार घायल

- कुख्यात गैंगस्टर करिया समेत चार लोग घायल

संवाददाता ।पटना

पटना के मनेर से बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां लोदीपुर बाजार इलाके में बालू का अवैध खनन करने वालों से रंगदारी वसूली को लेकर दो गुट गैंग आमने-सामने हो गये. इस गैंगवार में दोनों गुटों के चार लोग घायल हुए हैं. गैंगवार करिया और सागर गैंग के बीच हुई है. जानकारी के अनुसार, करिया गैंग के प्रमुख करिया राय को भी गोली लगी है. वहीं एक घायल का इलाज अस्पताल में चल रहा है. लेकिन इस बात की पुष्टि नहीं हो पायी है कि वो किस गैंग का है. गोलीबारी के बाद करिया राय समेत अन्य लोग मौके से फरार हैं.

बालू लेद नावों से रंगदारी मांग रहे थे दोनों गुट : घटना के संबंध में बताया जाता है कि करिया और सागर गुट के लोग बालू लदी नावों से रंगदारी मांग रहे थे. इसी को लेकर दो गुटों के बीच का झगड़ा हो गया. इसके बाद दोनों गुटों के बीच जमकर गोलीबारी हुई. सागर गुट के लोग दूसरे गुट के प्रमुख देवनाथ उर्फ करिया राय और भट्ठा के मुंशी को खदेड़ा. दोनों ने भट्ठा के एक कमरे में छिपकर अपनी जान बचायी. लेकिन दूसरे गैंग ने बाहर से ही कमरे पर जमकर गोलियां बरसायी. विनय ने भागकर अपनी जान बचायी. जबकि करिया राय वहां से फरार हो गया. कहा जा रहा है कि करिया को भी गोली लगी है. वहीं दूसरे गैंग के भी दो लोग जख्मी हुए हैं.

मोतिहारी में सद्भावना एक्सप्रेस पर पथराव कई यात्री घायल हुए

पूर्वी चंपारण । मोतिहारी बापूधाम रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर सिंघिया समपार फाटक के पास मंगलवार देर शाम कुछ असामाजिक तत्वों ने आनंद बिहार से रक्सौल जा रही सद्भावना एक्सप्रेस पर पथराव कर दिया. इससे स्लीपर बोगी में सफर कर रहे कई यात्री घायल हो गए. गंभीर रूप से घायल एक यात्री को निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है. घायल यात्री की पहचान सुगौली नगर पंचायत वार्ड संख्या 8 के निवासी मनोज सोनी के रूप में हुई है. सोनी मोतिहारी से सुगौली जाने के लिए स्लीपर बोगी में बैठे थे.

दो राज्यसभा सीटों पर होगा चुनाव

उपेंद्र कुशवाहा का सांसद बनना तय

संवाददाता ।पटना

चुनाव आयोग ने देशभर में राज्यसभा की खाली हुई 12 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान कर दिया है. इनमें दो सीटें बिहार की भी हैं. बिहार से राज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर और मीसा भारती के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद दोनों ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था.

बिहार की इन्हीं दोनों सीट पर उप चुनाव होना है. इनमें एक सीट से रालोमो के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा का राज्यसभा जाना तय माना जा रहा है. चुनाव आयोग की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक, मीसा भारती का कार्यकाल 7 जुलाई, 2028 तक था. विवेक ठाकुर का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 तक था. उप चुनाव में जीत हासिल करने वाले उम्मीदवार का कार्यकाल उतना ही रहेगा. चुनाव आयोग ने दोनों सीट पर उप चुनाव की अधिसूचना जारी की है. इसके मुताबिक 14 अगस्त से नामांकन शुरू होगा. 21 अगस्त तक उम्मीदवार नामांकन कर सकेंगे. 27 अगस्त को नाम वापसी की आखिरी तारीख है. यदि मतदान की नौबत आती है तो 3 सितंबर को वोटिंग होगी और उसी दिन रिजल्ट घोषित होगा.

कारोबार

मजबूत मांग से सोना वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली । मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली किये जाने से वायदा कारोबार में बुधवार को सोने की कीमत 10 रुपये की तेजी के साथ 68,975 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 10 रुपये यानी 0.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 68,975 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया. इसमें 18,223 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी आई.

बीएसई का लाभ बढ़ा, 265 करोड़ रुपये पहुंचा

नयी दिल्ली । प्रमुख शेयर बाजार बीएसई का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 265 करोड़ रुपये रहा है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 75 करोड़ रुपये रहा था. बीएसई ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसी आमदनी जून तिमाही में 674 करोड़ रुपये रही है, जो किसी तिमाही में उसका अबतक का सर्वाधिक है. पिछले साल समान तिमाही में उसकी आमदनी 271 करोड़ रुपये थी. प्रत्येक कारोबार ने आय और लाभ में योगदान दिया है.

कमजोर मांग से चांदी वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से बुधवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 601 रुपये की गिरावट के साथ 79,022 रुपये प्रति किग्रा रह गया. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 601 रुपये यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79,022 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया. इसमें 28,899 लॉट का कारोबार हुआ. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 0.79 प्रतिशत की हानि के साथ 27 डॉलर प्रति औंस रह गयी.

नयी फिल्म का प्रमोशन

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी, तापसी पन्नू, सनी कौशल और जिमी शेरगिल, बुधवार को नई दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा के प्रचार के दौरान तस्वीरों के लिए पोज देते हुए.

जीसीपीएल का शुद्ध लाभ 41 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का जून में समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 41.36 प्रतिशत बढ़कर 450.69 करोड़ रुपये हो गया. कच्चे माल की कम लागत के कारण कंपनी का मुनाफा बढ़ा है. कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 318.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था. कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड ने अपनी एक अनुषंगी कंपनी के माध्यम से पालतू जानवरों की देखभाल के व्यवसाय में प्रवेश को मंजूरी दे दी है और वह पांच साल की अवधि में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. जीसीपीएल ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि तिमाही में उसकी कुल परिचालन आय 3,331.58 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,448.91 करोड़ रुपये थी.

अदाणी ने सेवानिवृत्ति की उम्र तय नहीं की है

नयी दिल्ली । अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 210 अरब डॉलर के अपने विविध कारोबार समूह से सेवानिवृत्त होने और उसकी कमान अपने बेटों एवं भतीजों को सौंपने को लेकर कोई समय सीमा तय नहीं की है. समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजारों को इससे अवगत कराया है. कंपनी ने कहा कि एक मीडिया रिपोर्ट में अदाणी को उत्तराधिकारियों और पारिवारिक ट्रस्ट में समान लाभकारी हितों को लेकर गलत ढंग से उद्धृत किया गया है. अदाणी एंटरप्राइजेज ने कहा, हाल ही में एक साक्षात्कार में गौतम अदाणी ने कारोबार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उत्तराधिकार की योजना पर अपने विचार साझा किए. उन्होंने कहा कि उत्तराधिकार केवल एक घटना नहीं है, बल्कि एक यात्रा है.

पिछले तीन दिन से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा

धातु, ऊर्जा शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 875 अंक व निफ्टी 24,000 अंक के पार

एजेंसी ।मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को पिछले तीन दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 875 अंक चढ़ गया. वहीं एनएसई निफ्टी फिर से 24,000 अंक के स्तर को पार कर गया. दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में तेजी तथा निचले स्तर पर शेयरों की लिवाली से बाजार में मजबूती आई. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 874.94 अंक यानी 1.11 प्रतिशत उछलकर 79,468.01 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 1,046.13 अंक चढ़कर 79,639.20 अंक पर पहुंच गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 304.95 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,297.50 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान यह 345.15 अंक उछलकर 24,337.70 अंक पर पहुंचा था.

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अदाणी पोर्ट्स एंड सेज 3.42 प्रतिशत और पावरग्रिड 3.39 प्रतिशत मजबूत हुए. इसके अलावा टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहीं. इसके उलट नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और टाइटन शामिल हैं. इस तेजी में ज्यादातर क्षेत्रों का योगदान रहा. लेकिन धातु, ऊर्जा और औषधि क्षेत्र सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र रहे. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बैंक ऑफ जापान के डिप्टी गवर्नर के वित्तीय अस्थिरता के दौरान ब्याज दर नहीं बढ़ाने के फिर से आश्वासन के बाद वैश्विक बाजारों में उल्लेखनीय तेजी आई. घरेलू बाजार में चौतरफा लिवाली हुई. रियल्टी क्षेत्र में इंडेक्सशेन लाभ फिर से लागू किये जाने से जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही. मझोली कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला बीएसई मिडकैप 2.63 प्रतिशत उछला जबकि छोटी कंपनियों से संबद्ध स्मॉलकैप सूचकांक 2.39 प्रतिशत के लाभ में रहा. रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि हाल की गिरावट के बाद बाजार में आज तेजी लौटी. वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख से बाजार को समर्थन मिला. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग उल्लेखनीय रूप से लाभ में रहे.

यूरोप के प्रमुख बाजारो में तेजी रही. अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त में रहे थे. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,531.24 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे. वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,357.45 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.12 प्रतिशत उछलकर 77.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 166.33 अंक नीचे आया था, जबकि एनएसई निफ्टी 63.05 अंक के नुकसान में रहा था.

रिपोर्ट

वार्षिक रिपोर्ट में अपने कारोबार से जुड़ी योजनाओं की रूपरेखा पेश की

रिलायंस वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार : अंबानी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा है कि समूह अपने दूरसंचार व्यवसाय को मजबूत करने के साथ हरित एजेंडा पर भी काम कर रहा है और कंपनी अगले स्तर की वृद्धि के लिए तैयार है. अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन से लेकर टू 5जी नेटवर्क और खुदरा कारोबार से जुड़ी योजनाओं की रूपरेखा भी पेश की है. उन्होंने कहा कि अस्थिरता और अनिश्चितता से भरी दुनिया में भारत स्थिरता और समृद्धि के प्रकाश-स्तंभ के रूप में चमक रहा है. बाजार मूल्यांकन के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते दशक में कच्चे तेल और रसायन के अपने मुख्य कारोबार के साथ दूरसंचार, खुदरा और वित्त कारोबार को भी जोड़ा है. अब यह 2035 तक अपने परिचालन से शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन को लक्ष्य बनाकर हरित मार्ग पर आगे बढ़ रही है. कारोबार में व्यापक वृद्धि ने रिलायंस को बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 20 लाख करोड़ रुपये की सीमा पार करने वाली पहली भारतीय कंपनी बना दिया. अंबानी ने कहा, रिलायंस ने पूंजीगत व्यय के पिछले दौर के बाद अपने बही-खाते को मजबूत कर लिया है और वृद्धि के अगले स्तर के लिए तैयार है. उन्होंने कहा, वर्ष 2016 में जियो 4जी मोबाइल सेवाओं की शुरुआत ने डेटा के लिहाज से अंधकारपूर्ण भारत को डेटा-समृद्ध राष्ट्र में बदल दिया, जिससे हर भारतीय घर को किफायती, उच्च गति वाला 4जी डेटा मिलने लगा. उन्होंने कहा, इस साल जियो ने विश्व रिकॉर्ड समय में पूरे भारत में अपने टू 5जी नेटवर्क को शुरू कर देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे को और मजबूत किया है.

उन्होंने कहा कि किफायती स्मार्टफोन जियोभारत की पेशकश भारत को '2जी-मुक्त' बनाने में एक लंबा रास्ता तय करेगी. खुदरा कारोबार के बारे में उन्होंने कहा कि भारत के सबसे बड़े खुदरा विक्रेता के रूप में रिलायंस रिटेल तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की खपत की जरूरतें पूरी करने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने कहा कि रिलायंस रिटेल के उत्पादों की व्यापक श्रृंखला को लोग पसंद कर रहे हैं और कंपनी किराना से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों को घर तक पहुंचाने के साथ छोटे स्वदेशी दुकानदारों और किराना दुकानदारों का समर्थन भी कर रही है. उन्होंने कहा कि दुनिया अब भारत की अपार संभावनाओं को समझ रही है और बड़ी फर्मों ने 100 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन पर रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में निवेश किया है. रिलायंस पारंपरिक पेट्रोरसायन क्षेत्र में निवेश को भी जारी रखे हुए है. उन्होंने कहा, हम वर्ष 2035 तक शुद्ध कार्बन-शून्य के अपने लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं. जामनगर में धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स का काम तेजी से बढ़ रहा है. यह परिसर वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण इकाइयों में से एक होगा. उन्होंने कहा कि रिलायंस कार्बन का संग्रह और पुनर्चक्रण करने के लिए कई प्रौद्योगिकियों की तलाश भी कर रही है.

एनएसई का मुनाफा 39 प्रतिशत बढ़कर 2,567 करोड़ रुपये हुआ

- एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,598 करोड़ रुपये था

एजेंसी ।नयी दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का जून, 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,567 करोड़ रुपये हो गया. एनएसई की चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत परिचालन आय 51 प्रतिशत बढ़कर 4,510 करोड़ रुपये हो गई. एक्सचेंज ने कहा कि उसने चालू की पहली तिमाही के लिए सरकारी खजाने में 14,003 करोड़ रुपये का योगदान दिया है. इसमें से एसटीटी/सीटीटी (कमोडिटी ट्रांजैक्शन टैक्स) में 12,054 करोड़ रुपये, स्टाम्प शुल्क (1,018 करोड़ रुपये), जीएसटी (362 करोड़ रुपये), सेबी शुल्क (333 करोड़ रुपये) और आयकर (236 करोड़ रुपये) शामिल हैं. एकल आधार पर एनएसई ने समीक्षाधीन तिमाही में 1,960 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,598 करोड़ रुपये था. पहली तिमाही में एनएसई ने 4,051 करोड़ रुपये की कुल परिचालन आय दर्ज की, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 2,833 करोड़ रुपये से साल-दर-साल आधार पर 43 प्रतिशत की वृद्धि है. समीक्षाधीन तिमाही में एनएसई ने एकल आधार पर कुल खर्च 1,762 करोड़ रुपये रहा.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष पर साधा निशाना, कहा- स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी से पहले से लगता है कर, राज्यों में विरोध दर्ज कराएं सदस्य

लोस ने वित्त विधेयक पारित किया, अचल संपत्तियों पर एलटीसीजी कर प्रावधान में संशोधन

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा ने बुधवार को 'वित्त (संख्यांक 2) विधेयक, 2024' को पारित कर दिया. इसके साथ ही सरकार ने रियल एस्टेट पर हाल ही में लागू किए गए नए पूंजीगत लाभ कर में राहत दी है, जिससे करदाताओं को नई कम कर दर अपनाने या पुरानी व्यवस्था के साथ बने रहने का विकल्प मिल गया है. वहीं वित्त मंत्री ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि स्वास्थ्य बीमा पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था लागू होने से पहले से कर लगता था और उन्हें इस बारे में अपनी पार्टी के शासन वाले राज्यों के वित्त मंत्रियों के समक्ष विरोध दर्ज कराना चाहिए. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के अपने बजट भाषण में रियल एस्टेट पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) को बिना 'इंडेक्सेशन' लाभ के 20 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था. उन्होंने बुधवार को सदन में वित्त विधेयक में इस संबंध में संशोधन पेश किया. अचल संपत्तियों की बिक्री पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना में इंडेक्सेशन लाभ को हटाने के लिए बजट 2024-25 में रखे गए प्रस्ताव की विपक्षी दलों और कर पेशेवरों सहित विभिन्न पक्षों ने तीखी आलोचना की थी. लोकसभा ने 45 सरकारी संशोधनों के साथ ध्वनिमत से 'वित्त (संख्यांक 2) विधेयक, 2024' को पारित कर दिया. यह विधेयक अब राज्यसभा में चर्चा के लिए जाएगा लेकिन उच्च सदन को संविधान के अनुसार किसी 'धन विधेयक' को खारिज करने का अधिकार नहीं है.राज्यसभा नियत 14 दिन में वित्त विधेयक नहीं लौटाती तो इसे पारित मान लिया जाता है.

वित्त मंत्री ने लोकसभा में वित्त विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह आश्वासन दिया कि संशोधन के बाद एलटीसीजी कर के संबंध में कोई अतिरिक्त कर बोझ नहीं बढ़ाया जाएगा. उन्होंने कहा कि विपक्ष बजट को लेकर मध्यम वर्ग के सरकार से नाराज होने का झूठा माहौल बना रहा है और सरकार ने करों में भारी वृद्धि किए बिना कराधान व्यवस्था को सरल बनाया है और कई ऐसे उपाय किए हैं जिनसे मध्यम वर्ग को राहत मिली है. उन्होंने नई कर प्रणाली का उल्लेख करते हुए कहा कि 15 लाख रुपये की वार्षिक आय पर प्रभावी कर 2023 में घटाकर 10 प्रतिशत किया गया और नई आयकर व्यवस्था के तहत इस साल भी इसे और कम किया गया है. कहा कि इस बजट में वेतनभोगी वर्ग के लिए मानक छूट 50 हजार रुपये से 75 हजार रुपये की गई है और प्रभावी राहत 17,500 रुपये की मिल सकती है.

स्टॉक, सावधि जमा जैसी बचत के लिए भी 'इंडेक्सेशन' लाभ की अनुमति दी जाए: कांग्रेस

कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि संपत्तियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कर के लिए व्यक्तियों को दो कर दरों के बीच चयन करने का विकल्प देने का सरकार का प्रस्ताव पर्याप्त नहीं है और स्टॉक और सावधि जमा जैसी बचत के लिए भी 'इंडेक्सेशन' (मुद्रास्फीति के प्रभाव को शामिल करना) के लाभ की अनुमति दी जानी चाहिए. चक्रवर्ती ने यह भी कहा कि 'ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस' और कांग्रेस पार्टी ने एक याचिका के साथ 'ब्रिंग बैक इंडेक्सेशन' नामक एक अभियान शुरू किया, जिसमें लोगों से इस पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया है.सरकार ने मंगलवार को रियल एस्टेट संपत्तियों पर पूंजीगत लाभ कर के मामले में करदाताओं को राहत देने का प्रस्ताव रखा. अब संपत्ति मालिकों के पास पूंजीगत लाभ पर 20 प्रतिशत या 12.5 प्रतिशत कर की दर में से कोई एक चुनने का विकल्प होगा. कांग्रेस की इकाई 'प्रोफेशनल्स कांग्रेस' के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि केंद्रीय बजट में उनकी बचत और निवेश लाभ पर 'इंडेक्सेशन' और उच्च करों को हटाकर मध्य और वेतनभोगी वर्ग को धोखा दिया गया है. उन्होंने कहा, '23 जुलाई को वित्त मंत्री ने संसद में सरकार का बजट पेश किया. हमने कुछ पहलुओं का स्वागत किया, लेकिन बजट के कई हिस्सों का कड़ा विरोध किया. वित्तमंत्री ने मध्यम वर्ग और वेतनभोगी पेशेवरों के साथ जो किया, उसका कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया. विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा कि बचत और निवेश लाभ पर 'इंडेक्सेशन' और उच्च करों को हटाने के माध्यम से 'मध्यम वर्ग के साथ विश्वासघात' किया गया. पहले से ही, मध्यम वर्ग और वेतनभोगी पेशेवर मोदी सरकार के तहत कराधान का खामियाजा भुगत रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

नेपाल और अमेरिका में हवाई हादसों में 9 मरे

काठमांडू/ओकलाहोमा सिटी। नेपाल में बुधवार को काठमांडू के उत्तर-पश्चिम में पर्वतीय क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई. वहीं ओकलाहोमा सिटी में मंगलवार दोपहर एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई. 'माय रिपब्लिका' अखबार की खबर के अनुसार, पुलिस ने नुवाकोट के शिवपुरी ग्रामीण नगर पालिका स्थित दुर्घटनास्थल से पांच शव बरामद किए हैं.

द. कैलिफोर्निया में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के दक्षिणी हिस्से में मंगलवार रात 5.2 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन अभी तक इससे किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि दक्षिणी कैलिफोर्निया में मंगलवार रात नौ बजकर नौ मिनट पर भूकंप आया और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई. उसने बताया कि भूकंप का केंद्र लॉस एंजिलिस से लगभग 85 मील (137 किलोमीटर) दूर स्थित केर्न काउंटी क्षेत्र के मेटलर के पास था.

चित्तौड़गढ़ जिले में सड़क हादसे में पांच की मौत

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मंगलवार देर रात सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक दंपति व उसकी नाबालिग बेटी भी शामिल है. हादसे में एक साल की बच्ची घायल हो गई. निम्बाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र में यह हादसा उस समय चित्तौड़गढ़-निम्बाहेड़ा राजमार्ग पर हुआ जब एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. बाइक पर छह लोग सवार थे. मृतकों में से दो एक कारखाने में मजदूर के रूप में काम करते थे.

कर्नाटक में काली नदी पर बना पुल ढह गया

पणजी/कारवार। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में काली नदी पर बना एक पुराना पुल मंगलवार देर रात ढह गया, परिणामस्वरूप गोवा को कर्नाटक से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर भारी यातायात जाम हो गया. कारवार पुलिस ने बताया कि काली नदी पर बने पुराने पुल का एक बड़ा हिस्सा रात करीब डेढ़ बजे उस दौरान ढह गया जब एक ट्रक वहां से गुजर रहा था. पुल ढहने से वाहन नदी में गिर गया. उसने बताया कि इस घटना में वाहन चालक घायल हो गया.

बांग्लादेश : अंतरिम सरकार के प्रमुख ने की हर प्रकार की हिंसा से बचने की अपील

चरम पर अराजकता की स्थिति

■ कानून-व्यवस्था बहाल करने में जुटे प्राधिकारी

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख नियुक्त किए गए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने बुधवार को सभी से "शांति कायम करने" और "हर प्रकार की हिंसा से बचने" की अपील की. यूनुस (84) कहा, "आइए इस नयी जीत का सर्वोत्तम उपयोग करें. हम अपनी किसी गलती की वजह से इस जीत को व्यर्थ न जाने दें." पेशे से अर्थशास्त्री यूनुस के प्रभार संभालने के लिए पेरिस से स्वदेश लौटने की संभावना है. उन्होंने कहा, "मैं वर्तमान परिस्थिति में सभी से शांति बरतने और सभी तरह की हिंसा और नुकसान से बचने की अपील करता हूं."

इससे पहले बांग्लादेश में छात्रों ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन स्वयंसेवकों के रूप में यातायात प्रबंधन किया. वहीं, एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य से धीरे-धीरे ड्यूटी पर लौटने और कानून-व्यवस्था की स्थिति बहाल करने का आह्वान किया. स्थानीय मीडिया में आई खबरों के अनुसार, सोमवार को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश में अराजकता चरम पर है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने या यातायात का प्रबंधन करने के लिए पुलिसकर्मी उपलब्ध नहीं हैं. अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक (एआईजी) एकेएम शाहीदुर रहमान को मौजूदा संकट से निपटने के लिए मंगलवार को बांग्लादेश पुलिस का शीर्ष अधिकारी नियुक्त किया गया. उन्होंने पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य से धीरे-धीरे ड्यूटी पर लौटने और सार्वजनिक सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति बहाल करने के काम में जुटने का आह्वान किया है.

बुधवार को सुरक्षा बल में हुए ताजा फेरबदल के तहत रहमान को अब रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है. अखबार ने बताया कि देशभर में मंगलवार को पुलिस थानों और विभिन्न केंद्रों पर हमलों में कई पुलिस कर्मियों के हताहत होने की खबरें हैं, जिससे यह अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है. 'प्रथम अलो' समाचार पोर्टल ने बताया कि प्राधिकारियों ने बुधवार को आरएबी और ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस (डीएमपी) के शीर्ष पदों में फेरबदल किया. उसने बताया, 'एकेएम शाहीदुर रहमान को आरएबी का महानिदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि मोहम्मद मैनुल हसन ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के आयुक्त के रूप में हबीबुर रहमान का स्थान लेंगे.' इस फेरबदल से कुछ घंटों पहले राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को मंगलवार रात को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया. अक्टूबर 2020 में नियुक्त हुए अटॉर्नी जनरल अबू मोहम्मद अमीनुद्दीन ने बुधवार को इस्तीफा दे दिया.

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख नियुक्त किए गए नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस पेरिस हवाई अड्डे पर.

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का किया आह्वान

हिंसा के बीच ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) ने धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों को छात्र आंदोलन की 'मूल भावना के खिलाफ' करार देते हुए अधिकारियों से हिंसा प्रभावित देश में सरकारी व अल्पसंख्यकों समुदायों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने का बुधवार को आह्वान किया. बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में मृतकों की संख्या बढ़कर 440 हो गयी है. इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में आगजनी और तोड़फोड़ की गई. मंदिरों पर भी हमला किया गया. ढाका में दो सामुदायिक नेताओं के अनुसार, कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और हसीना की अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हिंसा में हत्या कर दी गई है. 'डेली स्टार' के अनुसार, लोकप्रिय लोक बैंड जोलर गान के प्रमुख गायक राहुल आनंद के आवास पर सोमवार को तोड़फोड़ के साथ कीमती सामान भी लूट लिया और आग लगा दी गई जिसमें संगीतकार के 3000 से अधिक संगीत वाद्ययंत्र भी नष्ट हो गए. ढाका ट्रिब्यून के अनुसार टीआईबी ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के घरों, मंदिरों और व्यवसायों पर हमलों सहित जिलों में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं की कड़ी निंदा की है. टीआईबी ने टिप्पणी की है कि इस तरह की स्वार्थी और सांप्रदायिक गतिविधियां राष्ट्र को "समानता, न्याय और अच्छे शासन के साथ" पुनर्निर्माण करने के मौकों को विफल कर सकती हैं.

बांग्लादेश में हिंसा पर योगी ने कहा- एकजुट होकर लड़ने की जरूरत

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश में जारी हिंसा पर चिंता जताते हुए बुधवार को कहा कि इस पड़ोसी मुल्क में हिंदुओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है और सनातन धर्म पर आने वाले संकट के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की जरूरत है. योगी ने कहा, 'आज भारत के तमाम पड़ोसी देश जल रहे हैं. उन्होंने कहा, 'हम याद रखें कि जो समाज इतिहास की गलतियों से सबक नहीं सिखता है, उसके उज्ज्वल भविष्य पर ग्रहण लग जाता है.

बांग्लादेश के राजनीतिक हालात पर पाक ने कहा- स्थितियां जल्द सामान्य होंगी

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वे बांग्लादेश के लोगों के साथ हैं. साथ ही पाकिस्तान ने बांग्लादेश में जल्द ही स्थिति के सामान्य होने की उम्मीद भी जताई है. बुधवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान की सरकार और जनता हर मुश्किल घड़ी में बांग्लादेश के लोगों के साथ खड़ी है और उन्हें उम्मीद है कि बांग्लादेश में हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे. पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में आगे कहा गया है कि 'हमारा मानना है कि बांग्लादेशी लोगों की भावना और एकता उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगी.'सोमवार को आंदोलनकारी छात्रों के 'लॉन्ग मार्च टू ढाका' यानी ढाका अभियान के दौरान शेख़ हसीना और उनकी बहन शेख़ रेहाना देश छोड़कर चली गईं. वहीं नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का प्रमुख सलाहकार बनाया गया है. बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना के देश छोड़ने के बाद सेना प्रमुख ने देश को संबोधित कर अंतरिम सरकार बनाने की बात कही थी. राष्ट्रपति, सेना और छात्रों के बीच हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है.

बांग्लादेश बैंक में अराजकता की स्थिति : वहीं, कारोबारी प्रतिष्ठानों ने पिछले दो दिन में फैक्टरियों में आगजनी की घटनाओं के बीच बुधवार को कानून एवं व्यवस्था तुरंत बहाल करने की मांग की. 'डेली स्टार' अखबार ने 'इंटरनेशनल चैंबल ऑफ कॉमर्स, बांग्लादेश' के हवाले से बताया कि कारोबारियों ने कहा है कि उन्होंने आज खासतौर से कपड़ों की फैक्टरियां खोलीं, लेकिन अशांति और तोड़फोड़ के डर के कारण कई फैक्टरी का संचालन संभव नहीं है. 'ढाका ट्रिब्यून' ने बताया कि कार्यालयों को फिर से खोले जाने के बाद दूसरे दिन बुधवार को बांग्लादेश बैंक में अराजकता की स्थिति पैदा हो गई. डिप्टी गवर्नर काजी सईदुर रहमान सहित बांग्लादेश बैंक के छह शीर्ष अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया. बांग्लादेश बैंक के सैकड़ों अधिकारी बैंक गवर्नर के कार्यालय में घुस गए, जिससे कई डिप्टी गवर्नर को कार्यालय छोड़ना पड़ा. मंगलवार को देश के कई हिस्सों से हसीना की आवामी लीग पार्टी के कम से कम 29 समर्थकों के शव बरामद हुए, जिससे प्रदर्शन के हिंसक होने से अब तक मारे गए लागों की संख्या बढ़कर 469 हो गई है.

सलमान खुर्शीद ने कहा-भारत में भी हो सकता है बांग्लादेश जैसा हिंसक प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने मंगलवार को चेतावनी दी कि बांग्लादेश जैसे हिंसक विरोध प्रदर्शन भारत में भी हो सकते हैं, भले ही अभी सब सामान्य दिख रहा हो. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'कश्मीर में सब कुछ सामान्य लग सकता है. यहां भी सब सामान्य लग सकता है.' उन्होंने आगे कहा, 'हम जीत का जश्न मना रहे होंगे, हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि 2024 में जीत बहुत मामूली थी और अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है.' खुर्शीद ने कहा, 'सच्चाई यह है कि अंदर अंदर कुछ तो सुलग रहा है.बांग्लादेश में जो हो रहा है वह यहां भी हो सकता है... हमारा देश इतना बड़ा है कि बांग्लादेश जैसी स्थिति नहीं हो पाती है.' खुर्शीद ने यह भी कहा कि सीएए-एनआरसी कानून के खिलाफ दक्षिण पूर्वी दिल्ली के शाहीन बाग में हुए विरोध प्रदर्शन ने देशभर में इसी तरह के प्रदर्शनों को प्रेरित किया. हालांकि 100 दिन तक चले इस आंदोलन को खुर्शीद ने असफल बताया!

सरकार वायनाड त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे : राहुल गांधी

- लोस में नेता प्रतिपक्ष ने व्यापक पुनर्वास पैकेज, आपदारोधी बुनियादी ढांचे का निर्माण और मुआवज़ा बढ़ाने का आग्रह किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सरकार से केरल के वायनाड में हुई त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आह्वान किया. शून्यकाल के दौरान बोलते हुए गांधी ने प्रभावित लोगों के लिए अधिक मुआवजे की भी मांग की. वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, "मैंने इसे अपनी आंखों से देखा है. मैंने कई अलग-अलग जगहों का दौरा किया जहां आपदा आई थी. कुछ मामलों में एक पूरा परिवार खत्म हो गया, केवल एक व्यक्ति बचा, कभी-कभी कोई वयस्क या बच्चा." उन्होंने आपदा के दौरान मदद करने वालों के प्रति भी आभार व्यक्त किया. गांधी ने कहा, "200 से अधिक लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने के कारण, अंततः हताहतों की संख्या 400 से अधिक हो सकती है."

केंद्रीय बलों और सेना की भी सराहना की : कांग्रेस नेता ने बचाव कार्यों में मदद करने के लिए कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना की राज्य सरकारों के साथ केंद्रीय बलों और सेना की भी सराहना की. राहुल गांधी ने समुदायों द्वारा दिखाई गई एकता पर भी प्रकाश डाला. उन्होंने कहा, "विभिन्न विचारधाराओं के बावजूद सभी समुदायों को लोगों की मदद के लिए एक साथ आते देखना उत्साहजनक है."

यह एक बहुत बड़ी त्रासदी

राहुल गांधी ने बताया कि भूस्खलन के कारण महत्वपूर्ण सड़कें कट गई हैं, जिससे संकट और बढ़ गया है. गांधी ने कहा, "यह एक बहुत बड़ी त्रासदी है." उन्होंने सरकार से व्यापक पुनर्वास पैकेज देने, आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और प्रभावितों के लिए मुआवज़ा बढ़ाने का आग्रह किया.

अमेरिका ने इजराइल की रक्षा के लिए भेजे 12 लड़ाकू विमान

- पश्चिम एशिया में हिंसा बढ़ने की आशंका के बीच पेंटागन ने उठाया कदम

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट विमानवाहक पोत से करीब 12 एफ/ए-18 लड़ाकू विमान पश्चिम एशिया के एक सैन्य अड्डे पर भेजे गए हैं. यह कदम ईरान और उसके सहयोगियों के संभावित हमलों से इजराइल तथा अमेरिकी सैनिकों की रक्षा करने के पेंटागन के प्रयासों का हिस्सा है. एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि 12 एफ/ए-18 लड़ाकू विमानों और एक ई-2डी हॉकआई टोही विमान ने ओमान की खाड़ी में अमेरिकी जहाज से उड़ान भरी और वे सोमवार को एक अज्ञात सैन्य अड्डे पर पहुंचे. अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने क्षेत्र में सैन्य मौजूदगी बढ़ाने का आदेश दिया है, क्योंकि अधिकारी लेबनान में हिजबुल्ला के एक वरिष्ठ कमांडर और ईरान में हमास के शीर्ष राजनीतिक नेता की पिछले सप्ताह हुई हत्याओं के मद्देनजर पश्चिम एशिया में हिंसा बढ़ने की आशंका को लेकर चिंतित हैं. इन हत्याओं का शक इजराइल पर है. हिजबुल्ला और हमास को ईरान से समर्थन हासिल है.

पेरिस ओलंपिक : इजराइली एथलीटों को मिलीं धमकियां

पेरिस। इजराइल की ओलंपिक टीम ने कहा है कि गाजा में युद्ध के दौरान फलस्तीन के लोगों के मारे जाने को लेकर जारी भीषण तनाव और पश्चिम एशिया में व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के खतरे के बीच पेरिस ओलंपिक में आए उसके कुछ खिलाड़ियों को धमकियां मिली हैं. इजराइली राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष याएल अराद ने मंगलवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि टीम के सदस्यों को धमकियां मिलीं और इनके जरिए खिलाड़ियों में 'मनोवैज्ञानिक आतंक' उत्पन्न करने की कोशिश की गई.

टिम वाल्ज काबिल उपराष्ट्रपति साबित होंगे : कमला हैरिस

एजेंसी। फिलाडेल्फिया

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने मंगलवार को पेनसिल्वेनिया में एक रैली में मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज की सराहना की और कहा कि वह काबिल उपराष्ट्रपति साबित होंगे. दरअसल हैरिस ने टिम वाल्ज को पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है. हैरिस (59) का नवंबर में होने वाले चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति तथा रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप से मुकाबला होगा. हैरिस ने एक रैली में वाल्ज के साथ मंच साझा किया और कहा, 'ये ऐसे इंसान हैं जिनसे लोग जुड़ाव महसूस करते हैं और जो लोगों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते हैं. अमेरिका इसी प्रकार का उपराष्ट्रपति पाने का हकदार है.' हैरिस के बाद वाल्ज ने लोगों का अभिवादन किया और इस कठिन अभियान में उनका साथ देने का आग्रह किया. वाल्ज ने कहा, 'हमारे पास 91 दिन हैं. हे ईश्वर, यह आसान है.' वाल्ज 2018 में मिनेसोटा का गवर्नर बनने से पहले 12 साल तक सांसद रह चुके हैं. पिछले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन ने आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने की घोषणा की थी, जिसके बाद भारतीय मूल की उपराष्ट्रपति हैरिस को सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से 2024 का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया गया.

विवाद अधिकारियों ने जिम्मेदारीपूर्वक बर्ताव करने का किया आह्वान, कहा-उकसावे वाले पोस्ट से भड़केगी हिंसा

उकसावे वाली टिप्पणियों के बीच मस्क को ब्रिटिश सरकार की नसीहत

- दिग्गज उद्यमी ने कहा था-ब्रिटेन में 'गृह युद्ध टाला नहीं जा सकता

एजेंसी। लंदन

ब्रिटेन सरकार ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गज उद्यमी एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कथित तौर पर कई उकसावे वाले पोस्ट करने के बाद उनसे जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करने का आह्वान किया है. अधिकारियों का कहना है कि इन पोस्ट से देश में हिंसा भड़कने का खतरा है. न्याय मंत्री हेदी एलेक्जेंडर ने मंगलवार सुबह यह आह्वान उस वक्त किया, जब मस्क ने पोस्ट किया कि ब्रिटेन में 'गृह युद्ध टाला नहीं जा सकता है.' मस्क ने ब्रिटिश सरकार पर हमले और तेज करते हुए कहा था कि देश की आपराधिक न्याय प्रणाली दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं के मुकाबले अल्पसंख्यक मुसलमानों से अधिक नरमी से पेश आती है. उन्होंने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं पर ब्रिटेन की कार्रवाई की तुलना पूर्व सोवियत संघ से की थी. एलेक्जेंडर ने 'टाइम्स रेडियो' से कहा, 'गृह युद्ध जैसी भाषा का इस्तेमाल किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है. हम देख रहे हैं कि पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं, इमारतों में आग लगाई जा रही है और इसलिए मुझे लगता है कि जिस किसी के भी पास एक मंच है, उसे अपनी शक्ति का जिम्मेदारीपूर्वक इस्तेमाल करना चाहिए.' ब्रिटेन में एक सप्ताह से अधिक समय से हिंसा हो रही है. उत्तरी आयरलैंड से लेकर इंग्लैंड के दक्षिणी तट तक के शहरों और कस्बों में प्रवासी विरोधी और इस्लाम विरोधी नारे लगा रही भीड़ के साथ पुलिस की झड़पें हुई हैं. देश में हिंसा तब शुरू हुई, जब दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने 29 जुलाई को हुए एक चाकू हमले को लेकर सोशल मीडिया पर झूठी अफवाहें फैलाईं, जिसमें तीन लड़कियां मारी गई थीं. प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों और मंत्रियों के साथ एक आपात बैठक के बाद मंगलवार को कहा कि दोषियों को जल्द ही सजा दिलाई जाएगी. पीएम ने इस हिंसा को 'धुर दक्षिणपंथियों की गुंडागर्दी' करार दिया था.

ब्रिटेन के विशेष प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मी आव्रजन विरोधी प्रदर्शनों से निपटने को तैयार

लंदन। ब्रिटेन में आव्रजन विरोधी प्रदर्शनों से निपटने के लिए हजारों पुलिसकर्मियों को तैयार रखा गया है जिनमें विशेष प्रशिक्षण प्राप्त पुलिसकर्मी भी शामिल हैं. देश में प्रदर्शनकारियों द्वारा आव्रजन वकीलों और उनके कार्यालयों को भी निशाना बनाये जाने तथा आव्रजन विरोधी धुर-दक्षिणपंथी प्रदर्शनों के बढ़ने की संभावना के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने मंगलवार शाम मंत्रियों, पुलिस प्रमुखों और सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ दूसरी आपातकालीन 'कोबरा' बैठक की अध्यक्षता की ताकि दंगों का मुकाबला करने के लिए एक विस्तृत रणनीति तैयार की जा सके. स्टॉर्मर ने 'कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम ए' (कोबरा) की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं कि जहां पुलिस कार्रवाई की आवश्यकता है, वहां वह हो. जिन विशेष स्थानों पर सहायता की आवश्यकता है, वहां वह मिले.' उन्होंने कहा, 'स्पष्ट रूप से मुश्किल हालात हैं क्योंकि एक ही समय में कई अलग-अलग स्थानों पर अव्यवस्था फैली हुई है, यही कारण है कि मैंने दूसरी कोबरा बैठक की. मैं चाहता हूं कि हमारे पास पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी हो.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)